## ॥ अथान्यप्रकारशोथवर्ननम् ॥

रोगसोजऐसीजोरोजवधजांदीहै ॥ चौपई ॥ वातदोषकरसोजपछांनो सरतांननाममतफारस मांनो चनेसमांनप्रथमदिनसोई प्रातिदिनवढतअधकदुखहोई हरारंगकछुइयांमदिखावे वतांऊसमानसीघ्रहोजावे ऊपररगांचुतरफीहोई छोटीवडीदिखावतसोई ज्योंसर्षपकेदाणेमानो त्योंउत्पत्तताहूपरजांनो-सोदाणेभीतरधसजावे अंगारसमांनजलनप्रघटावे जेकरपृष्ठअस्थिपरहोई हृदेनिकटमारकहैसोई-जेकरकमीताहिपडजावे तौविनईश्वरकौंनवचावे जेकरनेत्रनआगेहोई करेयतनहठजावेसोई जोनेत्रनकेपाछेजाना सोमारकनिश्चामनआंनो ताहियतनइकऐसाहोई काटगंदकरवाहिरसोई चारोंतरफजोकलगवावे सरेरोगकारुधिरछुढावे लोहाखूपतपावेकोई करेदाघसीघ्रसुखहोई छिलकावैरवृक्षकाल्यावे श्वेतहोएजलपायघसावे मलेमेलघृततापरकोई तौफुनियतनऊौरविधहोई निंवपत्रनुगदाकरवावे वांधेऊपरदोषहटावे आदयतनइकएसाहोई मर्चपीसकांजीसंगसोई वारंवारमलेसुखपावे निश्चेसोजदूरहोजावे डडूजीवमंगा:वैकोई दोटुगडेकरवांधोसोई शालीनामघासमंगवावे करेकाथतासंगधुलावे ऊपरघासवांधिएसोई कीडेदूरसीघ्रसुखहोई विठकावपक्षीकीआंनो अथवाविठकवूतरमांनो करेलेपदुखदूरहटावे दूधभातहितपथ्यखुलावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांशोथाऽधिकारकथनंनामअष्टत्रिंशोऽधिकारः ॥ ३८ ॥

## ॥ अथमेदरोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ मेदनिदानवरननकरोंजैसेकह्योनिदान समुझचिकित्साजोकरैसोंहैपुरुषसुजान ॥ अथमेद-रोगकारणं ॥ चौपई ॥ रजनीकाजकरैनरको बावैठेदिनकोंरहैसो जिसअहारतेंकफवधजावै तारसआमइवमेदबढावैं ॥ अथलक्षणं ॥ चौपई ॥ देहस्थूलकरतहैसोय अग्निमंदकरडरैवोय अग्निमंदसोंआमवधावै आमवृद्धबलक्षयहोइजावै होईंअसमर्थसभकारजमांहि कारजकरैतुश्वासवधाहि त्रिषामोहनिद्राबहुजोय अकस्मातश्वासरोधजोहोय तनदुर्गंधस्वेदक्षुत्प्रगटावै देहीपीडतासदरसावै अल्प-करैमैथुननरसोय वलभीअल्पदेहमोंहोयसभहींउदरहाडनमंझार वेदनरहैलखोसविचारमेदरोगजाकेतनहोय उदरवहुतवधजावैसोय मेदसमस्तमारगकोंरोकत तनद्वारणकेद्वारेहीतक कोष्टमध्यस्थितवातजुहोय अ-ग्नीदीप्तिकरोतिससोय नरआहारसोदग्धकरेजव पुनभोजनइच्छाप्रगटकरेतव अग्निवातहोयकठेजवै करेंउ-पद्रवनरकोंतवै उपजावतसुअनेकविकार मेदरोगयोलषोउदार देहीस्थूलदाहतनरहै दावानलज्योंवन-कोंदहै मेदवृद्धतापावतहैजब वातादिकदारुणप्रगटतहैतव सोवातादिकनिजवलधरें मेदरुर्ज।कोंहतसो-करें मेदरोगजोमांसवधावै उत्साहनउपजिततनवदजावै तनस्थूलहोतहैजास निर्वलरहैहर्षनाहिंतास उदरस्तनरिफकवृद्धितापावै मेदजुरोगनामतिसगावै मेदवृद्धिजासतनहोय रोगप्रगटकरैनवसोय नवकेना-मभिन्नकरकहों निदानग्रंथमतजानसुलहों कुष्टविसर्पिकामलाकहिये ज्वरातीसारअपचीपुनलहिये अर्श-भगंदरश्लीपदजानो अवरमेदनवरोगपछानो ॥ दोहा ॥ मेदरोगवरननकियोसभजीवनकोंहोय यातेंहो-हिविकारबहुजानेचतुराकोय ॥ इ।िमेदरोगनिदानसमाप्तम् ॥

## ॥ अथमेदरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ मेदचिकित्साकहितहोंबंगसेनअनुसार प्रथमहिसमुझेयाहिकोंपुनकरहेउपचार ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचवकहिंगुअरुजीरा सौंचलचित्रासमलेवीरा चूरनकरैयथाबलपावै अग्निवधैरुजमेदनसावै ॥ अन्यच ॥ यवसत्तूचूर्णदहीकेसंग षावैमेदरोगहोइभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटा-तैलमिलाय पायलवणमासेषट्षाय कफजमेदनाशहोइजावै दुषनाशैंतनसुषप्रगटावै ॥ चौपई ॥ बायविडंगसुंठअरुक्ष्यार लोहचूर्णसभहीसमडार मधुमिलायकरषावैसोय नाशरोगमेदकोहोय ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ यवसत्तूजोभूनमंगावै चूर्णआमलेसमतिसपावै सेवनयांकोराषैंजोय नाशमेदरोगकोहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलेकोचूर्णकरवावै मधुगोमूत्रमिलायसुषावै मेदरोगकोहोइहैनाश होइआ-रोग्यदेहदुतिभास ॥ वडवानलरस ॥ पारातामेश्वरफुनसार बीजबोलइनकेसमडार पीसमहीनभांगरेरस-कर तीनदिवसखरलकरैजुगुणवर रतीप्रमाणगोलीतिंहवांधें अनूपानमखीरसोंसाधे मेदरोगकोंहोवैनाश चर्कमतीइहकीनप्रकास पुनः पाराधतूरेकोरसलेय मर्दनकरैमेदहरतेय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ बिल्वादिपं-चमूलमंगवावै समसुकायचूर्णवनवावै मधुमिलायकरषावैसोय नाशरोगमेदकोहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ यवगवेधुकाभूनमंगावै तिन्हसभकेसत्तूपीसावै मधुमिलायसंगत्रिफलाकाथ खायमेदहरानिश्चयगाथ ॥ अथलेह ॥ चौपई ॥ त्रिफलाअरुगिलोयसमआन क्काथकरैसभकूटमिलान तामोचूर्णलोहमिलावै अथवागुग्गुलपायपकावै अतिमुक्ताकेबीजरलीजें मधुमिलायकरलेहवनीजें अथवाशिलाजीततिंहपाय पकायचटावैमेदमिटाय ॥ अन्यच ॥ चित्रामूलमहीनपिसावै मधुमिलायपरभातचटावै मेदरोगकोहो-

इहैनाश बंगसेंनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ शिलाजितकुठअगरसुरदार रैवंदपंचपत्रपुनडार श्रीवासामरुवालाजवंतीमिलावै देवपुष्पसमपीसरलावै धत्तूरैरससाथमिलाय तनदृढमलेअवरपुनषाय मेदरोगकोहोइहैनाश अरुस्थूलतादेहविनाश ॥ अथअमृतागुग्गुल ॥ चौपई ॥ गिलोयअवरलघुएला-आन विडंगउशीरकलिंगपछान हरडआमलेगुग्गुलुपावै क्रमकरवृद्धसुपीसमिलावै मधुमि-लायकरषावैकोय मेदस्थूलतापिटकाषोय अवरभगंदररोगविनाश अमृतागुग्गुलकह्योप्रकाश ॥ अथनवकगुग्गुल ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलाचित्राआन मुस्थरअवरविडंगसमान इन्हसभसमगुग्गुलकोंपावै पीसरलाययथाबलषावै मेदआमवातवफव्याध नाशहोंहियहस-कलउपाध ॥ अथलोहरसायण ॥ चौपई ॥ गुग्गुलतालमूलत्रिफलाय पैरत्रिवीअलंवसापाय शुंठी-वासानिर्गुंडीचित्रा यहदशशतपलपावोमित्रा पंचाढिकजलपायपकावै पादशेषरहैताहिछनावै लोह-चूर्णद्वादशपलपाय प्रस्थपुरातनघृतजुमिलाय पलजुअष्टशरकरासमावै मंदअग्निकरताहिपकावै तलेउतारशतिलतिसकरै अर्धप्रस्थमाष्वींतिंहधरै दोइपलपीसाशिलाजितपावै विडंगतीनपलताहिमि-लावै लघुलायचीदालचीनीआन अर्धअर्धपलपीसामिलान मघांमरचदोइदोइपलपावै दोइपलसु-रमाचूर्णमिलावै गजपीपलअरकाहोलीजैं दोदोपलतिसमाहिधरीजै सभमिलायकरभलीप्रकार धरैसोपात्रसनिग्धमंझार नित्यचारटांकपरिमान दुग्धसाथषावैजुविहान वारसवनमृगपक्षीमास तासोंषा-यमेदहोइनाश वातजकफजव्याधनिरवारै कुष्टकामलापांडुविडारै उदररोगशोथमूर्छाय मेदभगंदरदूर-नसाय विषउन्मादकुक्षदुखजावै अवरस्थूलतारोगनसावै बलअरुबुद्धिवंधेजवधावत वाजीकरणपुरुषजुजना-वत जरानिवारयुवाप्रगटात शोभादेहपुत्रउपजात लोहरसायणयांकोंजान सभहींकोंयहहैसुखदान जोनरजाकोसेवनधरै वस्तूएतीत्यागनकरै कदलीकांजीकर्मर्दकजान ककारादिकरीरकरैलेमान इति अथ-व्योषादिसत्तूं ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचित्रात्रिफलाआन कौडसुहांजणापाठाठान दोईकंडच्यारीहलदी-दोय फालसेहिंगुशालपर्णीसोय धनियांएरणमूलपतीस जवायणसौंचलजीरापीस यहसमचूर्णकरेव-नाय जासमघृतमधुतैलमिलाय षोडशगुणयवशत्तूंकीजै सोभीतासमोंआनरलीजैं पथ्यधरैजुयथा-बलषावै मेदप्रमेहवातरुजजावै कुष्टअर्शकामलाविनाशैं पांडुलिं:फशोथपुननाशैं मूत्रकृछ्रहृदरोग-निवारै राजयक्ष्मगलग्रहक्रमटारै श्वासकासग्रहणीमिटजाय स्थूलरोगएतेनरहाय अग्नीस्मृतवुद्धीवध-मान दीपनपाचनताहिपछान ॥ अथत्रिफलादितैल ॥ त्रिफलामूर्वात्रिवीपतीस चित्रावासाहल-दीपीस निंबअमलतासजुगिलोय इंद्रजवसप्तपर्णीसंजोय कुठकणासर्षपवचनागर इन्हसभतुल्यतैल-तिलनधर अरुतामोंतुलसीरसपावै सभमिलायतनमलैजुषावै गंडूपकरैनसवारचढाय वस्तीकर्मकरै-चितलाय मेदस्थूलपांडुनरहावै कफजरोगनाशेसुखपावै ॥ अथमहासुगंधीतैल ॥ चौपई ॥ चंदनकुंकुमअगरउशीर प्रयंगूक्रौंचवीजलहुधीर गोरोचनअवराशिलारसपावै गुगुलरालकचूररलावै कस्तूरीलघुलायचीआन जलवत्रीकंकोलपछान लवंगजायफलकुठसुपारी रेवंदतगरदोइनखडारी छडअरुवोलदमनकपहिचान स्थौनेयचोरकसरलतरुमान मुसककपूराशिलाजितलाष पद्मकाष्टआमल-कीभाष लामज्जकलेधावेफूल सप्तपर्णिसभलेसमतूल स्थलकमलविरोजातासरलाय महीनपीसकरकूट-वनाय घ्राणप्रमाणइन्हनकोहोय इन्हसमतैलमिलावैजोय मंदअग्निपकायकरषावै मेदस्वेदमलरुज-मिटजावै कंडूकुष्टदुर्गंधनसाय युवाहोयबलवीर्यवढाय धातुपुष्टइस्त्रीप्रियहोय सुंदरदर्शनतनलषसोय

शतइस्त्रीभोगनसामर्थ नपुंसकपुरुषहोयलहोअर्थ वंध्यापावैगर्भधराय अपुत्रपुत्रकोंप्रापतपाय इकशतवर्षजीवतोरहै वैद्यकशास्त्रअसफलकहै ॥ अन्यच ॥ असगंधदुग्धकेसाथजुषाय अर्धमासमजों दधराय वापीवेघृततैलकेसाथ वासुखजलकरसुनयहगाथ यहकृशतनकोपुष्टकरावै वर्षाजलज्योंसाखवधावै ॥ अथमर्दनदुर्गंधारि ॥ चौपई ॥ वासापत्रनकोरसलेय संखचूर्णतामेंधरदेय देहमलेदुर्गंधमिटावै मेदरोगजावैसुखपावै ॥ अन्यच ॥ शंखचूर्णरसविल्वदलसंग मलैदुर्गंधहोतहैभंग ॥ अन्यच ॥ अलंबकाचूर्णकांजीसंग पीवैहोयदुर्गंधकोभंग ॥ अन्यच ॥ विल्वगिलोयरससमदोलीजै गुंजामूलकोचूरणकीजै यहमिलायतनमर्दनकरै दुर्गंधादिकारदेहतेंहरै ॥ अन्यच ॥ बुटणाहरडचूर्णमलवावै दुर्गंधस्वेदहरपाछेन्हावै ॥ अन्यच ॥ किक्करपत्ररसवुटणालावै पुनहरडमलैइस्नानकरवावै तांतेतनको स्वेदमिटाय विनास्वेदहोयतनसुखपाय ॥ अन्यच ॥ मल्लीपुष्पपीसतनमलै तनकोदाहतुरतहीटलै ॥ अन्यच ॥ जायफलचूर्णमधुमदपाय पीवैस्वेदरोगमिटजाय ॥ अन्वच ॥ चौपई ॥ वचकिलपत्रकर्कटिकेपान दूर्वाहलदजुपीसमिलान अगऊपरसोमर्दनकरै तनकोदाहशांतियहकरै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सामेदकीवंगसेनअनुसार वैद्यचतुरऐसेंकरैतौमिटजायविकार ॥ इति-

## ॥ अथमेदरोगपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मेदरोगकेपथअपथसुनहोवैद्यसुजान तिन्हकोंभाषोंसुमझकरजोहैंशास्त्रप्रमान ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपै ॥ चिंताअरुजाग्रनपहिचानो मैथुनश्रमअरुलंघनमानो आतपसेकनभ्रमणलहीजै छर्दअवरेचनलषलीजै हाथीघोडेकीअसवारी यहभीकहैंसुपथ्यविचारी पुरातनकोद्रवकंगुणीजान अवरस्वांककोनिजउरठान इन्हअन्नकोआटाजोय मेदपथ्यलषलीजैसोय चणेमसूरमुंगजुकुलत्थ यवचीणाजानोलषपथ्य तक्रमषीरजुमदरापान वस्तुकषायकटुतीक्षणमान चिंगटमत्सनामजोअहै सोभीमेदरोगपथलहै फलवृंताकसोभस्मकरावै ताहीकोंपुनपथ्यलषावै तीतरअवरकवूतरमास यहभीपथ्यकीनपरकाश त्रिकुटासर्षपतैलपछान एलायचीकीनपरिमान पत्रशाकतप्तजलमानो शिलाजीतपुनपथ्यपछानो अवरसमस्तजोरूषीवस्तु मेदरोगपथ्यजानप्रशस्तु ॥ दोहा ॥ मेदरोगकेपथ्यसुनभाषेलहोसुजान आगेकहोंअपथ्यअवसुनअपनेउरठान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपै ॥ तंडुलसभजातनकेजोय अरुगोधूमअपथलषसोय शीतलवस्तुसमस्तपछान अरुशीतलजलकोइसनान मिसरीदुग्धषंडगुडमाष मिष्टसमस्तअपथकरभाष मत्सअवरसभजानोमास दिनकोशयनअपथलषतास अवरसमस्तसुगंधकहावै पुष्पादिकसुरभीलषपावै तिन्हसभकोंअपथ्यकरजान ऐसेंग्रंथसुकीनप्रमान ॥ दोहा ॥ पथ्यअपथ्यजुमेदकेभाषसुनायेतोहि जैसेंवैद्यकग्रंथमेंतातेंदोषनमोंहि इतिमेदरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ मेदरोगवरननकियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इतिमेदरोगसमाप्तम्.

## ॥ अथकर्मविपाकमेदरोगकारणं ॥

चौपै जोनरअग्नहोमअतिश्रेष्ट देवपित्रकर्मवाकाहूइष्ट तिहअग्निजलउछिष्टवुझावै याउछिष्टठौरहिफेकावै मेदरोगहोवेतिहकारण ताहिउपायइहकह्योविचारण ॥ उपाय निराहारव्रतकरआराधन मंत्रगायत्रीतंत्रइहसादन पातरएकनवीनमंगाय चौमुखदीपतिहमध्यटिकाय अनेकरंगपटध्वजावनावै चारोऔरताहि-

दरसावै भक्ष्यभोजधरैतिहमाहि प्रातहिकालचौराहाटिकाहि इहविधकरैक्रियाजोकोइ तिहकरमेदरोगसब-खोइ इतिकर्मविपाकः ॥ दोहा ॥ मेदजुदोषवषान्योकारणसहितउपाय विद्रधिदोषवषानहोसोसुनमन-चितलाय.

## ॥ अथमेदरोगेज्योतिष ॥

चौपै चंददशाकेअंतरेबुद्धदशापडजाइ मेदरोगकीहानतिहआनकरैसमभाइ चंद्रमपूजाउचिततिहरोगनि-वृत्तीमाहि ब्राह्मणभोजनतस्मईउचितचंद्रमाहितकहीताहि इतिज्योतिषम् इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीर-प्रकाशभाषायांमेदरोगाऽधिकारकथनंनामएकोनचत्वारिंशोऽधिकारः ॥ ३९ ॥

## ॥ अथविद्रधिशोथनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ विद्रधिशोथनिदानकोंवरनोंसमुझविचार जैसेंकह्योनिदानमोंजानोपुरुषउदार ॥ चौपई ॥ गुरूअसात्म्यभोजनजानो विरुद्धअन्नअरशुष्कसुमानो अवरजुपतलाभोजनकरे अतिमैथुनव्यायामसुधरे तातेंकुपितदोषजवहोग उपजेताकोविद्रधिरोग मेदरक्तत्वचमांसमंझार तीनदोषजवकरेंविकार हाडोंमोंसोइस्थितहोय शनैशनैशोथउपावैंसोय महाघोरअतिऊचोजान पीडायुतहोइशोथमहान वडोमूलसोजेकोहोय वर्तुलवाविस्त्रतहोइसोय ताकोंविद्रधिरोगपछानो षट्प्रकारताकेयोंमानो

## ॥ अथषटप्रकारविद्रधिवरननम् ॥

॥ चौपई वातजपित्तजकफजकहीजें त्रिदोषजक्षतजरक्तजलषलीजैं तिन्हकेलक्षणकरोंवषान समुझलेहुतुमपुरुषसुजान

## ॥ अथविद्रधिरूपस्थानलक्षणम् ॥

॥ चौपई कुत्तदोषमिलगुल्मउपावैं वल्मीकन्यायषहुरेदरशावैं गुदानाभितलनाभिमंझार कलेजेंअथवाहृदयनिहार कुक्षउरूसंधनमींहोय अंडनवामुखभीतरजोय अथवाहोवतत्रिषाअस्थान इन्हठौरनकेअंतरजान जिहचिन्हनकरठौरपछानत सुनोसुचिन्हइहभांतवषानत अधोवातरोकीजवजावै गुदामांहिविद्रधीलषपावै कष्टसाथमूत्रैनरजोजव नाभितलैविद्रधिजानोतव हिडकीपीडाक्षोभअपार विद्रधिजानोनाभिमंझार वायुकोपजवहीलषपैये कुक्षमध्यसोविद्रधिलहिये पकडीसीकट्पृष्टलषावै कटऊरूसंधनमोंथावै पार्श्वसंकोचहोतहैजवही वृषणोंमोंप्रगटतसोतवही जवसवंगिग्रहणसोकरै हृदयमध्यतौंतलषपरै षांसीअधिकजवैप्रगटावै अवरोंश्वासहोयलषपावै मध्यकलेजैतवहींजान त्रिषाअधिकतौत्रिषाअस्थान ॥

## ॥ अथसाध्यअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मर्मस्थानजुविद्रधोहोय पक्वअपकजानलषसोय असाध्यविद्रधीताकोजान अवरजुसंन्नपातकीमान नाभीऊर्द्धजुविद्रधीहोय असाध्यविद्रधीजानोसोय नाभीऊपरजोपकैविकार निकसैतारसऊपरद्वार नाभितलैपाकैरुजजोई तलेद्वारनिकसैरसवोई अधोद्वारानिकसैरसजोय जीवतरहैजुरोगीसोय ऊर्द्धद्वारकरहोयनिसार मरैसुरोगीनिश्चयधार ॥ अथसाध्यलक्षणं ॥ चौपई ॥ त्वकमेनाभीअधजोहोय मर्मस्थानसमीपविजोय साध्यविद्रधीताकोजानो निदानग्रंथमतकह्योसुमानो.

## ॥ अथविद्रधिउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ कवजअफारत्रिषाअरुश्वास छर्दउवाकीहिडकीकास असलक्षणविद्रधिलषपाहि वैद्यसमस्तताकोंतजजांहि ॥ दोहा ॥ विद्रधिशोथवषान्योसभलक्षणसंयुक्त एकसमुझतहांचाहियेजानेयुक्तअयुक्त ॥ इतिविद्रधिशोथरोगनिदानम् ॥

## ॥ अथविद्रधीरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्साविद्रधीसुनियेइकचितहोय ज्योंभाषीवंगसेंनमततैसेंवरनोंसोय ॥ चौपई ॥ रुध्रजलौकाकरजोमोक्षण अरुहितकरजानोमृदुरेचण विद्रधिरुजजोसर्वप्रकार यहउपायतामोंहितकार पित्तजविनास्वेदहितकारी यहउरधरिएसमुझविचारी अपक्वविद्रधीजाहिलषावै शोथऔषधीतापरखावै

## ॥ अथवातजविद्रधीशोथलक्षणं ॥

॥ चौदई ॥ शोथवरणश्यामवालाल कबहूंअल्पकविहोयविशाल नानाविधिकोपाकउत्थान पीडासंयुतहोयसुजान.

## ॥ अथवातजविद्रधिउपाय ॥

॥ लेपन ॥ चौपई ॥ एरंडमूलकीत्वचापिसावै घृतचरवीअरुतैलमिलावै करेउष्णपुनलेपलगावै वातजविद्रधिरोगनसावै स्वेदनिकासेवंधनकरै वातजरोगविद्रधीहरै ॥ अथवंधन ॥ त्वचासुहांजणेमूलपीसाय उष्णकीजियताहिवंधाय ॥ अन्यचलेप ॥ चौपई ॥ यवगोधूममुद्गयहतीन घृतपीसालिपावैपुरुषप्रवीन तौभीहोएरोगकोनाश दुखनाशैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विल्वपुनर्नवाअरुदशमूल देवदारुयहलेसमतूल पीवेउष्णवालेपलगावै वातजरोगविद्रधीजाव ॥ चूर्ण ॥ गुगुलचूर्णसहएरणतेल पीवैवातजविद्रधिठेल ॥ अथक्राथ ॥ चौपै ॥ ज्वरसंयुक्तविद्रधिजोय यहउपायकीजैदुखषोय हरडपुनर्नवाविल्वदशमूल गिलोयसुहांजणालेसमतूल देवदारुपुनसंगमिलीजै करेक्राथप्रातहिंउठपीजै अथवायाकोचूर्णपाय वातविद्रधीसहज्वरजाय

## ॥ अथपित्तजविद्रधिशोथलक्षणं ॥

॥ चौपै उदुंवरपक्ववरणजिहहोय रंगश्यामज्वरसंयुतसोय शीघ्रपकैअरुशीघ्रउठैऊ पित्तजलक्षणजानोतेऊ-

## ॥ अथपित्तजविद्रधीउपाय ॥

॥ चूरण ॥ चौपै ॥ जोपित्तजविध्रधीलषावै ताऊपरयहचूर्णपावै लाजामिसरीअवरमुलठ यहसमघृतमोंकरेइकठ प्रातहिंउठकरषावैतास पित्तजविध्रधिहावैनाश ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ चंदनअरुसमलेहुउशीर प्रातहिंउठपीजिसंगक्षीर अथवायाकोलेपलगावै विद्रधिपित्तजहतहोइजावैं क्राथजुत्रिफलात्रिवीयुतपीवै नाशविध्रधीपित्तजथीवै ॥ अथघृत ॥ घृतशतधौतपानकरैजोय वामाषनगोकापियेसोयपित्तजविद्राध्रिहोवैनाश निश्चेकीजैमनमोंतास अथवावहरेचनकरवावे पितजविद्रधितातेंजावे.

## ॥ अथकफजविद्रधिशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अल्पपांडुवरणसुलषावै वडोशोथशीतलदरशावै सनिग्धअल्पपीडायुतहोय चिरकरपकैउठैचिरसोय कफजचिन्हविद्रधियहकहै ज्योंनिदानग्रंथमोंलहै.

## ॥ अथकफजविद्रधीउपाय ॥

॥ चौपै ॥ कफजविद्रधीजाहिलहीजैं इंहविधितासचिकित्साकीजै ईटोंकावालेहिसेक रेतसेकवालषोविवेक वागोगोवरसेकदिवावै कफजविध्रधीहतहोइजावै ॥ अन्यउपाय ॥ गूत्रउष्णकरतासोंधोवै स्वेदनिकासैकफजहिंषोवै ॥ अन्यच ॥ दशमूलहिंकोरसवाक्राथ धोवैविधिसोंइन्हकेसाथ कफजविद्रधीहोवैंनाश दुखनाशैतनसुखप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपै सुहांजणवरुणाकोकरक्राथ गुगुलपीवैताकेसाथ विद्रधीकफजहोयहैनाश निश्चयआनोमनमोतास ॥ अन्यच ॥ त्रिफलावादशमूलीक्राथ गुगुलपीवेताकेसाथ वापीवेगोमूत्रसंग कफजविद्रधीहोवेभंग.

## ॥ अथत्रिदोषजविद्रधिशोथलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ नानावरणश्रावपुननाना नानाविधिपीडाप्रगटाना नानाथलतलऊपरजान पाकहोयत्रिदोषजमान घटवतवडोशोथदरशावै चिन्हत्रिदोषनकेप्रगटावै अथउपाय त्रिदोषजविद्रधीजिसतनलहिए औषधताहित्रिदोषहरकहिए

## ॥ अथक्षतजविद्रधिशोथलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ काष्टलोहपाषाणआदिजो तिन्हकरताडितलषियतथलसो तिन्हथलतेंनाहिंरक्तनिकाशै विनांरक्तवडशोथप्रकाशै नरनाहिंऐसोंपथ्यरहाही क्षतजविद्रधीउपजैताहि क्षतमेवायुकुपितजवहोय रक्तअवरपित्तप्रगटतसोय ज्वरअरत्रिषादाहउपजाय क्षतजविद्रधीलक्षणगाय पित्तजविद्रधिपूर्वजोकही तिसकेलक्षणजानोंसही.

## ॥ अथकोष्टजविद्रधिउपाय ॥

॥ चौपै ॥ जिसेविद्रधीकोष्टमंझार ताकोअसकीजैउपचार हरडचूर्णनीकेंपीसावै रससुहांजणेसाथपिलावै कोष्टविद्रधीकोहोइनाश एरंडतैलपानहिततास ॥ अन्यच ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ जीरामघतुम्मायुतलीज पुनहींअपामारगकेवीज यहसमचूर्णपीवैजोय नाशविद्रधीकोष्टजहोय ॥ अन्यउपाय ॥ सुहांजणेमूलरसमधुजुमिलाय पीवेकोष्टजविध्रधीजाय,

## ॥ अथरक्तजविद्रधीशोथलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कृष्णवरणशोथकोहोय तीव्रदाहपीडायुतसोय स्फोटसज्वरपितचिन्हलषावत रक्तजविद्रधिसोऊकहावत

## ॥ अथरक्तजादिउपाय ॥

चौपै रक्तसपित्तजविद्रधिजोय नाडीवेधश्रेष्टतिंहहोय केवलरक्तजविद्रधिमांहि पित्तजरुयाश्रेष्टलषपाहि

## ॥ अथरक्तविद्रधिउपाय ॥

॥ चौपै ॥ रक्तचंदनमंजीठमिलाइ हलदीमहुआअगुरजुपाइ दूधपीसलेपजोकरे रक्तजविद्रधितातेंटरेः क्षतजविद्रधीपुर्वजोकही ताकीऔषधभीहितलही

## ॥ अथअपक्वविद्रधिउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जोअपक्वविद्रधीलषावे तासचिकित्साऐसेंगावै ॥ क्वाथ ॥ सितपुनर्नवाकोलेमूल वरुणामूललेहुसमतूल करैकाथनरपीवैजोय नासअपक्वविद्रधीहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ केवलक्वाथसुहांजणाकीजै सेंधाहिंगुमिलायसुपीजै अपक्वविद्रधीकोहोइनाश इहप्रकारगुणजानोतास ॥ चूर्ण ॥ पाठामूलचूर्णमधुपाय सतंडुलजलपीवैदुखजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडेसेंधापुनलेधावै घृतमधुमेलेचूर्णपावै अंत्रविद्रधिहोवैनाश निश्चयकीजैमनमोतास ॥ लेपन ॥ चौपई ॥ दंतीचित्राहरतालहयमार पुनाकरंजुताहूमोंडार यहसमपीसैलेपनकरै शोथविद्रधीतातेंटरै

## ॥ अथसामान्यविद्रधिचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ भूनिंबप्रथमअर्धपलपाय रजनीइकपलताहिसमाय दालहलददोइपलसंगदीजै मूर्वाअर्धपलतासंगकीजै पलपुनर्नवाअर्धपलकौड पलगिलोयलेतामोंजोड सुंठयवाहाअमलतास पलपललेकरमेलोयास अर्धपलपावेतासमुलठी वस्तूपीसकरेसवकठी सप्तपर्णकोगडतिंहपाय वासारसलेताहिमिलाय गुडजलसोंप्रातहिंपीवैतास त्रैदिनमोंहोइविद्रधिनाश ॥ अथवरुणाघृत ॥ चौपई ॥ वारुणक्काथहिं घृतजुपकीजै प्रातसमयउठताकोंपीजै विद्रधिअरुशिरशूलविनाशै गुल्मरोगपुनतातैंनाशै ॥ अथकरंजुघृत ॥ चौपई ॥ करंजुपत्रवरुणाफलआन पत्रमालतीपुनलेठान पटोलपत्रनिंवदललीजैं दोनोंरजनीतामोंदीजैं मोमुलठकिरायताजान कौडप्रयंगूकरोमिलान मजीठसारिवाचंदनपाय उशीरजुउत्पलत्रिवीमिलाय निचुलत्वचालीजैकुसमूल यहसभकर्षकर्षसमतूल प्रस्थएकघृतपायपकावे षावैविद्रधिरोगमिटावे दुष्टजुव्रणनाडीव्रणनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथप्रयंग्वादितैल ॥ चौपई ॥ प्रयंगूधावैलोध्रमिलाय दोनोंरजनीकायफलपाय यहसमपावैतैलपकावै मर्दनकरैअवरपुनषावै विद्रधिव्रणकोहोवैनाश ऐसोगुणतसणकीनप्रकाश ॥ अथएरणतैल ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिवीकुलथदशमूल मूलीमुत्थूसुहांजणसमतूल इन्हमोंतिलएरणतैलपकावै षावैमलैविद्रधीजावै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साविद्रधीवंगसेनअनुसार इंहविधिसोंतेऊकरैरहैनताहिविकार ॥ इतिश्रीविद्रधिरोगचिकित्सासमाप्त् ॥

## ॥ अथविद्रधिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ विद्रधिरुजकोकहितहोंपथ्यापथ्यअधिकार सुनलीजैउरधारकैपुनकीजैउपचार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ रुधिरमोक्षस्वेदपुनरेचन लसनकरेलेइटसिटलेपन आमवातकेजोसभपथ्य श्रीपरणीचित्राजुकुलत्थ चावललालपुरातनजान लालसुहांजणपथ्यपछान माष्योंअरुघृततैलकहावै मुंगक्काथपथ्यलषावै कदलीफलपटोललषलीजै पुनचंदनकोंपथ्यलहीजै अरुव्रणरोगपथ्यहेजेते विद्रधिरोगपथ्यलषतेते मारूथलमृगपक्षीमास सोभीपथ्यजानहोतास जवयहरोगपक्कदरशावै शस्त्रसाथताकोहिचिरावै॥ दोहा ॥ विद्रधिरुजकेपथ्यसभभाषेंभलेंसुजान ताकेसकलअपथ्यसुनसोअवकरोंवषान अथअपथ्यं दोहा शोथअवरव्रणरोगकेजितेअपथ्यवषान तेतेइसकेजानियेपुनजलसिंचनस्नान ॥ इतिविद्रधिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ विद्रधिरोगवषान्योप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इतिश्रीविद्रधिरोगसमाप्तम् ॥

## ॥ अथविद्रधिव्याधदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोदेवकीमूर्तीचौरावै विद्रधिव्याधताहिप्रगटावै ताकोसुनोउपायवताऊं कर्मविपाकहुतैंलषपाऊं ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ यथाशक्तिस्वर्णमंगवावै ताकोवृक्षएकघडवावै शाखा

पत्रपुष्पफलसंग वनवावैत्रसवृक्षत्रभंग पंचद्रोणतंडुलपरधार करहैपूजाभलीप्रकार लोकपालकलश. नपरजज्जै हवनकरैजुसमग्रीसज्जै करसंकल्पविप्रकोंदेय आपहिंरुजतैंमुक्तिकरेय ॥ दोहा ॥ विद्रधिव्याध. वरननकरीकारणसहितउपाय व्रणजुदोषकेरोगकोंभाषोंभलेवनाय ॥ इतिविद्रधिदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

## ॥ अथविद्रधीरोगज्योतिष ॥

॥ चौपै ॥ जोदोयपापीग्रहनमोंमध्यपडेगोचंद तिहग्रहसोंऋषग्रहविषेछायासुतहोइवंद चंद्रमाकीपूजाउचितऐसेकारणमाहि होमजग्यकरविद्रधीरोगनरहहैंताहि ॥ इतिज्योतिषम् ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांविद्रधीरोगवर्णनंनामचत्वारिंशोऽधिकारः ॥ ४० ॥

## ॥ अथव्रणशोथनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ व्रणकेशोथनिदानकीभाषारचोंबानाय जैसेंकह्योंनिदानमोतैसेंदेहुंसुनाय ॥ चौपई ॥ व्रणशोथहैछेइप्रकार वातपित्तकफतीनउचार चतुर्थसंनिपातकाजान रुधिरदुष्टसोपंचममान षष्टमेदइक-औरवषानो किसीतरहचोटनकामानो प्रथमहिव्रणहोवतहेतनमें पीछेसोथहोयउसव्रणमें ॥ शोथहोतइकअंगमंझारे सोव्रणपूर्वरूपउचारे पूर्वउक्तशोथकीन्यांई इसकेभेदतिसीविधिगांई अपक्वप-च्यमानजुभनीजें अवरपक्वत्रैभेदगणीजें तिन्हकेलक्षणभाषसुनाऊं जैसेंग्रंथनमोंलषपाऊं वायुशोथव्र-णाविषमहिपकै पित्तव्रणशीघ्रअतिहिपकसके कफव्रणबहुचिरहोईपकान रुधचोटव्रणतत्कालपछान

## ॥ अथअपक्वलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मंदहवाडकठिनताहोय अल्पशोथपीडामंदजोय त्वकसमानवर्णजिसदेखे सोव्रण-अपक्वजानइसलेखे अपक्वशोथलक्षणयहजान पच्यमानकेकरोंबिषान ॥

## ॥ अथपच्यमानलक्षणम् ॥

चौपई अग्निदाहवतदग्धलहीजे कीटदंशव्रतपीडलषीजै शस्त्रनकरछिदयतहैमानो कुठारन्यायाभिदय तसोजानो पीडतमानोदंडकीन्याय सूचिनकरंतुंवियतइहभाय अंगुलीघातवतपीडतजोयअवरविवर्णतासत नहोय ज्वलितअग्निसमीपजुदाह तैसेतनपरव्यापेताह वृश्चिकविद्धन्यायहोइसोय अैसेंशांतिनपावैजोय वैठन शयनसमेसुखनाही तडफितजातादिनरातविहाही त्रिषाअवरज्वरहोवनजास अरुचिप्रकासहोतबहुतास फलैसनाहचर्मकीन्याई पच्यमानअसचिन्हलषाई

## ॥ अथपक्वलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अल्पपीडसमसोथजुहोय प्रगटितपांडुवर्णतिसजोय वलपडजांहिशोथपरजवै पुरकहोयत्वचफूटैतवै अंगुलीशोथमध्यजुपुभावे तातेंपूयप्रगटहोइआवै त्रिषाअवरज्वरहोवतनास दाहपित्तकेघटहैतास वस्तीस्थानाफिरतजलजैसे पूयफिरतव्रणमाहितैसे भोजनभातव्रणीरुचकरै पक्वशोथव्रणयोंउचरै ॥ दोहा ॥ पीडाहोयनवाताविनापित्तविनपाकनहोय कफविनपूयनहोतहेमि लिततीनपचेसोय ॥ चौपई ॥ व्रणकोपक्वपूयप्रगटाय तांकोकाढनप्रथमउपाय व्रणतेंपूयनिक-लैनाही शिरास्नायुअरमांसजुखांही तृणमधअग्नीजानोजैसे व्रणमेंपूजमानोतुमतैसे अपक्वादिकज भेदनजान वैद्यहींतिजारकरमान पक्वनछिदअरुकछिदावै वैद्यसोउचांडालकहावै दोहा व्रणकेशोथनि दानकोकीनोभलेंउचार समुझचिकित्सातासकीकरैसुवैद्यविचार ॥ इतिव्रणशोथनिदानम् ॥

## ॥ अथव्रणनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ व्रणनिदानवरननकरोंसोहैदोयप्रकार समुझचिकित्साजोकरै ताहीवुद्धिउदार ॥ चौपई ॥ द्विप्रकारकोव्रणअनुमानो शारीरकआगंतुकजानो वातादिकदोषनतैंजोय शारीरकव्रणजानोसोय शस्त्रा दिकक्षततैंजोहोई आगंतुकव्रणमानासोई ॥

## ॥ अथव्रणरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ व्रणरोगचिकित्साकहितहोंसुनलीजैचितधार जैसेंलिखीतैसेकरेरहैनरोगविकार ॥

## ॥ अथवातजशारीरकव्रणलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अचलकठनस्पर्शहैवाको आवमंदहोवतहैताको वहुश्यामवर्णव्रणकातुमजानो शूलन्यायपीडाअतिमानो वहुफरकैवहुपीडातास वातजव्रणयोंकीनप्रकाश ॥

## ॥ अथवातजव्रणचिकित्सा ॥

॥ अथलेपन ॥ चौपै ॥ विजोराअग्निमंथसुरदार सुंठीरहसनलेसमडार लेपलगावैव्रणजोवात निश्चयकीजैहोइव्रणघात ॥ अन्यच ॥ अषरोटत्वचाकांजीकेसंग लेपैहोयशोथव्रणभंग ॥ अन्यच ॥ सरीहधतूरचोलाईमूल हिंसराकालानुदर्शनतूल पीसैयाकोंलेपलगावै वातजशोथव्रणकोमिटजावै वायूहरनहोतजोवस्तु तिन्हकालेपकरेजुप्रशस्तु ॥ अन्यच बंधनशेचनलेपनजान स्वेदनपूर्णस्नेहकोपान अवरजुदुग्धपानकरवावे वातजव्रणकोदूरनसावे ॥

## ॥ अथपित्तजशारीरकव्रणलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ त्रिष्णादाहमोहज्वरलहिये आर्द्रछिदैंदुर्गंधरसपैये पित्तजकेयहलक्षणजान कफजशारीरककरोंवषान ॥

## ॥ अथपित्तजशोथव्रणचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ दूर्वाचंदनअरुनडमूल अवरमुलठीलिसमतूल पीसैयाकोलेपनकरै पित्तशोथव्रणकोयोंहरै अवरहुं शीतललेपनजेते पित्तजशोथव्रणमोंलषतेते ॥ अन्यच ॥ सीतलमधुरस्निग्धजोलेपन शेचनअवरघृतपानविरेचन इनकरपित्तजव्रणकोसांधे वैद्यकमतमनदृष्टकरबांधे ॥

## ॥ अथरुधिरकेव्रणकालक्षण ॥

चौपै लालहोयव्रणरुध्रवहुचले वायुपित्तकरसोव्रणफले कफपित्तलक्षणजानप्रवीन वायूकफकरहोतनवीन

## ॥ अथरक्तजव्रणशोथचिकित्सालेपन ॥

॥ चौपई ॥ वटअश्वत्थउदुंबरआन वैंतपलक्षलसूडाजान दोनोचंदनअवरमंजीठ गेरीअवरमुलठइकीठ यहसमऔषदचूर्णकरै घृतशतधौतांहिमेलसुधरै लेपकरैरक्तजव्रणजाय शोथदाहकोमूलगवाय अवरकृयाजोहोइपितनाश सोऊकृयापुनकीजैतास ॥

## ॥ अथकफजशारीरकव्रणलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अल्पपीडभारीअतिहोय होइसनिग्धपांडुरंगसोय आर्द्रअल्पअरनिश्चलजानो पिछलपूयश्रवेतिसमानो चिरकरपाकहोतहेजिसको कफकरव्रणतुमजानोतिसको ॥

## ॥ अथकफजव्रणशोथचिकित्सा लेपन ॥

॥ चौपई ॥ अजगंधाअजश्रृंगीकाला असगंधसरलयहलेपसुपाला व्रणकफकोजातेंमिटजायव्याधजायव्याधीसुखपाय कफहरनकीजौऔषधिवर गरमलेपतिससूजनहर ॥ अन्यच ॥ सुंठपुन, नंबाअरुसुरदार अरुदशमूलसुहांजणाडार पीसउष्णकरलेपलगावै कफव्रणशोथवातमिटजावै लेप.

नकरैनरात्रिमंझार अरुपरियोवासीनहिंहितकार अरुसूकोलेपननहिंकरै जोअरोग्यतानिजउरधरै जोलेपनतैंरोगनजावै तासकुयावंधनकरवावै ॥ अन्यच ॥ कटुककमोलातीक्षणजोय लेपनशेचन-उष्णकरसोय पाचनलंघनतासकरावे कफजरुजीकोव्रणरुजजावे ॥

## ॥ अथद्वंदजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दोदोदोषजलक्षणजास द्वंदजशारीरकलषिएतास ॥

## ॥ अथद्वंदजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तसंयुतव्रणजोय रेचनश्रेष्टकहितहैंसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पूय-सहितअैसोव्रणजोय पुनजुऊर्धमुखलषियेसोय ताकोंवेधैचीरैतास श्रेष्टउपायकियोपरकास

॥ अथलेपन ॥ चोपई ॥ वालवृद्धतियममरस्थान होवैव्रणतुलेपयहठान करंजुचित्रादंतीहय-मार कपोतकंकगृध्रविष्टाडार समयहपीसलेपजोकरै व्रणकोदोषरोगनिरवरै इतिद्वंदजाचिकित्सा

## ॥ अथत्रिदोषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तीनदोषकेलक्षणजामों वातपित्तकफलषियततामों सोऊत्रिदोषजव्रणपहिचान अैसें भाषैग्रंथनिदान ॥

## ॥ अथशुद्धव्रणलक्षणम् ॥

चौपै जोजिव्हाकेअग्रसमलाल निर्मलपीडारहितमुचाल चीकनीपूयरहितफुनहोय तौव्रणसुद्धव्यवस्थाजोय

## ॥ अथदुष्टव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ सहरक्तपूयदुर्गंधश्रवाय सोथस्थिरदुष्टव्रणाहिकहाय दुष्टव्रणज्योंलक्षणजान वंगसेनमतकीनप्रमान

## ॥ अथअंकुरितशुद्धव्रणलक्षणम् ॥

चौपै पांडुधूसररंगजिहहोय अंकुरपूयसहितफुनिमोयचलितहोयपिटकाव्रणजानअंकुरितव्रणताहीपहिचान

## ॥ अथव्रणभरताहोयउसकालक्षण ॥

चौपै जिसव्रणशुद्धअंकुरनिकलेंईगाढनहोइसूजननहितेइसोव्रणसुद्धपूर्णकरजानव्रणभरतातिहतासपछान

## ॥ अथव्रणसुखसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ त्वकअरमांसवीचव्रणजोय व्रणसुखसाध्यजानतुमसोय व्रणजोमर्मस्थानकेमांही जाहूताकोंउपजितहैनांहि तरुनपुरुषहोवैवुधवान ज्वरत्रिष्णादिउपद्रवहान अरुजाकोंजुनवींनव्रणकहिये उतपतिशिसराहिमंतहिंलहिये ताव्रणकोंसुखसाध्यपछानो कहोंअसाध्यचिन्हलषमानो ॥ इतिसुखसा ध्यलक्षणम् ॥

## ॥ अथअसाध्यव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ साध्यचिन्हभाषेहैंजोय जिसव्रणमोंलषियतनहिंकोय अरुदुर्गंधरक्तपूत्रावै श्रवतरहै वडछिद्रलषावै जिहघृतमद्यकमलकीगंध चंदनचंपकअगरसुगंध अरुपुष्पनकीगंधप्रकाशै शीघ्र

व्रणीकौंअसव्रणनाशैं जोव्रणअंतरजलतोभासत वाहरशीतलतापरकाशत अंतरशीतलवाहिरजलै ऐसोंव्रणीसोनिश्चयगलै एतेचिन्हजुकीनवषान सभअसाध्यकेलक्षणजान वैद्यआपनोयशजोचाहै असव्रणरोगीकोतजजाहै ॥ इतिअसाध्यव्रणलक्षणम् ॥

## ॥ अथव्रणरोगेसामान्याचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अलसीतिलकुठलवणरलाय अपामार्गपुनपीसमिलाय कांजीसोंपिन्याकवनावे वस्त्रसोंऊपरतासवंधावे यातेंशांतहोयसोरोग वंधनकुयालषेंयोंलोग ॥ अन्यच ॥ चौपई लीजसुहांजणेअरुसणमूल तिलअलसीसर्षपयहसमतूल पीसउष्णकरवांधेसोय रोगनिवर्तशांतिसुखहोय अन्यच उपाय जाकेतनव्रणरुजलषपैये ताहिंखेदभीहितकरकहिये ॥ अन्यच ॥ सर्पकंजसंगभस्ममिलाय कटुतेंलमिलायमलैव्रणजाय ॥ अन्यच ॥ लेशरपुष्पमधुयुतजुपिसाय लेपनतेव्रणरोगनसाय ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ जातनव्रणचिरकालकजोय सशोथकठनपीडायुतहोय अरुसोश्यामवरणरंगभास रक्तमोक्षश्रेष्टहैतास ॥ अन्यच ॥ जोव्रणजाकोपकहैनांहि ताउपायसुनऐसेंगांहि प्रथमउपरलोलेपलगावै पुनयहलेपलगायपकावै पिछलवृक्षनकीत्वचआन लेपैपाकनपीडनमान ॥ अन्यच ॥ चौपई यवगोधूममाषसमलीजें पीसतासपरलेपसुकीजें तौभीपूयनपीडनहोय परव्रणसुखपरलिपैनसोय निकसीपूयजवैलषपरैं तवसंगक्राथप्रक्ष्यालनकरै ॥ अथक्राथप्रकार ॥ चौपई ॥ जोरक्तजव्रणतनमो होय निंवपटोलपत्रनसोंधोय वातजव्रणदशमूलीक्राथ ताकोंधोवैताकेसाथ पित्तजव्रणजाकेतनहोवै वटादिक्राथसोंताकोंधोवै कफजहिंअमलतासकेक्राथ वेइनकेसाव्रणकोधोथ अथसामान्यव्रणक्राथ चौपई त्रिफलाषदरनिंवकेपत्र दंतीपत्रकुशकरोइकत्र दालहलदवटतिन्हमोंपाय अष्टविशेषकरक्राथवनाय याहिक्राथसाथजोधोंव सभप्रकारकोव्रणहतहोवै ॥ अन्यचलेप ॥ चौपई जोमिददोषतैंव्रणप्रगटावै ताऊपरयहलेपलगावै अपामार्गगृहधूमरलावै तिलचित्रासंगलवणमिलावै मधुयुतपीससमलेपलगाय याहीतेंव्रणसूकसुजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ तिलसैंधानिंवपत्रमुलठ दोनोरजनीत्रिवीइकठ घृतसोंपीसैलेपैसोय शुद्धसुव्रणयाहीतेहोय ॥ अन्यच ॥ केवलसारवामूलपिसावै लेपैव्रणसुशुद्धहोइजावै अन्यचनिंवपत्रतिलयहसमपीसै मधुसोंलेपशुद्धव्रणदीसै ॥ अन्यउपाय ॥ संधोंमोंजोव्रणप्रगटावै सूक्ष्मछिद्रतासदरशावै सहितवर्त्तकासोधैतास शुद्धहोयव्रणकियोप्रकाश ॥ चौपई ॥ हरडात्रिवीदंतीकोंआन सैंधालांगुलिसमपीसान मधुमिलायकरलेपनकीजे पूयरहितहोइव्रणसोछीजे ॥ अन्यचवर्त्तका ॥ निंवपत्रदालहलदमुलठी घृतसोंपीसैकरैइकठी अरुमधुमेलवर्त्तकाभिगाय छिद्रहिंदेयशुद्धव्रणथाय ॥ अन्यचलेप ॥ चौपई ॥ असगंधकायफललोध्रमुलठ धावैपुष्पमंजीठइकठ यहसमलेपीसैलिपाय शोधनरोपनव्रणहोइजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ धावेचंदनवलामंजीठ दालहलदउत्पलतिलईठ मेदाअवरमुलठीठान समलेकूटपीसलेछान घृतयुतलेपव्रणपूरणथावै इहप्रकारव्रणरोगामिटावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ निंवपत्रतिलदंतीलीजे सैंधात्रिवीमर्षारमिलीजे यहसमलेपलगावैजोय महादुष्टव्रणशोधनहोय व्रणशोधनकोंलेपनएह सिंहन्यायहैजानोतेह अन्यच चौपई कोगडअंजनतिलपुनलोधरविष्णुक्रांतदोयरजनीधर निंवजुपत्रमयूरशिखाय यहसमलेपदुष्टव्रणजाय अन्यच चौपई कायफलदाडिमहलदी लीजै पाटलपुष्पअरसुथूमिलीजैयहसमरसआमलेपिसाय लेपनकरैदुष्टव्रणजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥

विशरजनीसर्षपकेतेल लेपकरैदोनोसममेल सप्तादिवसलगलेपलगाय महादुष्टव्रणतनतेंजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ शतपुष्पाअरपत्रधतूरा कुठेरककरणमोटकरचूरा भिन्नभिन्नजोलेपैंताहि व्रणगंभीरपूर्णहोइजाहि ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जोव्रणदाहपीडयुतथावे तासलेपसुनऐसेंगावे तिलभूनैपुनपीसमंगावै दूधमिलायलेपसोलावै पीडादाहनाशव्रणहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ दशमूलीकोक्काथवनाय तेलजुअथवातिसघृतपाय उष्णउष्णसंगव्रणसुधुआय व्रणपीडासंयुतमिटजाय ॥ अन्यचलेप ॥ यहचूर्णमधुघृततेलामिलाय लेपैदाहपीडमिटजाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ व्रणचिरकालककठनजुहोय शोथसहितजानोपुनसोय तिसकोंछेदेक्ष्यारलगावै नाशैव्रणतनशांतिजनावै ॥ अन्यउपाय ॥ जोव्रणश्रवैपीडवहुकरै ताकोंधूपदेयदुखटरै ॥ अथधूप ॥ चौपई ॥ यवचंदनभुर्जपत्रसुरदार गुगुलअवरविरोजाडार अवरमैनफलरालमिलावै घृतमिलाययहधूपधुषावै व्याधीशांतिलहैदुखजाय अवरधूपपुनकहोंसुनाय अन्यच ॥ चौपई ॥ निंवपत्रसैंधाहिंगवरच सर्षपसमपीसोघृतसरच यहव्रणकोंजोधूपदिवाय कृमकंडूव्रणतुर्तमिटाय ॥ अथकृमउपाय ॥ करंजुनिंवनिरगुंडीलीजैं इन्हकोरसलेव्रणमोंदीजैं व्रणविकारकृमतातैंछीजैं वंगशेनमतनिश्चयकीजै ॥ अन्यच ॥ पीडाकोलेप ॥ केवललसनपीसलेपावै तौभीव्रणकीपीडाजावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ जोव्रणरोमस्थानमंझार ताकोभीयहहैउपचार प्रथमहिंरोममुनायानिवारै पुनतापरयहलेपसुधारै कपोतवंकाअरुचित्रेमूल सैंधालवणलसनसमतूल अश्वलिद्दरसलेपलगाय रोमनकोव्रणदूरनसाय ॥ अथपाणां ॥ चौपै ॥ जोव्रणगलैश्रवतहीरहै दुर्गंधीचिरकालकलहै त्रिफलेकोरसगुगुलसंग पीवैरोगहोयव्रणभंग ॥ अथक्काथ ॥ चौपै ॥ हरडआमलेनिंवपटोल क्काथकरैसभलेसमतोल गुगुलचूर्णसाथपिलाय विस्फोटविसर्पीव्रणनरहाय ॥ अन्यउपाय ॥ लाक्षमंजीठजुमनछलआने दोनोंहलदीसभसमठाने मधुरलायलेपैनरजीवै नाशरोगव्रणकोजोथीवै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ दुर्गंधीअरकरूपव्रणजोय श्रवतरहैपीडायुतहोय सोभातपुरातनवासमतीको वनपक्षीकेमांससाथसो उष्णाउष्णवहुघृतसोंषावै शीघ्रहींव्रणपूरणहोइआवै व्रणीपुरुषदिनमोंनहिसोवै करैनमैथुनइंहविधिहोवै काचेव्रणकोंछेदेनांहि करैनउपेक्ष्यायाकेमांहि इतिशारीरकव्रणचिकित्सा.

## ॥ अथागंतुकशस्त्रादिक्षतजव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शस्त्रजुनानाजिनकीधारा नानामुखनानाआकारा तिन्हकेक्षतजोव्रणप्रगटांहि आगंतुकतिसगांहिसुनांहि आगंतुकषटभेदवषाने वैद्यग्रंथतैंलपैंस्याने प्रथमहिंछिन्नभिन्नपुनकह्यो विद्धिअवरक्ष्यतापिच्चितलह्यो षष्टमघृष्टजुनामवषान्यों इंहप्रकारभेदषटजान्यो तिन्हसभहनकेचिन्हवताऊं जैसेंशास्त्रहुतेंलषपाऊं.

## ॥ अर्थछिन्नव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ खडगादिकशस्त्रनअनुसार टेढोशरलघाउसंचार घाउसोऊजोविस्त्रतहोय छिन्ननामकहियतहैसोय

## ॥ अथभिन्नव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वरच्छावरछीवाणकहीजे शृंगआदिजोशस्त्रभनीजे इन्हकरक्षतकछुश्रवहैजोय भिन्ननामकहियतहैसोय

## ॥ अथभिन्नव्रणभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जेऊअन्नअरुआमस्थान अग्निस्थानमूत्रथलमान रक्तठौरअरुहृदयस्थान इन्हठौरनजोक्षतप्रगटान तिन्हकोंथलजुकोष्टपुनकहिये यहथलरक्तपूर्णपुनलहिये इन्हकरदाहअवरज्वरहोय लिंगगुदामुखनासाजोय इनद्वारनहोइरुधप्रचार मूर्छाश्वासत्रिषाजुअफार विष्टामूत्रवातसंगहोय परसावहुतनआवतजोय नेत्रलालरंगहोवतजास रुधिरगंधमुखमेहोयतास देहदुर्गंधआवेजिसमाही आगेअवरकहोंसुनताही हृदयशूलजुअरुचिताजान पार्श्वशूलहोवेंप्रगटान याकोअवरविशेषसुनाऊं जिहप्रकारआपहिंलषपाऊं जोस्थानरक्तपरवेशकरेजव रक्तकर्दअफारशूलप्रगटेतव जोअन्नकेस्थानमंझार रुधपरेयोंलषोविकार पीडाअरुगुरुताप्रगटावत देहतलैकीशीतलथापत

## ॥ अथविद्धव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सूक्ष्मशस्त्रनकरपुनजोई वेध्योहोयपुरुषलहुकोई वाशस्त्रपारनिकसतनगयो ताको नामविद्धलषलयो ३

## ॥ अथक्षतजव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नांअतिछिन्ननांहिअतिभिन्न पैयतहैंजामोंदोचिन्ह क्षतव्रणताकोनामकहैये ग्रंथ निदानहुतैंलषलैये ४

## ॥ अथपिच्चितव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोप्रहारकरपीडतअंग भारीहाडनयुतहोइभंग मज्जारक्तकरपूर्णहोय पिच्चितव्रण लषियतहैसोय ५

## ॥ अथघृष्टव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ संघर्षणहोतकिसीहूंकर जासत्वचाउपडीसीलषपर अरुहवाडतातैंनिकसावै घृष्ट नामताहीकोगावै

## ॥ अथशल्लव्रणलक्षणम् ॥

चौपै वर्णश्यावसहशोथलषावत पिटकासंयुतरुधिरश्रवावत कोमलमांसजुवुदवुदाकार नामसशल्लजतासउचार ॥

## ॥ अथअन्यचभेदसशल्यव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ गोलीतीरजुअंदररहै ताकोंवाहरनिकालसुलहै तातेंहोवततनमैंघाउ नामसशल्ल तासकागाउ ईंहप्रकारलक्षणसविचार निदानहुतेंलषकरैउचार ॥

## ॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अंतरज्जाहिरुधपडजावै पांडुरंगतनकोदरशावै शीतलहस्तपादमुखजास रक्तनेत्र अरुशीतलश्वास ऐसेलक्षणपैयतजानो चिन्हअसाध्यसोऊलषमानो ॥

## ॥ अथअन्यभेद ॥

॥ चौपई ॥ मांसअस्थिताडिनकेमाहि मर्मसंधमोक्षतजुलषांहि ताहूकेसामान्यजुलक्षण जान लइहोहेपुरुषाविचक्षण भ्रमप्रलापहोतहैताकों पत नप्रमोहप्रगटहोइवाकों अचवीदाहग्लानिजानो अति पीडाउदगारपछानो ढीलेअंगदेहकेभासैं मूर्छाआदिविकारप्रकाशै इंद्रिनविषयनकोअज्ञान प्रगटहो यताकोंयोंमान कुवजादिकजोकहैविकार ताकेतनकरहैंसंचार ॥

## ॥ अथमर्मस्थाननससंधिहाडपेंत्रणवधगयाहोयतिनकापृथकुलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मांसजलवतरुधिरश्रवाय इंद्रयज्ञानदूरसभजाय संधीक्षतपीडाहोयतास सामान्य लिंगतिसकियोप्रकास चीचभूटडीवतरंगजास ऐसारुधिरचलेनिततास ऐसेव्रणमोंप्रविसिबात कुपितहो यवहुरोगप्रगटात तीरतरवारशस्त्रसोंघाय नसैंविधकुवजाहोजाय अंगपीडचलजाइनसके वहुतदि- नोंमेंअंकुरपकै जाहिव्रणहिवहुसूजनहोय चलतारहेसंधिघावसोजोय चैननपडैनिसदिनताहिकों शस्त्रादिकअस्थीव्रणयाहकिों मर्मस्थानमोंचोटलगनसों रंगपीलाव्रणस्पर्शकहतसों

## ॥ अथव्रणउपद्रवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अतिहीवृद्धशोथतनपरै वहुपीडातनक्षयताकरै स्पर्शज्ञानरहितहोइजावै हिकाज्व रत्रिष्णाप्रगटावै कंपछर्दउन्मादअर्धंग कासश्वासहोइपांडुजुरंग अरुउपजैताकोंअतिसार यहउप द्रवपर्मविकार ॥ दोहा ॥ व्रणनिदानजुवषान्योंसमुझोभलीप्रकार ताकेलक्षणजानकैकरैंवैद्यउपचार

## ॥ अथक्षतादिआगंतुकव्रणचिकित्सा ॥

॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ वंशत्वकएरंडभपडाआन पाषाणभेदसभहीसमठान क्राथकैराहिंगु- सेंधापाय पीवैआगंतुकव्रणजाय कोष्ठस्थितरुधिरहैजोय ताकोवारनिकालेसोय ॥ अन्यच ॥ यव- वेरकुलथसमपीजैक्राथ आगंतुकनाशेइससाथ ॥ अथगौरादिघृत ॥ चौपई ॥ गौररजनीपद्म- मुलठी मंजीठगोरोचनकरोइकठी मांसीचंदनचंवेलीआन करंजुकौडमोममहुठान अरुपुनलीजै- निंवपटोल मेदामहामेदासमतोल वटअश्वत्थपलक्षउदंवर वैंतरवचाइहपांचतरूवर इन्हकोक्राथकैर जुवनाय समघृतपुनसभऔषदपाय मंदअग्निसोंताहिपकावै षावैंमलैव्रणसभीमिटावै ॥

॥ न्यग्रोधादिघृत ॥ चौपई ॥ वटअश्वत्थवदरीउदुंवर दाडिमत्वचामूलइन्हकोधर अरुइन्हसभकेपत्रमंगावै दोदोपलामिरयादधरावै पायद्रोणजलताहिपकाय पादशेषरहैछाणधराय प्रस्थएकघृतताहिरलावै पलअ- र्धयहऔषदपावै दोनोरजनीमोममुलठी कौडमंजीठहरडेंजुइकठी करंजुपत्रअरुलीजैंवजि सारवाचंद- नतामोंदीज पुष्पमालतीनिंवपटोल यहसभपीसपायसमतोल यहघृतपायपकायसुषावै मलैसमस्तव्रण- रोगमिटावै ॥ अथजात्यादिघृत ॥ चौपई ॥ चंवेलीकौडहलदीदोइआन हरडमंजीठसारवाठान नीलाथोथामोमुलठ करंजुवीजसभकरोइकठ निंवपत्रअरुपत्रपटोल सभऔषदपीसिसमतोल घृतमि- लायसिद्धयहकरै मल्हमकरवासनमोधरै व्रणकेऊपरनित्यलगाय सभप्रकारकोव्रणमिटजाय वधेअंगूरपूरण- व्रणहोय सुखीहोयव्याधिदुखषोय ॥ अथजात्यादितैल ॥ जातीकरंजुपत्रकुठजान मोममुलठीलोधर- ठान दोनोरजनीहरडमंजीठ पद्मकाष्ठनीलोत्पलईठ नीलाथोथासारवापाय करंजुवीजलीजैंसमभाय कौडमिलावोनिंवपटोल सभहीऔषदलेसमतोल पायपीसलेतैलपकाय ताहिनित्यप्रातिव्रणपरलाय

सभप्रकारकोव्रणमिटजावै विषस्फोटअवरदद्रुनरहावै विसर्पीदंशसमस्तनिवारे शस्त्रप्रहारवेधपुनटारै अवरदंतनखक्षतनाहिरहै दुष्टमांसइत्यादिकदहै अवरदग्धव्रणनाशनजान हितकरतायहतैलपछान

## ॥ अथविप्रीतमूलतैल ॥

॥ चौपई ॥ सरपुंषलांगुलीचित्राकुठहिंग सिंधूरलसनपतीसधरसंग यहसमपायकटुतैलपकावै लावैसभीदुष्टव्रणजावै ॥ अन्यचतैल ॥ चौपई ॥ दूर्वारसवाकंबीलापाय समलेतैलमांहिसुपकाय याहिलगावैनिश्चयधार नाशहोयव्रणसर्वप्रकार ॥ अन्यच ॥ दालहलदत्वचतैलपकावै लावैव्रणकी-व्यथामिटावै ॥ अन्यच ॥ गुगुलतैलगिलोयपकाय तिसेलायव्रणरोगनसाय ॥ अथात्रिफलादिगुगुल ॥ ॥ चौपई ॥ त्रिफलासूक्ष्मकरपीसावै तासमगुगुलपीसामिलावै वटकावांधषायपुनलाय तौभीव्रणातन-तेंमिटजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटावायविडंग गुगुलसमपीसकरोइकसंग घृत-सोंवटकावांधेतास षावैसर्वजातिव्रणनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गिलोयपटोलमूलत्रिकुटाय अवरविडंगत्रिफलासंगपाय सभसमगुगुलपीसमिलावै सघृतगुटकाअक्षवंधावै नितप्रतिगुटका-एकजुषाय व्रणवातरक्तशोथमिटजाय गुल्मरोगभीहोवैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥

## ॥ अथद्वात्रिंशतगुगुलः ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटामुथ्याविडंग चित्राहौगिलोयधरसंग देवदारुतुंवरुदोयक्षार गजपीप-लतुम्भासेंधाडार विड़सौंचलअरुपिपलामूल पटोलचवकअरुपुष्करमूल दोनोरजनीसभसमभाय सभतें-दुगुणोगुगुलपाय कूटपसिपुनवेरप्रमान मधुसोंगुटकावंधैसुजान मधुसोंषायसभीव्रणजावैं श्वासकास-शोथनरहावैं अर्शभगंदरहृदकोशूल पार्श्वशूलहोवैनिरमूल कुक्षशूलगुदशूलमिटावै नाभितलेकोशूल-नसावै मूत्रकृछ्रअश्मरीविनाशै अंत्रवृद्धाचिरकोज्वरनाशै क्षईरोगकृमजायअफार उन्मादकुष्टहतउदर-विकार प्लीहश्लीपदनाडीव्रणजो कुष्टजुव्रणआगंतुकव्रणसो एतेरोगनकोंजुनसावै असताकेगुणप्रग-टलषावै ॥ अन्यच ॥ पूर्वकहीवस्तुसभीमिलीजे जीरासुंठीसौंफरलजै तजपत्रयवाह्वातास-मोपाय द्वात्रिंशतगुगुलनामकहाय ॥

## ॥ अथअग्निदग्धलक्षणउपाय ॥

चौपै अग्निदग्धव्रणदोयप्रकार प्रथमदग्धतैलादिविचार दूसरलोहअगन्यादिकरजले औसेकरप्रकार-इहभले प्लुष्टदुर्दग्धसम्यकाविचार अतिदग्धइहचारप्रकार इनचारोंकेलक्षणकहों भिन्नभिन्नकर-जानसुलहों ॥

## ॥ अथप्लुष्टदग्धलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाहिव्रणदग्धअग्निसोंहोय रंगवटेप्लुष्टकहियेसोय ॥

## ॥ अथप्लुष्टउपाय ॥

चौपै काहूकारणजलैजुअंग प्रथमतपाईताहुसुखसंग लेवेआदजोगमंदवाई लेपकरेप्लुष्टमिटजाइं

## ॥ अथदुर्दग्धलक्षणम् ॥

चौपई जिसमोदाहजुपीडाहोय फौडेमिटेंनवहुदिनसोय आगेतासचिकित्साजांनो जिसलक्षणदुर्दग्धप छानो औषधघृतयुतलेजुवनाई गर्मकरतसीतलकरवाइ लेपनकरेदुर्दग्धमेजोई मिटहैव्याधशीघ्रसुषहोई-

## ॥ अथसम्मकृदग्धलक्षणं ॥

चौपई ॥ जाहिअंगतांबेवरणसुरहै वृद्धदाहजुपीडाफैलनचहै आगेताकोसुनोउपाय वंगसेनमतजैसेंगाय तवाशीरक्षजढजोय रक्तचंदनअरगेरिगिलोय घृतमोंपीसलेपजोकरे सम्यकृदग्धदूरतेहरे

## अतिदग्धकालक्षण

॥ चौपई ॥ जांहिमांसतुचसभजलजाय अतिकायाभिन्नताहिदरसाय नसैंस्नायुसंधिहाडसवजलै पीडाहोयतिहदावहहुवलै मूर्छांअंकुरदेरहोंईआवै लक्षणअतिदग्धव्रणहिसोगावै उपाय

॥ चौपई ॥ सडेमांसकोदूरकराई सठीचावलशुद्धमंगाई पिंडखजूरत्वचकाथवनाय तंडुललेति. समाहिरलाय घृतमोपीसलेपजोकरे अतिदग्धकोदूरसोधरे अतिदग्धहछाहोइजाय वैद्यग्रंथमोदियोवताय पुनः मोममुलठीलोध्रअरुराल मंजीठरक्तचंदनमूरवाल गोकेघृतमोताहिपकाय अतिदग्धकोंमांसवढाय

॥ चौपई ॥ पाटलकल्कवाकाथवनाय कटुकतैलतिसमाहिरलाय मंदअग्निसोंसिद्धकरीजै व्रणदग्ध-केऊपरलेपनदीजै व्रणश्रावदाहविस्फोटविनासे जैसेगजगणासिंहसोंत्रासे इतिपाटलीतैल अथतैलदग्धका लक्षन तिलतैलसवाचारपैसेभर चूनागीलाचारपैसेधर पहरएकहाथनसोंमलै रूइमोतिसलेपनकरै सोइरूई जलनेपरलाय तातकालजलपीडमिटाय

## ॥ अग्निदग्धचिकित्सा॥

चौपै व्रणमेदाहशूलहोयउसकाउपाय जवचूर्णनिततैलमिलाय अग्निलायतिसउष्णकरायव्रणकेऊपरलेपन. करै दाहशूलव्रणकासभहरै

## ॥ व्रणकृमिउपाय ॥

॥ चौपई ॥ गजपीपलजढअरुनिंवकीछाल वनामेललेपनततकाल व्रणकेकृमीनाससभहोई आगेअवरलेपसुनसोई केवलथोंमलेपजोकरै व्रणकेकृमिताहीछिनहरे अथवाहिंगनिंवकीछाल लेपैकृ. मीजांएततकाल जेकरव्रणपडछामाहोई खाजकृमीदुखदायकसोई धूनीरूपऔषधीताकी भावप्रका-सलिखीगतजाकी निंवपत्रवचहिंगुमिलावे सरसोंलूणवीचघृतपावे जाकीधूनीमेलधुखावे व्रणकृमि. खाजशीघ्रामिटजावे ॥ चौपई ॥ अग्निदग्धव्रणहोवैजास यहभीलहोचिकित्सातास सेकअग्निसोंताकोंदेवे दग्धअंगशांतितवलेवे ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ वंशलोचनगेरीअरुचंदन पुनगिलोयलेपनदुखकंदन समलेपीसैघृतजुमिलावै लेपैअग्निदग्धव्रणजावै ॥ अन्यच ॥ गंडोयोंकोतैललगावै अग्निदग्धव्रणतातै· जावै ॥ काथ ॥ त्रिफलाकंवीलालेसमकाथ पीवैशांतिहोयतिससाथ

॥ चौपई ॥ मंजीठमूर्वाचंदनलीजै पीसमहीनसुघृतसंगकीजै तिंहपकायकरलेपलगाय अग्निदग्ध-व्रणतासोंजाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ दोइरजनीमंजीठमुलठ लोधरकायफलकरोइकठ कंवीलामेदाअरुम हामेद मवांलंगुलीजढलहोभेद त्रिफलानिंवपत्रसमआन कर्षकर्षइन्हकोपरिमान प्रस्थजुघृतदोइ-प्रस्थजुक्षीर पायपकायलगावैधीर पलजुदोयमोमतिसपाय व्रणकेऊपरलेपलगाय अग्निदग्धव्रणकीट-नसावै नाडीव्रणचिरकालकजावै

## ॥ अथचंदनादितैल ॥

चौपई चंदनवटजटापद्ममुलढी मंजिष्टादूर्वाकरोइकठी वकमअवरसंगपावोधावै इन्हसमसोंपु नतैलपकावै अथवाइन्हसंगघीउपकाय तिन्हसमानदुग्यसंगपाय षावैमलैलगावैतास हौवैअग्निदग्य व्रणनाश ॥ अन्यचतैल ॥ चौपई ॥ कंवीलादालत्वचाजुविडंग तैलपकावैइन्हसमसंग सोऊतैलताऊप रलाय तुरतहिंअग्निदग्यव्रणजाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ व्रणग्रंथीसंयुक्तजुहोय तासउपायकहोंपुनसोय गोमूत्रमिलायक्षारव्रणलावै सग्रंथीव्रणतुरतहिंमिटजावै ॥ दोहा ॥ व्रणरुजकीचिकित्साकहीवंगसेन अनुसार वैद्यचतुरसोजानियेसमुझकरेंउपचार इतिश्रीव्रणरोगचिकित्सासंमातम्

## ॥ अथव्रणादिरोगेपथ्यापथ्य ॥

॥ दोहा ॥ व्रणादिरोगकेपथअपथसोदुखतीनप्रकरर सद्योव्रणअरुनाडि व्रणअरुव्रणशोथ विचार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ चावलस्वेतपुरातनजान पुनसठीतंडुलपरिमान यवकोटापुनकण कपछानो वनमृगपंक्षीमांसप्रमानो लाजामंडतैलघृतलहो मधुअरुमसुरमुंगपथगहो पटोलअवरवृंता- कलहीजै ककोडकरैलेपथ्यकहीजै वेंतकूमलीनिंवकेपात वालमूलिकापथ्यविख्यात पथ्यचुलाईवाथू शाक त्रिफलापनसमानसतवाक कदलीफलअरुद्राक्षसुभावै तिलकोतैलसुपपथ्यकहावै तीक्षणअवर- उष्णजोवस्तु पथ्यमोचरसलहोप्रसस्तु ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेव्रणरोगकेशास्त्रकेअनुसार पुनभाषोंजुअप- थ्यसभसुन होपुरुषउदार ॥ अथअपथ्य ॥ चौपई ॥ नवान्ननवीनयवान्नअपथ्य शीतलजलपुन- जानकुलत्थ इक्षुविकारगुडादिकजेते मदरापत्रशाकलषतेते वकरीमांसअपथ्यपछानो लवणमाषमैथु- नपुनमानो दाहकगुरुकावजजोवस्तु वहुतोगमनसुनांहिप्रशस्तु प्रचंडजुवातअपथ्यविचार प्रचंडजु- आतपअरुनसवार भोजनविरुद्धवहुतजलपान प्रचंडशोकभयक्रोधसुमान नखसोंव्रणषुरकनसुअपथ्य- व्रणषुल्लाराषणनाहिंपथ्य तीनभांतकेव्रणजोकहे तिन्हकेयहपथ्यापथलहे दोहा पथ्यापथ्यव्रणरोगके- भाषेसमुझपछान पथ्यगहेत्यागेअपथताकोहोइकल्यान ॥ इतिव्रणादिरोगेपथ्यापथ्यअधिकार समाप्तम् ॥ ॥ दोहा ॥ व्रणकोरोगवषान्योप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इति

## ॥ अथव्रणरोगकर्मउपाय ॥

चौपई धर्मअर्थकामकेकारण राजेदानदियोजसछाजन उनआगेलेधनपापवढायों देवद्विजनपि- त्रअर्धनहिलायों कुकर्महुसोंसभदियोउडाहि जातेहोतअपजसजगमाहि सोनरभोगैनानाव्याध व्रण रोगनकाहोतविखाद उपाय मोतीपन्नामाणिकमुंगहीरा पुष्कराजनीलमसमनीरा सवजाइकत्रनौरत्न- करीजै सुवर्णपात्रमोसमस्तधरीजै अथवारजतवाताम्रकोपातर यथाशक्तनरकरैइकतर नौग्रहनिमि- तहोमजगकरै पूजाविधिसंजुगततिहधरै विप्रमनाइपूजैतिहपाय देवैदानव्रणरोगनसाय इतिव्रणकर्मवि- पाकसमाप्तः ॥ दोहा ॥ व्रणजोरोगवषान्यो कारणसहितउपाय विस्फोटकरोगवरननकरोंसोसुनलेचितलाय

## ॥ अथव्रणरोगेज्योतिप ॥

॥ दोहा ॥ दशाहोइमंगलशनीजन्मकुंडलीवीच चौथेअठमेवारमेंइस्थितहोतसुनीच तवप्राणीको होतहैव्रणकोरोगमहांत शनिमंगलपूजाउचितजपकरेंहोवेशांत ॥ इतिव्रणज्योतिष ॥

## ॥ अथभग्नव्रणनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ भग्नव्रणविस्तारसौंभाषौंसुनोनिदान संधभग्नइकमानहोकांडभग्नइकजान ॥ चौपै ॥ हैव्र-णभग्नदोयप्रकार संधभग्नइकलहोविचार कांडभग्नदूसरकोंजानो लक्षणभिन्नभिन्नसुवषानो हाडनके-जुजोड़छुटजावैं संधभग्नताहीकोंगावैं हाडनलीजोटूटीलहिये कांडभग्नताहीकोंकहिये संधीभग्नहेष-ट्परकार सोतुमसुनोजुविवधविकार उत्तिष्ट विश्लिष्ट विवर्तितलहिये तिर्य्यकाक्षिप्त अधसंधीकहिये

## ॥ अथसंधभग्नलक्षणम् ॥

॥ चौपै जंघाभुजापसारणकरै अथवाआकुंचनअनुसरै तवहीताहिपीडवहुहोय अरूस्पर्शसहस-कैनसोय हाडसंधकेचारोपास प्रघटसोथहोइआवैतास होइपीडावहुरात्रीमंझार कांडभग्नसुनकरोंउ-चार ॥

## ॥ अथउत्तिष्टभग्नसंधिकालक्षण ॥

चौपै ॥ अस्थिसंधिटूटीजवहोय तापरसोथप्रगटावतसोय पीडावहुतताहिमेंजानो उत्तिष्टसंधिभग्नतुममानों

## ॥ अथकांडभग्नलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वाहूजांघहाडअरुपशली कैसेंहिंटूटजांहीसोनली कांडभग्नव्रणताकोंआषैं शोथहो-यअतिपीडाभाषै हस्तसपर्शसहसकैनसोय दवैकदाचिशब्दतवहोय रात्रिदिवससुखउपजैनाहि कांड-भग्नअसाचिन्हलषांहि अस्थीटूटनद्वादसक्रमजान कर्कटअश्वकर्णतिहमान विचूर्णितपिच्चितयंत्रितक-हिये अस्थिछल्लिकाअतिपातितलहिये कांडविषयभग्नमज्जागत प्रस्फुटितवक्रछिन्नजानमत द्विधाकरन इहवारहजान हाडटूटनकेयेहिप्रमान

## ॥ अथकांडभग्नचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ मेथीमैदालकडीसोंठधर अम्लइन्कोपीसइकठकर गोमूत्रमोंताहिरलाय लेपकरौकां-डभग्नसुजाय

## ॥ अथभग्नव्रणकष्टसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ नरस्बभाववातलजोहोय भोजनअल्पकरेहैजोय मूर्छतमोहअफारारहै मूत्रपुरीषवहुज्वर-सोलहै इन्होंउपद्रवसाथलषावै कष्टसाध्यसोव्रणीकहावै

## ॥ अथभग्नव्रणचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ कहौंचिकित्साभग्नव्रणसुनलीजैधरकान याहीकोंप्रथमहिंकह्योसभव्रणसहितनिदान ॥ चौपै ॥ जवहीभग्नअंगकोऊहोय तुरतसुसीतलजलसोंधोय यहभीयाकोहैउपचार यहनिश्चयनिजमनमोंधार पुनताऊपरपंकालिपावै कुशातासऊपरवंधवावै पुनहिषोलकरदेषैतास भग्नअंगसीधाकररास जोवह-अंगऊचाभयोजानै सोनिवायकरवंधनठानै नीचाहोयतोऊचाकरै ताऊपरवंधनअनुसरै अथवंधनऔषध चौपै अश्वत्थउदुंवरमुलठीपलास निचुलत्वचासमकूटोतास वसनपटीसोंसौऊसांधे नांहिसिथलनाकसकर वांधै अथवाधम्मणवांसत्वचाय अर्जनत्वचासहितवंधवाय शीतकालपाछैंजुसातदिन वंधनपोलदेषवांधैपुन उष्णकालदिनतीनप्रमान षोलेवंधेत्वचालेआन मध्यमकालजुचैत्रवैसाषअसुकार्तैकलषाचितराष यामोंपांच

दिनालोवांधै पुनषोलनत्वचालेसांधै अथपीडाहरनलेप चौपई मुलठमंजीठहीऊसमआन जलसोंपीसलै-पसोंठान पीडभग्नव्रणकीहोइनाश अवरलेपसुनकरोप्रकाश ॥ अन्यच ॥ सठीचावलपीसमंगावै शतधौतघृतहिंसुमिलायलगावै पीडभग्नव्रणहोविनाश अवरलेपसुनजानोतास ॥ अन्यच ॥ सहलाली-सथिपीडाअस्थान ताऊपरयहलेपनठान मैदालवणदोऊसमलावै पीडशोथलालीमिटजावै ॥ अन्यच जोपीडाव्रणअधिकलषाय इंवलीफलअरुरहसनलाय ॥ अन्यचउपाय ॥ वटादिकाथसोंधोवैसोय पीडानाशभग्नव्रणहोय ॥ अन्यच ॥ पंचमूलकाथसंगदुग्धमिलाय धोवैव्रणपीडामिटजाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ भग्नअंगजाहीकोहोय यहउपायकरहैनरसोय नवपरसूतागौकोक्षीर षंडपायपीवैहरैपीर ॥ अथभग्नअस्थिउपाय ॥ चौपई ॥ दुग्धषंडघृतलाक्ष्याचूर्ण अर्धदुग्धगेहूंसंगपूर्ण यहपीवैजुमांसरसपीवै भग्नास्थिमिलैजुपीडहतथीवै अन्यच आभाचूर्णमधुसाथपिलाय अंगवज्रसारसमथाय अथगुगुल चौपई आभात्रिफलाअरुत्रिकुटाय यहसमसमलेगुगुलपाय षावैभग्नसंधजोहोय वज्रसारसमहोवैसोय अथलाक्ष्यागुगुल चौपई लाक्ष्याअर्जनअसगंधआन नागवलासमचूर्णठान सभसमगुगुलपायमिलावै षावैवज्रतुल्यहोइजावै अन्यचपीडाउपाय चौपई रात्रिकूटतिलवांधैजोय दिवसदुग्धधोयदुखषोय पुनहिवंधन चौपई काकोलीगणभषडेराल मंजीठसारवामोज्योंडाल चंदनसौंफअवरसुरदारु तिलअरकुठपीसकरडारु यहसमचूर्णवांधैजोय पीडभग्नव्रणनाशैसोय अथतैल तजपत्रकमलअसगंधमुलठी लोध्रजीवंतीकरोइकठी शालपर्णीतगरछलीरापाय सिंगाडेकंदविदारीमिलाय अवरमधूलिकातासमोपावै सभसमभागजुपीसरलावै काकोल्यादिकपूर्ववस्तु सभीजुपवैनासप्रशस्तु अवरचतुर्गुणादुग्धमिलावै मंदअग्निसोंतैलपकावै ताहितैलकोपथ्यसुजान भग्नरोगमोंसर्वप्रमाण आक्षेपकअरुपक्षाघात तालुशोथअरुअर्दितजात मन्यास्तंभशिरकेजुविकार कर्णशूलहनुग्रहकोटार पीवैमलेजुलेनसवार वस्तीकर्ममोंतासुधार सर्ववातरुजतासतेंजाय गंधतैलतिसनामकहाय अन्यचचौपई एलामुस्थरतगरपतीस परपुंडरीकजीवंतीपीस अनंतालोध्रसारवाठान इन्हसभसोंकरतैलपकान षावेमलैलेयनसवार होयदृढांगचित्तमोंधार.

## ॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

चौपई छातीहाडललाटकपाल चूर्णहोंहिनांरहैसम्हाल अरुजोपृष्ठहाडहोइचूरण सोअसाध्यनरमूर्छापूरण अथवायतनकरहाडजुडावै पुनविक्षेपसोंजोडछुटजावै ताकोंभीअसाध्यपहिचानो असाध्यवृद्धनरकोंभीमानो भग्नव्रणीजोमूर्छतरहै असोभीअसाध्यनरअहै ॥

## ॥ अथसाध्यलक्षणम् ॥

चौपई तरुणनवीनहाडजोकहिये टूटेंनिवेंजुडेंसोलहिये वालकयुवाअवस्थादोय अरुअसाध्यचिन्हविनहोय एतेलक्षणसाध्यपछान कह्योभग्नव्रणग्रंथनिदान दोहा निदानभग्नव्रणकोकह्यो वैद्यकमतअनुसार साध्यचिकित्साजोकरै उपजैनांहिविकार इतिभग्नव्रणनिदान समाप्तम्

## ॥ अथसाध्यादिनिरणय ॥

चौपई भग्नअवस्थाप्रथमसोजोय हैसुखसाध्यजानहोसोय मध्यअवस्थाकोव्रणजास कष्टसाध्यलषलीजैतास अंतअवस्थाकोव्रणलहिये सोउव्रणअसाध्यजगकहिये

॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साभग्नव्रणवंगसेनअनुसार सुनहोयाकेपथअपथपुनकरहोउपचार इति-

## ॥ अथभग्नव्रणपथ्यापथ्यअधिकारनिरुपणम् ॥

॥ दोहा ॥ भग्नजुव्रणकेभाषहोंपथ्यापथ्यविचार सुनउरधारोचतुरनरपुनकीजिउपचार ॥ अथपथ्यं चौपई ॥ शीतलजलअरुशीतललेपन शालीचावलकयाउुवंधन कंगुणीकणकमुंगरसजानो घृतनवनीतदुग्धपहिचानो मधुषंडपटोलमासरसकहिये लसनसुहांजणाद्राक्षभनैये धात्रीफलअरुमूलीबाल पथ्यलहोहेवुद्धिविशाल ॥ दोहा ॥ भग्नजुव्रणकेपथ्ययहसुनधारोमनमांहि पथ्यधरैसोईचतुरहैव्याधदुःखमिटजांहि ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा आतपश्रमलव्यायामम रस कटुमैथुनवस्तुजुक्षार लवणअन्नरूषोलषोयहीअपथ्यविचार ॥ इतिव्रणरोगेपथ्यापथ्य अधिकार समाप्तम् ॥ दोहा ॥ रोगकहयोयहभग्नव्रणप्रथमहिकहयोनिदान ॥ पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिश्रीभग्नव्रणरोगचिकित्सा

## ॥ अथनशूरनाडिव्रणनिदानानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ नाडीव्रणजुनिदानकोभाषोंभलीप्रकार जैंसेंकहयोनिदानमोतैसेंकरोंउचार ॥ चौपई ॥ नाडीव्रणनशूरकोंकहिये ताकेलक्षणकहोंसुनैये जोफोडाकाचोतनहोय लषउपायपेक्ष्याकरजोय तासचिकित्साभलीप्रकार नांहिकरैनरमुग्धगवार ताहीतेंनशूरहोइजावै ताकेलक्षणप्रगटसुनावै सदापूयतिसतैंनिकसावत ताप्रवेशअंतरकोंथावत नाडिपीलअंतरजाजैसें छिद्रनशूरतनमोंजातैसें सोनशूरहै पांचप्रकार वात्तजपित्तजकफजविचार अवरत्रिदोषजचौथोजान शल्यजव्रणपंचमपहिचान

## ॥ अथनाडिव्रणरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ नाडिव्रणचिकित्साकही प्रथमहिंकहयोनिदान सोऊआदिविचारकेंकरेइलाजसुजान दोहा ॥ नाडीव्रणकोनामसभभाषिंप्रघटनथूर वातजपित्तजकफजहैतामोंऔषदपूर चौपै गिरदाजासकठिनअतिहोइ सूक्ष्माछिद्रसपीडासोइ सदाफैननिकसततहीरहै रात्रिसमयवहुश्रवतागहैवातजनाडीव्रणउपाय चौपई प्रथमवांधकरपूयनिकलावै पुनइसचूर्णसाथभरावै लवणअपामारगकेवीज दोनोपीसतासमोदीज नाडीव्रणकोहोवैनास अवरप्रकारसुनहोपुनतास ॥ अन्यच ॥ पांचमूलकाथकेसंग प्रथमाहिंव्रणकोंधोयानिसंग पुनसोचूरणव्रणमोभरै रोगनथूरनाशसोकरै ॥ अथतैल ॥ चौपै ॥ हिंसरारजनीवचविल्वमूल गोजिह्वाकौडलेहुसमतूल इसचूरणसंगतैलपकावैं नाडीव्रणपूरैदुखजावै ॥ पित्तजलक्षणम् ॥ चौपई ॥ पित्ततेंत्रिषादाहज्वरहोय पीडपूयश्रवतीरहैजोय उष्णपूयदिनकोंवहुश्रावै पित्तजलक्षणअसप्रगटावै ॥

## ॥ पित्तजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमवांधकरपूयनिकास घृतदुग्धहिंसंगधोवैतास नागदंतिमंजीठतिलआन यहसमचूरणव्रणमोठान पित्तजनाडीव्रणहोइनाश अवरउपायकरोंपरकाश ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ श्यामारजनीअरुत्रिफलाय अवरतृवीअरलोध्रमिलाय इन्हसमसोंघृतदुग्धपकावै पूरैऊपरलेपलगावै होइहैनाडव्रिणकोनाश वंगशेनमतकोनप्रकाश ॥

## ॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ घणीपूयवहुतीनिकसावै पुरकवहुतव्रणमोंप्रगटावे रात्रिसमयसोवृद्धलहीजै एतेल-क्षणकफजकहीजै

## ॥ अथसन्निपातव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तकफकेसभलक्षण इकठेजामोंलपैंविचक्षण सन्निपातत्रिदोषजवोऊ ग्रंथ-निदानप्रगटहैसोऊ जाहित्रिदोषजअसव्रणहोय शीघ्रनाशकरहैलपसोय ज्वरमूर्छामुखशोषजुदाह त्रिदोषजचिन्हजानतुमताह ॥

## ॥ शल्यजव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ गोलीतीरजुछुरीकटारी इन्हकोघाउजुहोइतनभारी व्रणनाडअदर्शमूढमतिजाने मार्गत्यागकुमार्गमाने तातैभीनथूरहोइजावै ताकेलक्षणऐसेंगावैं पूयरुधसंयुतनिकसात फेनिलउष्ण-दुःखउपजात ॥

## ॥ शल्यजनथूरउपाय ॥

॥ चौपई ॥ नथूरशल्ययाकेतनहोय ताकोछेदकरेनरसोय घातपर्यंतमार्गांतिसकरै मखीरअवर-घृतकरव्रणभरे तिलनिंवपीसतिसऊपरवांधे इसविधिशल्यनथूरकोसांधे

## ॥ अथअसाध्यलक्षणं ॥

चौपै त्रिदोषजव्रणअसाध्यपहिचानो अवरहुंयत्नसाध्यमनआनो ॥ दोहा ॥ नाडीव्रणभाष्योभलेदेषग्रंथसुवि चार भाषासभसीधीरचीअपनीमतअनुसार ॥ इतिसमस्तव्रणनिदानसमाप्तम् ॥

## ॥ अथकफजउपाय ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिव्रणतेंपूयनिकलावै पुनइसवंधनसाथवंधावै स्वेतसर्षपाविल्वकुलत्थ अरुसि-त्थापावोसमतत्थ इसबंधनसोंकोमलकीजे पाछेंशस्त्रसोंछिदसुदीजै तापाछेंयहचूर्णआन निंवसुराष्ट्र-जादंतीठान अरुतिलसमयहचूरणकरै सेंधालवणमिलायव्रणभरै कफजनथूरहोयहैनाश अवरउपायक-रोंपरकाश ॥ अन्यच ॥ सेंधामरचांचित्राआन दोइरजनीजुअर्कजढठान भांगरेसाथजुतैलपकावै-पूरेलावेकफजमिठावै इतिसैंधवाद्यतैल ॥

## ॥ अथसामान्यनाडीव्रणउपाय ॥

॥ चौपई ॥ दुग्धअर्कथोहरकोआन दालहलदतिंहकरोमिलान इन्हतीनोंसंगवटीभिगावै व्रणमों-पूरैरोगमिटावै ॥ अन्यच ॥ रजनीकालाअम्मलतास यहसमचूरणमधुमिलास वटीभिगोयनाडीव्र-णपूर नाशहोयतनतैंसुनथूर ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जातीअर्कसैंधायवक्यार अमलतासकरंजूसौंच-लडार चित्रादंतीसमहिपिसावै वटीसथोहरदुग्धभिगावै नाडीव्रणमोवटीसुदीजै रोगनथूरतुरतसो-छीजै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ वहेडेवटकेकोमलपत्र शंखनिवीजआंवगिरीधर रेंवदविष्टा-लेहुवराह विटभस्ममसीकटुतैलमिलाह मेषरोमभस्मतिहपावै तासंगव्रणकोछिद्रपूरावै नाडीव्रण-

कोहोवैनाश अवरउपायकरोंपरकाश ॥ अन्यच ॥ अथकचूंरतैल रसकचूरकटुतैलपकावै सिंधूर-पायव्रणमाहिभरावै यातेंनाडीव्रणमिटजाय यहउपायपुनकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सज्जीसेंधादंतिआन वसमेकेफलमूलसमान चतुर्गुणमूत्रतैलतिहपावै पकायपूरनाडीव्रणजावै ॥ अथगुगुल ॥ चौपई ॥ गुगुलत्रिफलात्रिकुटालीजै समलेपीससुघृतमोंदीजै अक्षप्रमाण सुगुटकाषावै नाडीव्रणव्रणदुष्टमिटावै शूलभगंदरगुदकोरोग नाशहोंहिजानोसभलोग ॥ अन्यच सूत्रकयाअरुशास्त्रकयाय दुर्बलकृशविनसोसुखदाय ॥ दोहा ॥ नाडीव्रणचिकित्साकहीवंगसेन-केभाय याकोंसमुझकरैतेऊरोगमिटैसुखपाय पथ्यअपथ्यसामान्यव्रणप्रथमहिंकीनेगान नाडीव्रणको-सोलहोयातेंनाहिवषान ॥ इतिश्रीनाडीव्रणसमाप्तम् ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांव्रणरोगाऽधिकारकथनंनामएकचत्वारिंशोऽधिकारः ४१

## ॥ अथविस्फोटरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ विस्फोटनिदानवषानहोवैद्यककेअनुसार नामशीतलाजासकोकहैप्रसिद्धसंसार.

## ॥ अथविस्फोटकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ जासदेहशीतलाजुआवै वहुधागंधहुतैंप्रगटावै अरुअतितीक्षणअमलविदाही रुषोक्ष्यारोअतिकटुषाही करैअजीर्णपरअतिभोजन अतिआतपशिरसहैजेऊजन रितविपरीतजुभोजनपावै इन्हकरविस्फोटकप्रगटावै इन्हकारणतैंतनमंझार कोपकरैंवातादिविकार देहत्वचाकेआश्रयहोय रक्तमांसमोदोषकरसोय जववातादिकुतनधावैं प्रथमहिंसोतनज्वरउपजावैं पाछैंवहुविस्फोटउपाहिं कोइदिनमोंसोअतिपकजांहिं.

## ॥ अथविस्फोटरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ विस्फोटचिकित्साकहितहोंकहैंशीतलातास होवतहैसोसभनकोंकठिनचिकित्साजास

## ॥ अथरक्तपित्तजविस्फोटउपाय ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमचिकित्साऐसेंजान लंघनवमनरेचनपरमान पररोगीकेवलअनुसार करवावेवैद्यजुवुद्धिउदार यहउपायहितकरलषलीजै पुनउपायसुनहोयोंकीजै,

## ॥ अथवमनविधिकफपैत्तजकों ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरहोवैअरुउपजैदाह अग्निदग्धइवपीडाताह पटोलइंद्रयवनिंवपछानो तामोवरचमयनफलठानो इन्हकरवमनकरावेजोय कफपैतिकमोंहितकरसोय पुनशालीयवजुपुरातनलहिये मुंगमसूरनकोरसगहिये सुंठीचूर्णताहिरलाय विस्फोटीनरकोंपथ्यपुलाय.

## ॥ अथवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ ज्वरशिरपीडात्रिषणाशूल अंगभेदउपजैदुखमूल गुरुकृष्णवरणदेहकोभासे ऐसेवातज चिन्हप्रकाशै.

## ॥ अथवातजाचीकित्सा ॥

॥ क्काथ ॥ चौपई ॥ दशमूलरासनाअवरउशीर गिलोयजवाहापावोधीर दालहलदधनियांलेमुस्थर करैक्काथयहसभहीसमधर वातजविस्फोटकमंझार हैयहक्काथपरमहितकार.

## ॥ अथपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरत्रिष्णाउपजैवहुदाह पाकश्रावहोवतहैताह रंगस्फोटलालवापीत पित्तजलक्षणजानोमीत.

## ॥ अथपैतजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ द्राक्षकाश्मरीनिंवपटोल वासाधमाहाछुहरिघोल अवरलजालूसमकरक्काथ पैतिकमैदेमिसरीसाथ.

## ॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छर्दअरुचजडताचिरपाक कठिनस्फोटपुरकलहुवाक स्वेतवरणविस्फोटकहोय वहु-पीडानहिंकरहैसोय.

## ॥ अथकफजउपाय ॥

॥ काथ ॥ चौपई ॥ किरायतावासानिंवपटोल त्रिफलाइंद्रयवलेसमतोल काथकरैमधुपायपिलावै कफजमांहिहितकरलषपावै,

## ॥ अथद्वंदजविस्फोटलक्षणम् ॥

॥ काथ ॥ चौपै ॥ किरायतनिंवमुलठीमुस्थर वासात्रिफलातिंहउशीरधर पटोलइंद्रयवपरपटपाय करेकाथलेसभसमभाय विस्फोटीजोपीवैतास विस्फोटसर्वकोहोवैनाश ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ किरायता-वासानिंवपटोल पित्तपापडातामेंघोल षदरगिलोयमुस्थरसमलीजै करेकाथरोगीजनपीजै ज्वरविस्फो-टनाशहोइजान वंगसेनयोंकीनवषान ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ वासाषदरपटोलगिलोय सप्तपर्णिदोइरज-निसमोय श्यामवेंतनिंवदलआन यहसमकाथपीजियेछान कुष्टविसरपीविषज्वरनाश विस्फोटककंडुमसूरि विनाश ॥ चौपै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलानिंवपटोलगिलोय मुस्थरचंदनमूर्वाजोय पाठारजनीकौडजवांहां यहसमकाथपीजियेताहा कफपितकंडूज्वरमिटजाय विस्फोटविसर्पिविषत्वचरुजघाय ॥ अथलेपन ॥ ॥ चौपै ॥ सरीहमुलठनतचंदनएला कुठवालामांसीकेसुमेला दोइरजनीसभहीसमलीजै घृतसोंपीसि-लेपनकीजै ज्वरकंडूविस्फोटनसाय रोगविसरपीनांहिरहाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ चंदननागपुष्पचौ-लाई सरीहत्वचाअरुजातिरलाई सारवायहसमलेपनकीजै दाहसहिताविस्फोटकछीजै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ पीसइंद्रयवसूक्ष्मजोय तंडुलजलसोंलेपेसोय तौभीदाहनाशहोइजाय सुगमउपायजुकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ उत्पलदोइसारवामंगाय चंदनलोध्रउशीरमिलाय जलसोंपीसेलेपनकरै विस्फोटदाह-पीडाकोंहरैं ॥ अथपद्मकघृत ॥ चौपै ॥ पद्मकमधुकलोध्रकौआन नागपुष्पकेसरपुनठान दोइरजनीवि-डंगलघुएला लाक्ष्यातगरकुठकरमेला सित्थानीलाथोथापाय जलसोंयहसमपीसरलाय शरींहकांच-नारतजपत्तर दधिफलमेलकरेजुइकत्तर पुनसोघृतमोंपायपकावै देहलगायविस्फोटमिटावै कीटलूतअहिदं शस्थान औरनेकविधविषकीहान लेपेविषकीहोवैनाश गंडमालाइत्यादिविनाश महाऋषीआस्तीकमहान यहघृततिन्हहूंकीनवषान अथपंचतिक्तघृत चौपै सप्तपर्णित्रिफलाजुपटोल निंवागिलोयलेयसमतोल इन्हस-मसोंघृतपायपकावैं मलैत्रिदोषस्फोटमिटावै ॥ अथकंपिल्यतैल ॥ कंवीलात्रिफलावलाविडंग निंव-पटोललोध्रधरसंग मुस्थरप्रयंगूएलाधावै अगरषदरचंदनसंगपावै अवरसरजयहसभसमलीजै पीसैतैल-पकसोकीजै तिंहलगायव्रणपूरणथावैं वंगसेनयोंप्रगटजनावै अरुकदाचितवलअनुसार रुधमोक्षयापर-हितकार ॥ अन्यच ॥ शरींहनागवलाजुउशीर हिंस्रापावेतामोंधीर पीसमहीनकरलेपलगावे विस्फो-टविसर्प्पदूरहोइजावै ॥ अन्यच ॥ शरींहचंदननिंवरलाय तिंतिडीवल्कलतामोपाय घृतसोंपीसले-पकरतास विस्फोटरोगहोयतातेंनास ॥ अन्यच ॥ शरींहउदुंवरजामनकहिये शेकलेपमोंहितकरलहिये ॥ दोहा ॥ विस्फोटचिकित्सायहकहीवंगसेनअनुसार इहप्रकारवरतेतऊहोयनदेहविकार इतिविस्फो-टचिकित्सासमाप्तम्.

## ॥ अथविस्फोटकरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथविस्फोटकेतिन्हकोंकरोंउचार इन्हकोंप्रथमहिंसमुझकैपुनकरहैउपचार- ॥ अथपथ्यं ॥ चौपै ॥ वमनअवरपुनजानोलेपन प्रथमरोगतैभाषेरेचन पुरातनशालीकनकभनीजै मुंगचणेयहपथ्यकहीजै मारूथलमृगपक्षीमास गोवृतलषोपथ्यहैतास मिसरीनिंवपत्रपुनजानो चंदनरक्त- पथ्यपहिचानो तैलाभ्यंगपटोलकरेले बालस्फोटककोंयहमेलै ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेविस्फोटकेसमुझे- पुरुषसुजान आगेंकहोंअपथ्यसभजोवैद्यकपरमान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपै ॥ व्यायामअवरमै- थुनपुनपेद आतपक्रोधलखोपुनखेद वमनवेगरोकनपुनजानो भारीअन्नअपथ्यपछानो पत्रशाकदिनश- यनकहीजै जलस्थलजीवमासलषलीजै विरुद्धअन्नपानजोकहिये माषकुलत्थतिलभोजनलहिये दाहक- उष्णरूक्ष्यकटुवस्तु जलजुसलूणोनांहिप्रसस्तु ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यविस्फोटकेसभहीकीनवषान तजअ- पथ्यपथकोंगहेताकहिाइकल्यान इतिविस्फोटरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ विस्फोटकरोग- वषानयोप्रथमाहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिविस्फोटरोगसमाप्तम् ॥

## ॥ अथद्वंदजविस्फोटलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ जोकफपितहुतैंप्रगटावैं कंडुदाहज्वरछर्दउपावैं वातपित्ततेंजोउपजांहिं पीडातीवदेहप्र- गटांहिं वातअवरकफतैंप्रगटात गौरवकंडुजडताउपजात ॥

## ॥ अथविस्फोटउपद्रव ॥

॥ चौपै ॥ हिक्कात्रिष्णाअरुचिअरश्वास अंगमर्दहृदपीडप्रकास हृल्लासविसर्प्पअवरज्वरकहिये भ्रममदमोहदाहपुनलहिये मांससंकोचअरुमर्मनिरोध उपद्रवएतेकरेविरोध ॥

## ॥ अथत्रिदोषजअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ वीचहुतैंस्फोटनिम्नहोजावैं गिरदैतेंकाठिनदरसावैं दाहत्रिषामूर्छाज्वरहोय मोहछर्दनि- द्राअतिजोय कंपदेहवकवादसुनावै असनरसोइअसाध्यकहावै गुंजाफलइवलाललहीजैं असविस्फो टअसाध्यकहीजैं असअसाध्यजेऊनरकोय योगनकरसोसाध्यनहोय एकदोषतेंसाध्यकहावै दोकर- कष्टसाध्यदरसावै त्रिदोषनतेंजोहोयअसाध्य सभहिंहोयविस्फोटअसाध्य ॥ दोहा ॥ विस्फोटनिदान- वषान्योकहैंशीतलाजास जैसेंकह्योनिदानमौंतैसेंकीनप्रकाश ॥ इतिविस्फोटरोगसमाप्तम् ॥

## ॥ अथविस्फोटरोगज्योतिष ॥

चौपै कंन्यामेषवामीनमोंदेवगुरूपडजय तिहपरहोवेसूर्य्यकीदृष्टसंपूर्णभाइ विस्फोटकरोगसोईकरेउन्मत- भावकरेय सोनरावधियोंहांकिरेंगुरुसूर्यजापधरेय ॥ इतिज्योतिषम् ॥

## ॥ अथविस्फोटदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपै ॥ जोंचंडालजलाशयमांहि करैस्नानपानाहिततांहि ताकोंयाहिदोषअनुसार होइ- स्फोटअरुदाहविकार तासउपायकहोसमुझाई सुनलीजेंअपनोमनलाई ॥ अथउपाय ॥ चौपै ॥ रूपेकोइककलशवनावै गोदधिसोंपूरणकरवावै पुनरूपेकोचंद्रवनजिं कुंभकेऊपरपूजनकीजें चंद्रमंत्र- करहवनविधान पुनसोदेयविप्रकोंदान याहिरोगतेंमुक्तिकहावै कर्मविपाकग्रंथयोंगावै ॥ दोहा ॥ विस्फो- टविकारोंहिदोषकोंकारणकह्योउपाय स्नायुकेरोगकेदोषकोंभाषोंभलेंवनाय इतिविस्फोटदोषकारणउपाय-

## ॥ अथान्यप्रकारविसफोटाऽधिकारकथनम् ॥

॥ चौपै ॥ विसफोटरोगहिंदीमतकहिए दुंवलनामफारसीलहिए सोजत्वचाकेऊपरहोई चारभेदका जांनोसोई ऊपरत्वचाभेदइकजांनो सीघ्रदूरपीडानहिमांनो दूसरभेदमांसगतसोई अधिकपाकअतिपी डाहोई तीसरभेदमांसतलजांनो चौडापाथीसकलपछांनो चौथाभेदअस्थिगतहोई ऊपरजोडप्रघटवासोई रुधिरपित्तमिलतीक्ष्णजांनो फोडेप्रवलसोजअतिमांनो औरभेदइकीहैसोई नामभिनसवहींकेहोई औरभेद वातादिकजांनो लक्षणप्रगटभिनपहचांनो जेकरफोडावातजहोई करडाअतिपीडाकरसोई ऊपरकालारं- गदिखावे जर्दनीरभीतरतेंआवे जेकरपित्तजफोडाहोई तृषाअधिकवेचैनीसोई रहेंतापपरसाअतिआवे जलनपाकदुर्गंधल्यावे जेकरकफतेंफोडाहोई श्वेतरंगमोटाहैसोई पाकलेसचरवीवतजांनो थोडीपी डासंगपछानो रहेदेरतकअतिदृढपावे सिलारूपहोनिश्चलथावे जेरकरुधिरदोषतेहोई लालकिनारामो- टासोई रुधिरपाकमिलवाहिरआवे अतिऊचासभतेलपपावे जहांवातकफहोवतदोई तहांऔषधीऐसीहोइ दसमूलक्वारसुंठीमंगवावे जढसरकूहमूसलीपावे उवालगर्मवांधेनरसोई फोडासीघ्रदूरतवहोई छमकनमौली- वांमाल्यावे निंवपत्रसोसंगरलावे इकइकसेरऔषधीलीजें नीरडूडमणतासंगदीजे वारांसेरकाथरहजावे सेरदो ईघृतसंगरलावे त्रिफलात्रिकुटागुग्गुलल्याय तोलाडूडडूडसंगपाय जलेकाथजवघृतरहजावे सेवनवामर्दन मनभावे तऊनभगंदरफोडाहोई कंठमालदुखहरिएसोई पदमकंदघृतसोहितजांनो फोडादूरसीघ्रसुखमांनो जेकरफोडादूरनहोई ताकेहितऔषधसुनसोई तुनुवृक्षकीजढमंगवावे सालूनीतिलसर्षपपावे अलसीज- उछाछसंगहोई कांजीमेलपीसिएसोई करेलेपफोडापकजावे पीडादूरसीघ्रसुखपावे गुग्गुलतिलसम- भागरलाय टिकीकरऊपरवंधवाय पकेसीघ्रफटजावेसोई पीडादूरसीघ्रसुखहोई हलदीदारुहर्दलल्यावे त्रिवीमुलठीलूनरलावे निंवपत्रताहिसंगहोई लेसमभागपीसिएसोई टिकीकरऊपरवंधवावे फोडादूरसी- घ्रसुखपावे त्रिफलाकाथकरेनरकोई गुग्गुलमेलपांनहितहोई जेकरफोडाउलटाहोई भीतरमुखखुलजा- वेसोई रुधिरपाकपेटमेजावे ताहूकेहितयतनदनावे तवासीरएरनजढलीजें दारचीनीभखडासंगदीजें पाषानभेदसोसंगरलावे लेसमऔषधकाथवनावे हिंगूलूणमिलावेकोई देवेक्राथसीघ्रसुखहोई रुधिरपा- कपेटमेजानो ताहीछिनिमेंवाहिरमानो पुरातनचावलपथ्यखुलावे मांसजांगलीगोघृतखावें आदप्रघट' फोडाजवहोई ताहिजतनआगेसुनसोई चूनाकलीसोईमंगवावे सुपेदीकुकडांडकीपावे अथवातैल- तिलोंकाहोई करेलेपहटजावेसोई राईवीजहालेआंल्यावे टिकीकरऊपरवंधवावे निसपालपींसमोमसं- गपावे तिलतेलमेलमर्दनमनभावे विसखपराजढआंनेकोई पकविछाछपायकरसोई ऊपरवांधसीघ्रसु- खपावे फोडादूरपीडहटजावे मर्दनकरिएतैलभलावे पीडादूरसीघ्रपकजावे कवूतरविठलेपकरसोई पीडादूरसीघ्रसुखहोई प्रतीवर्षफोडेप्रघटावे तांहियतनऐंसामनभावे सर्दऋतूकेआदपछांनो रेचकऔष- धकरसुखमांनो रुधिरनिकालताहिसुखहोई खिचडीमुंगघृतसेवेसोई ॥

## ॥ रोगरसौली ॥

॥ चौपै ॥ रसौलीसोजत्वचाकीजांनो सलऽनाममतफारसमांनों करऽनामसोंदूसरहोई मांससंगल- पटीहैसोई अंगुलीसंगदवावेजवही इतउतफिरतादिखावततवहीं लेसदारकफभीरतजांनो वातदोषें- मिलकठिनपछांनो प्रतिदिनअधिकहोतहैसोई एकवारवाउत्पतहोई ताकेमुखपरदाघलगावे अथवा-

काटेजढनिकसावे मांससाथलपटीसोजांनो काटनकाभयकबहुनमांनो अथवाऔरयतनइकहोई आगे-लिखाकीजिएसोई नुसादरसज्जीसावनल्यावे बराबरसभकेसिंगरफपावे पीसतेलतिलमेलेकोई सघन-लेपऊपरकरसोई पककरसीघ्रआपफुटजावे दोषमध्यतेबाहिरआवे डिडतोलासौचललूणमगावे अन्नवीचधरखूपतपावे चूनाकलीताहिसमलीजें त्रैतोलेथोंमताहुमेदीजें पीसताहुपरबांधेकोई पकेसीघ्रफटजावेसोई लेकरसंखिश्रापीसबनावे रसौलीछिलऊपरबंधवावे बाइकचाउलसंखिश्राहोई खावेदूररसौलीसोई चोकपीसातिलतेलमिलावे गूत्रपायकरलेपचढावे प्रथमपछकरलेवेकोई रसौलीदू-रसीघ्रसुखहोई अस्थीमांसजहांबधजावे लूतबातकोदूरहटावे सज्जीचूनांकलमिंगावे बराबरपीसनीरसंग-पावे प्रथमपछदेमलिएसोई रसौलीदूरसीघ्रमुखहोई.

## ॥ रोगपाषानवतकर्डाफोडा ॥

॥ चौपै ॥ बाह्याभ्यंतरसोजपछांनो दवील:नामफारसीमांनो सघनपाकजंमजावेसोई षीसेतहांप्र-बटहेंदोई पीलानीरचुफेरेजांनो दुर्गंधपाकपत्थरवतमांनो दूसरमेंअस्थीवतहोई सकलठीकरीपीलि-सोई हरतालसुगंधरंगसमहोई नामदवीलाखीसेदोई दिमागकलेजाहिरदाजांनो इनकेपासअसाध्यव-खांनो खीसेकाटदोईनिकसावे दुर्गंधहेतरूंतांमेपावे जेकरपाकमधूसमहोई रूंईसिरकापावेसोई सज्जीचूनाकलीमंगावे जौखारजंगारमखीरमिलावे रूंइभिगोयताहुमेपावे ऊपरनिंबपत्रबंधवावे चौथे-दिनऐसामनभाय निंबपत्रकासागबनाय घृतमेंतडकताहिबंधवावे नूतनमांससीघ्रआजावे अबलतास-षाणीमेपाय प्रातघोलनितताहिपिलाय दसमासेएरनतेलमंगावे तोलेढाईमधूमिलावे एकसेरजलपा-यपिलाय प्रतिदिनसेवअधकसुखदाय जेकररोगकलेजेहोई भीतरअतिदुखदायकसोई ॥ दोहा ॥ सीघ्रयतनकरदूरहैदेरनकरिएसोय सराअसबावकितावलखऔरग्रंथमतहोय.

## ॥ लूतरोग ॥

॥ चौपई लूतरोगपाथःकरकहिए ताऊननाममतफारसलहिए सकलआमलासोजपछांनो वेचैं नीदुखदायकमांनो तप्ततापअतितृषाजोहोई रुधिरदग्धपित्तसंगसोई ग्रीष्मऋतूअंतपहचांनो वर्षाआ दप्रघटनत्रमांनो कोमलस्थानजलनअतिपावे तपायहृदासंभ्रमप्रगटावे वमनहोतपीतरंगसोई श्वेत-लालवाकालाहोई नीलासोभयदायकजांनो भौंहोतासिरफिरतामांनो खफगांनरोगमेंऔषधपाछे सोईक रसुखउपजतआछे दूधभातभोजनहितहोई खीरवनायलेपकरसोई तौफुनिखंडमखीरमिलावे लगा-यताहुपरदोषहटावे तैलतिलोंकास्पर्शनहोई देषनतेभयदायकसोई जेकरदोषअधकबलपावे जोंक-होयबातूंबीलावे गाढीखीरबनायलगावे मोरविठफुनिलेपचढावे दिवसतीनलगऐसाकरिए अथवा-ग्रिधविठलेधरीए अथवाखंडमखीरमिलावे केरेलेपदुखलूतहटावे कृष्णनिंबसीआनोसोई जीराश्वेत-ताहुसंगहोई नीलाथोथासंगरलावे करेलेपसमभागमिलावे कहेवैद्यऐसासुनसोई मंत्रसिद्धिकरना सेहोई पुष्पकसुंभाहलदील्यावे चंदनलालगिलोईपावे निंबपत्रकंडेआरीआंनो नागरमोथाखैरपछांनो धमाहमेलसमभागमिलावे त्रैत्रैमासेऔषधपावे करइकत्रदडेकरसोई दसविभागकरराखेकोई दोइभा गनितकाथबनावे प्रातरातपीवेसुखपावे हलदीदारूहरदलल्यावे गोरोपनलोध्रताहुसंगपावे केसरना ग्मेलिएसोई तंडुलजलसोंपीसेकोई गाढालेपताहुपरकरिए लूतखेदताहीछिनहरिए का:जुवानका

अर्कमंगावे मिश्रीसर्वतपाय़पिलावे रसअनारकाअतिहितहोई चंदनसर्वतदीजोसोई सर्वतऔरगुलाबमंगावे मधूमेलकरताहिपिलावे सकमूनीऔरसुगंधीहोई ठंडीवस्तसुहावेसोई वनफसापुष्पगुलावमंगावे चंदनमुसककपूरसुहावे एरनपत्रछेजपरहोई ऊपरताहिसुलावेसोई चंदनश्वेतलालमंगवावे धनिआंमुसककपूरमिलावे वोड़विल्वकाछिलकालीजें छिलकाएरनपलासकादीजें गूलरबृक्षकाछिलकाहोई कांजीमेलपीसिएसोई सघनलेपताहूपरकरिए लूतदोषताहीछिनहरिए पीलीहर्डमंगावेकोई सिर्कामेंलेपकरसोई वीजदुधलीकेमंगवावे गिलोईजढताहीसंगपावे तोरीबीजताहिसंगहोई कांजीपायपीसिएसोई नित्यप्रभातसोइनरखावे लूतदूरवलगुणप्रघटावे

## ॥ रोगसकंज ॥

॥ चौपई ॥ कूल्हेआंवीचसोजजोहोई वध्रसकंजनामहैसोई सोईसीजवगलमेंजांनों कछरालीनामताहुकामांनो स्तनऊपरजोसोजालहिए वरमपिस्तांननामसोकहिए दूधपिलावनसमाजोहोई पड़ेग्रंथिस्तनहूंमेसोई गिरःपिस्तांननामसोजांनो तीनोभेदएकसममांनो सुहागाहलदीताहिमंगावे पुरातनगुडताहूमेपावे लेसमऊपरवांधेकोई करैलेपदुखनासेंहोई वोढवृक्षकादूधमंगावे ऊपरलेपकरेसुखपावे अथवाकरसोंमर्दनकरिए कछरालीदोषताहिछिनहरिए मुसबरसीसालूणमिलावे जलसोंलेपकरेसुखपावे जढखरमूललीजिएसोई वीचपहाडऔषधीहोई कांजीपायरगडकरलावे मर्दनकरदुखदूरहटावे इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांव्रणरोगाऽधिकारकथनंनामद्विचत्वारिंशोऽधिकारः ४२

## ॥ अथस्नायुकरोगनिदानानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ स्नायुकरोगप्रसिद्धसुनकहिनहारवातास तनसाखाजंघादिभुजतंतूरूपप्रकास ॥ चौपै ॥ स्नायुरोगनिदानयोंगावै ताकेलक्षणप्रगटजनावै माषपिष्टाद्दिदलवहुखाय दिनमोंशयनकरेअतिभाय दधिकांजीतीक्षणसेवेजोय जलकेदोषहुतेंभीहोय शाखाजंघभुजनमोंजाय कोपदोषमिलकरहैंश्राय तरुणकनामकृभिजातीथावै तेऊशोथप्रथमप्रगटावै स्थानएककूमवृद्धजुहोय पाछेस्थानतेंचलहैसोय सोथस्फोटतासतेजानो रोगनारुआतासकोमानो पुनसोदोषसोथकरभेद तातेंवडपीडावहुषेद तंहतेंस्वेत-तंतुप्रगटावै शनैशनैसोवाहरआवै तंतुअखंडजुनिकसेजवै सुखअरुशांतिहोयतनतवै जोवहतंतुछेद-होइजाय सकोपरथानअवरप्रगटाय पीडाषेदवहुतसोदेय भुजजंघादिकपंगुकरेय उसकोनामस्नायुक-रकहिये लोकप्रसिद्धनहारवालहिये ॥ दोहा ॥ स्नायुनिदानवषान्योकहोंचिकित्सातास ज्योंभाषीवं-गसेनमोंतेंसेंकरोंप्रकाश ॥ इति ॥ •

## ॥ अथस्नायुरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ विसरपीरोगचिकित्साजोय इसहीकीभीजानोसोय अवरहुभीपुनकरोंवषान सोसुन. लीजैचितमोठान स्नेहपानलेपनअरुस्वेद यापरवहुहितजानोभेद ॥ अथउपाय ॥ शीतलजलसोंहिंगु. पिलावै यातेंतंतुरोगमिटजावै ॥ अन्यच ॥ हिंगुकुठवासुंठीलीजै मेलसुहांजणाक्काथसुकीजै पानजुलेपनकजिैतास तंतुरोगकीपीडविनास ॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ प्रपुंडरीकमंजीठमुलठ पद्मसुगंधकमहूइकठ यहसमघृतमोपीसलिपावै यातेंतंतूरोगमिटावै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ उवालेमीडिककांजीजोय नारवामुखपरवांधेसोय तंतुरोगतातेंनरहाय यहभीटूणाकह्योंसुनाय ॥ लेप ॥ वंबूरवीजपीसलेपावे नारवाजायशांतिसुखपावे ॥ घृतपान ॥ गोघृततीनदिनांजोपीवे नारवाजाय-देहसुखथीवे ॥ रसपान ॥ त्रयदिननिरगुंडीरसपान होवैतंतुरोगकीहान ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ मुत्थरसुंठीमघांभिडंगी पतीसवहेडेपीसोसंगी समसूक्ष्मयहचूर्णपिसावे तप्तोदकसोप्रातपीलावे तंतुरो-गकोहोइहैनाश वंगसेंनमतकीनप्रकाश ॥ लेप ॥ चौपई ॥ सुहांजणामूलपत्रपीसावै सेंधा. कांजीताहिमिलावै नारवामुखपरलेपनकीजै यातेंतंतुरोगदुःखछीजैं ॥ अन्यच ॥ अहिंस्रामूल-जलसाथजुपीस लेपैतंतुरोगहोयषीस ॥ अन्यच ॥ तुलसगिुडजुपलांडूपाय पीसमहीनकरलेपल-गाय तातेंतंतुरोगमिटजावे वंगसेंनमतसोइसुनावै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सानारवावंगसेंनअनुसार कहीजिमैतैसेंकरेरहेनतंतुविकार जेऊविसरपीपथअपथविस्फोटककेहोय स्नायुरोगकेसोलषोभिन्ननभाषे-सोय ॥ इतिश्रीस्नायुकरोगसमाप्तम् ॥

## ॥ अथान्यप्रकारनहारवारोगकथनम् ॥

॥ रोगनहारवा ॥ चौपई ॥ नहारवारोगप्रघटसोलहिए इर्कमदनीअरुरिशताकहिए नारूफीनामाहिं-दमतमानो अतिभोजनकररोगपछांनो अतीखेदनरकरेजोकोई रोगताहिपिंनीपरहोई कृमिकरगाढा-नीरपछांनो सेवनकरेरोगतवमानो अतीमांसमाडाजोखावे प्रथममांसमेरोगदिखावे अतीपीडकाःली-अतिहोई रोगतुचापरआवतसोई प्रथमसोजअतिजलनदिखावे फुटेतारवतप्रघटलखावे कागद-कीवत्तीकरकोई ऊपरसीस्वलपेटेसोई सकलतारजववाहिरआवे तवरोगीनिश्चैसुखपावे तारटूटजा-

वेदुखहोई घृतअरुदूधपिलावेसोई पहरएकसुखसयनकरावे पलेटेलेफजोपरसाआवे तौफुनितार-खैचिएसोई निकसेतारताहिसुखहोई वारवारतनपरसापावे जुगतिप्रमानखैंचदुखजावे अथवानस्तर-मारिकोई शिरानिकालखैंचिएसोई हरडवहेडासुंठमगावे कंवीलामेलभागसमपावे मासेसातपीस-करल्याय इक्कीमासेमधूमिलाय नीरपायसवंतकरकोई दिनइक्कीपीवेसुखहोई आकपत्रऊपरवंधवावे दिवसतीनमेंखोलरखावे तौफुनिआकपत्रमंगवाय वारवारवांधेदुखजाय प्रतिदिनाहिंगूसेवेकोई ताहिरो-गनिश्चेनहिहोई सहदेवीवूटीपीसवंधावे रोगदूरनिश्चेसुखपावे गुरदेतकपहुचेजवजाय मारकहोतरोग. दुखदाय.

## ॥ रोगमोटाहोनाजंघदा ॥

॥ चौपई ॥ मोटीजंघजाहुकीहोई दाउलफीलकहुनामासोई पुरातनहोएअसाध्यकहावे नूतनयत-नकरेहटजावे सकलरुधिरजवनीचेहोई मोटीजांघहस्तिवतसोई जवजहरोगप्रघटहोआवे वासली-कतेंरुधिरछुडावे पादपिंनीपरपछकराय रेचकऔषधताहिखुलाय तौफुनिताकोवमनकरावे त्रिफला-लेपनीरसंगलावे दृढकरकपडावांधेकोई पुरातनमांडखायनरसोई वातिकभोजनसोनहिखावे वतांऊ-आदितेंपथ्यकरावे.

## ॥ रोगमोटाहोनापिंनीकिऊपरनाडिओंका ॥

॥ चौपई ॥ मोटीनाडपिंनीपरहोई दवालीनामफारसीसोई मोटीनाडविंगीप्रगटावे पिंनीऊपरप्र-गटदिखावे मारगअधिकचलेनरकोई वातिकभोजनकरदुखहोई पुरातनहोएअसाध्यकहावे वासली-ककारुधिरछुडावे रेचकदेफुनिवमनकराय रगसाफनकारुधिरछुडाय मलेनाडजवरुधिरछुडावे तौफु-निवांधसीघ्रसुखपावे रहेपथ्यपरपालकराय करेयतनदुखदूरहटाय.

## ॥ रोगरींगडवात ॥

॥ चौपै ॥ रींगडवातपीडजोकहिए इर्कुलनुसाफारसीलहिए इर्कुलनसानाडजोहोई पीडातहां-खोलिएसोई तौफुनिपाछेवमनकराय नाडसिरेपरदाघलागाय नाडीअंगुलआठप्रमान करेदाघहोवे-दुखहांन पादांगुलचिचीजोहोई देवेदाघताहुपरकोई वाचुत्तडकामध्यविचारे दैवेदाघसीघ्रदुखटारे रुधिरछुडायऔषधीखावे हरडसुंठअरुत्रिवीमंगावे जढजमालगोटेकीलीजें गुगुलसभऔषधसम कीजें सभसमानगुडसंगमिलाय तोलाडूढनिताप्रतिखाय करेपालखद्यानहिखावे मैथुनकरेनाहिदु-खजावे सतावरीआदतैलजोहोई मर्दनकरेहरेदुखसोई पिंनीमध्यचीरकरवावे मध्यनाडलखसोईकटावे ऊपरदाघताहुपरलाय निश्चेसकलपीडहटजाय.

## ॥ रोगपादअंगुष्टपीडा ॥

॥ चौपई ॥ पादअंगुष्टपीडजोहोई नकरसनामफारसीसोई अंगुष्टगंढपरसोजदिखावे पीडातहां-खेदअतिपावे दोषगर्मपतलाजवहोई अथवारुधिरदुष्टकरसोई अथवाअतिमैथुनकरजांनो अथवाअ-तिमारगकरमांनो अथवाऔरगंढपरहोई नेत्रआदिगोडेपरसोई पादपीडसभसंगदिखावे नकरसना-मसोइकहलावे पादरोगनिश्चेकरजांनो गंठिआविनापादकरमांनो अवधीदिनचालीतकहोई कदीरो-गमारकहैसोई वांमपादपरपीडामांनो अतिचिरकालमाहिसुखजांनो रुधिरदोषपीडाप्रगटावै वासली-

ककारुधिरछुडावे सरेरोरगकारुधिरछुडाय रुधिरदोषपीडाहटजाय सज्जेभागपीडप्रगटावे खब्बेभागरुधिरनिकसावे यथाजोगलेपकरवाय करेयतनदुखदूरहटाय मासेसातमघांपिसवावे सेरदूधमेपायपकावे प्रातनित्यपीवेनरकोई पादपीडहटजावेसोई कफीसुभावजाहुकाजांनो सीतकालमेपीडामांनो ग्रीष्मकालपीडजवहोई कफकारेचकसेवेसोई वातगंठिआऔषधखावे सोईकरदुखदूरहटावे.

## ॥ अथरोगवातगंठिआ ॥

॥ चौपै ॥ वातगंठिआजाकोहोई दरदमुफासलकहिएसोई कवहींरुधिरदोषप्रघटावे वासलीकतेंरुधिरछुडावे सेरदूधगोकागडकाय दसमासेमघतासंगखाय कभीवातकाकोपपछांनो जुटेजोडहर्कतनामानो तौफुनिरहसनपत्रमंगावे असगंधसुंठजढएरनपावे ग्यारगिलोताहिसंगपाय संभालुमेलभागसमल्याय साडेत्रैत्रैमासेल्यावें चारसेरजलक्काथचढावे आधसेरजवहींरहजाय पीवेदिनइक्कीदुखजाय षेटआईवातिकचींजनखावे गुगुलजोगराजमनभावे मघांमर्चघुंगचीमगवाय चित्रामघजढसंगरलाय सौंफसुंठहिंगूसंगपावे वालासर्षपसंगरलावे भंडिगीजअेइंद्रमंगवाय राजपिप्पलसंगपतीसरलाय कवावचीनोअजमोंदाल्यावे कंडेआरीवचंमोडेआंपावे धनिआंपिप्पलमूलमिलाय वाविडंगगजकेसरपाय साडेतींनातींनमासेल्यावे द्वादसतोलेत्रिफलापावे सतारांतोलेगुगलपाय विधिवतपाकसेवदुखजाय मासेसातनिताप्रतिखावे डिडतोलेतकसेवनभावे रहसनक्काथसंगकरपांन हेविवातरोगकीहांन गंठिआपृष्टपीडजोहोई पादपीडगोंडेकीसोई रींगडवातशूलअर्धंग कमरपीडआदीरुजभंग गुगुलजोगराजकरपांन इत्यादिकवातरोगकीहांन हलवांनमांसवकरेकाखावे दुंवातित्तरलवासुखावे मेथीसौंफसौंफकटुल्याय ईसबंदअजुआंइनपाय कलौंजोवीजमूलिआंल्यावे वीजखरबूजासंगरलावे साडेदसदसमासेल्याय दोतोलेसुक्कीनिंवरलाय चूरणपीसिछानकरकीजे सक्करलालसेरइकदीजे तोलाडूडनिताप्रतिखावे नीरसंगदुखवातिकजावे मुखसुंदरवीरजवधजाय पाचकदीपकवातनसाय सतावरतैलकुठजोहोई नारायनसर्षपएरनसोई इत्यादिकतैलमलेदुखजावे निश्चेवातिकपीडहटावे गोडेपीडपुरातनहोई आंमवातकरकहिएसोई वांसाकृष्णग्वारमंगवावे सुंठमेलसमऔषधल्यावे साडेदसदसमासेल्याय करेक्काथपीवेदुखजाय आकपत्रादिनतींनवंधावे वारवारवांधेदुखजावे सुहांजनतैललेपकरसीई निश्चेपीडपुरातनखोई थोंमसेरपांचोमंगवावे आधसेरराईसंगपावे करचूरनभांडेमेपाय एकरातराखेलटकाय डूडसेरसर्षपकातेल प्रभातलूणताहिमेंमेल हिलायनिरंतरताकोराखे दिवसतींनकेपाछेचाखे अथवाफुलकेसंगहिखावे वातिकपीडासकलहटावे पीडाऊपरनस्तरलाय आकदूधकालेपचढाय आकदूधवामलेजोकोई तत्तनीरसंगधोवेसोई सकलपीडनिश्चेहटजाय विनायतनकैसेंसुखपाय.

## ॥ रोगकमरपृष्टपीडा ॥

॥ चौपै ॥ पींडाकमरपादसेहोई पीडापृष्टनामसुनसोई दरदकमरपुसतप्रायकहावे वातिकजतनकरेहटजावे

## ॥ रोगचिटेआईनखोंकी ॥

॥ चौपै ॥ सुपेदीनखऊपरप्रघटावे सुपेदीनाखननामकहावे फुलबहरीथिमहोतहैजैसें सोईजतनहटजावततैसें मेथीअलसीवीजमंगावे मधूमोंमकेसंगपिसावे करेलेपनखऊपरकोई चिटेआईदूरसहजसुखहोई.

## ॥ रोगसोजमुंडनखदे ॥

॥ चौपै ॥ सोजमुंडनखहूंकेहोई दाषझनामाकहिएसोई कभीतापताहीसंगआवे सेरेरोगकारुधिरछुडावे दक्षणभागसोजप्रघटाय वांमभागतेंरुधिरछुडाय तौफुनिरेचकऔषधदजिें आगेयतनालिखासोकीजें विजयाबीजहर्फीममंगावे सिरकागुलावपायापिसवावे दोदिनलेपकरेजोकोई दिवसतीसरेऐसाहोई सिरकाईसवगोलमंगाय लेसमतींनदिनलेपचढाय क्षणक्षणगर्मनीरमैंपावे मधूखंडलेऊपरलावे फटेदोषसिगरानिकसाय अथवाडडूचीरवंधाय हाथपैरपरसोजादिखावे तौभीयतनजाहिविधभावे अथवातापरदाघकराय तंडुलदधीपीसकरलाय वुरनामाजहरोगकहावे शीघ्रजतनकरदेरनलावे

## ॥ रोगनखोंकीसकलहोनीचूहेकेदंदोंकी ॥

॥ चौपै ॥ अतितीक्षणनखजवप्रघटावे सनानुलफारुलअजाफीरकहावे वानिकसर्दखुष्कनहिखायत्रिफालालेकरपीसवनाय दसमासेजलकेसंगखावे निश्चेसकलदोषहटजावे मस्तकीसीसालूनामिलाय पीसनीरनखऊपरलाय मुरदासंगत्रैमासेल्यावे दसमासेएरणतेलरलावे वरोजामासेतींनमिलाय कतीरामासेदोइरलाय करइकत्रफुनिखूपकुटावे मल्हमलेपकरेदुखजावे सुंदरतैलताहुपरलाय निश्चेगुणकरदोषहटाय

## ॥ रोगखसराहोनाशिरविषें ॥

॥ चौपई खसरारोगसीसमेंहोई दाढीभरमांऊपरसोई सवूस्सःनामफारसीगावे ग्रीवापीछेपछकरावेचनेमगायपीसिएसोई सिर्कामिलमलेसुखहोई एकपहरजवहींहोजावे तप्तनीरसंगताहिधुलावे निंवूरसखैरीरसलीजें शिरऊपरवरमर्दनकीजें सिरकातुंमाबीजमंगावे मलेसीसपरखेदहटावे

## ॥ रोगटट्टरी

॥ चौपई ॥ टट्टरीसीसमाहिपडजावे दाउस्सालवनामकहावे झडेवालनहिउपजतताही चमकतस्थांनखेदकछुनाहि ऋतूवतलेसदारजवहोई जलेपित्तसंगदोषजसोई भोजनअसरतहांनहिजावे झडेवालफुनिफिरेनआवे जेकररुधिरदोषजलजाय लालरंगताहीप्रघटाय ठुडीतलेपछकरवावे सरेरोगकारुधिरछुडावे सिंगीअथवातूंबीलाय रुधिरविगाडसीघ्रनिकसाय टटरीऊपरपछकरावे चूहेकीफुनिविठमंगावे घृतमिलायलेपकरसोई अथवामखीलेपेकोई आमलेसेरएकमंगवावे नीरसेरदसतामेंपावे राताभिगोयप्रातगडकाय सेरदोइतिलतेलमिलाय जलेकाथतैलरहजावे फसतकरायमलेदुखजावे लेसदारजलविगडेजवहिं श्वेतरंगटटरीकातवहिं तुंमामासेसातमंगावे कतीराभागवरावरपावे दिनइकीतकसेवनकरिए आवेदस्तदोषसभहरिए अकरकराफुनिमर्चमंगावे मोहरावृषभताहिमेंपावे करेलेपटटरीहटजाय अथवाऊपरपछकराय हलदीसज्जीसर्षपल्यावे राईमेलमलेदुखजावे मलेखूपदृढअतिवलपाय उपजेंवालसीघ्रदुखजाय जेकरपित्तदोषप्रघटावे रहेजलनअतिखाजदिखावे खुष्कभौरडीऊपरहोई जलेपित्तस्याहीपरसोई ठुडीतलेरुधिरनिकसाय हरडअनारनीरसंगखाय तैलआमलापाछेजोई मलेसीअहटजावेसोई अथवाबनउपलेमंगवावे मलेखूपजवलालीआवे घोडेकाफुनिपरसालाय मलेखूपटटरीहटजाय

## ॥ रोगखिंडनावालेंदा ॥

॥ चौपै ॥ खिंडेवालजाहुकेजांनो इंतशारमोऽनामपछांनो ऋतूबतभोजनकीहटजाय वालखुष्कतवहींप्रघटाय दूरस्निग्धताझडतेजावे खुलेरोमद्वारप्रघटावे आदयतनकररुधिरछुडाय हरडनीरसंगवालधुलाय अथवानीरआंमलाहोई वारवारधोवेसुखसोई अंबरभेदसोलादनल्यावे तेलतिलोंकामेलमलावे उपजेंवालसीघ्रदुखजाय निश्चैऔषधकरसुखपाय तैलआमलापाछेहोई मलेसीघ्रसुखदायकसोई

## ॥ रोगफटजानाचीरेआजानावालोंका ॥

॥ चौपै ॥ वालोंकेमुखचीरेजावे सकाकुलशयरनामप्रघटावे पत्रतिलोंकेरसनिकसाय मलेखूपकर लेपचढाय मखनजंगीहरडमंगावे लादनतैलपीसकरपावे भांगुराअरुत्रिफलामंगवाय लोहारगडफट कडीपाय करइकत्रमर्दनकरसोई तैलआमलाअतिहितहोई करमर्दनदुखदूरहटाय उपजेंवालदोषमिटजाय

## रोगजटाहोनीपेचपडनावालोंका ॥

॥ चौपई ॥ जाकेसीसजटाप्रघटावे जऊदतमोतवनामकहावे जैसेंजंगदेसमेहोई तैसेंजटापेचयुतसोई लक्षणगरमीषुष्कीमांनो गुडविलकत्थलेपमनआंनो पलचेवालसीघ्रखुलजावे निश्चेकरज हयतनवनावे ॥

## ॥ विधवाललंवेकरनकी ॥

॥ चौपई ॥ लंवेवालविधीजोहोई ततवीलसयरकहुनामासोई वारांसेरतैलतिलल्यावे चारसेरसभांगुरपावे ईसवंदत्रिफलामंगवाय इकइकसेरताहुमोपाय खैरकाष्टअधसेरामिलावै नीरएकमणपायचढावे जलेनीरतैलरहजाय मलेवाललंवेप्रघटाय नीलोफरगजकेसरल्यावे मुलठीतिलकालेसंगपावे लेसमभृंगराजरसपाय पीसलेपकरवालवधाय छेरभगिआडरिछजोहोई इनकीचरवीलेसमसोई सिरकापायलेपकरवावे उपजेंवालअधिकवधजावै अंडेलेकरताहिउवाले चोएविधिसोंतैलनिकाले मखीपीसताहुमेपाय उपजेवालदीर्घहोजाय जेकरकेनरखुसराहोई उस्तराफेरलेपकरसोई उपजेंवालदीर्घअतिजांनो करेयतननिश्चामनआंनो चूहेकाइकवचाल्यावे तैलपायकरसोगडकावे उस्तराफेरमलेजोकोई उपजेंवालदीर्घअतिहोई किकरकाकीडाइकल्यावे आदितवारपीसकरलावे उस्तराफेरेंमलेजोकोई उपजतवालसत्यसुनसोई अथवावनउपलामंगवावे रगडलेपताहूपरलावे मिंझलूंवडीकीमंगवाय मलेवाललंवेउपजाय ॥

## ॥ विधजुआंदूरकरनेकी ॥

॥ चौपै ॥ जूआंसीसदेहमेहोई ततनीरमेवैठेसोई रेचकवमनताहिकरवावे मुसबरपीसमलेसुखपावे पाछेदेहधुलावेकोई निश्चेजीवदूरसभहोई पाराएरनभस्ममंगावे अर्कतैलतिलसंगरलावे करइकत्रमर्दनकरवाय· निश्चैसकलजीवमरजाय पूरनमासीकादिनआवै वैठचांदनीकंगीवावै सकलजीवनिश्चैमरजाय सुगमयतनकरजोवहटाय पुष्पपत्रफलनिंवमंगावै मलेपीसकरजीवहटावै

## ॥ रोगव्याईपैरकी ॥

॥ चौपई ॥ व्याईरोगजाहुकोहोई शकाकपासनाकहिएसोई वातापित्तकाकोपपछांनो कभीरुधिरकफहूंकामांनो अथवासीतकालकेमाहीं गर्मनीरसंगधोवेताहीं फुनिसीतलजलकेसंगधोवै

न्याईरोगताहिछिनखोवे गुगुलरालमखीरमंगाय मोमलूणगुडतामेपाय गडकावेगूत्रपायकरकोई मलैलेपकरत्र्प्रातिसुखहोई निरगुंडीगोकेघृतमेंपावे तपायलेपकरपीडहटावे रुद्रवंतीवूटीसंगपाय त्रिफलात्रिकुटाताहिमंगाय त्र्प्राधत्र्प्राधसेरसमल्यावे वरावरसभकेसक्करपावे दोइतलीभरप्रातीदिनखाय सेरदूध पीवेदुखजाय रुधिरदोषपररुधिरछुडावै पछलगायशीघ्रदुखजावै मघजामनत्र्प्रंवत्र्प्रावलाहोई इनकोसिकडले वेकोई गर्मकाथमेपैरडुवावे धोवैमलैपीडहटजावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांत्र्प्रामुरोगाऽधिकारकथनंनामपंचचत्वारिंशोऽधिकारः ॥ ४५

## ॥ अथमसूरकारोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कहौंनिदानमसूरकाभेदशीतलाजान प्रगटवतावौंताहिकौंजातैंहोयपछान ॥ अथकारणं ॥ ॥ चौपै ॥ मसुरअन्नदाणेकीन्याई होइमसूरकाऐसेंगाई जिन्हवस्तूहोइमसूरकारोग सोभाषोंजोवस्तु- अयोग कटुअतिअमलक्ष्यारजोषावै भोजनदुष्टपायअधिकावै भूषतैंअधिकषायहैजोय अरुविषवृक्ष- सपर्शकरैसोय विषवृक्षनकीपवनलगैतन विषजलस्पर्शहुतैंजानोमन अरुजुशनिश्चरादिग्रहकहिये उन्हकी- मंददशाजोलहिये इन्हकारणवातादिकदोष रक्तदोषप्रगटांहिसरोष पित्तरक्युतहोतहेंजवही दूषितकरत- त्वचाकोतवही तातैंतनमसूरकीन्याई वहुफुनसीउपजैंनरताई ताहिशीतलाभेदपछानैं जासलोक- काकडावषानैं.

## ॥ अथमसूरकापूर्वरूपं ॥

॥ चौपै ॥ जिंहमसूरकाउपजनलागे असविकारप्रथमहिंतनजागे ज्वरकंडूसीजात्वचमांहि गात्र- भंगअरुचदरशांहि देहविवरणसीदीसनलागे नैत्रनवीचकष्टवहुजागे सोमसूरकापांचप्रकार वातजपि- त्तजकफजाविचार त्रिदोषजरक्तजकहिएपांच भिन्नभिन्नभाषोंलहुसांच.

## ॥ अथमसूरकादिरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ चिकित्सारोगमसूरिकाताकेसकलप्रकार वंगसेनजैसेकहींतैसेकरौंउचार ॥ चौपै ॥ जिंहमसूरकारोगलषावे तासचिकित्साअसदरसावे विसरपीपित्तश्लेष्मकीजो ॥ जेऊचिकित्साता सकरैसो. ॥

## ॥ अथवातजलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ तनस्फोटरूषेरंगलाल अथवाश्यामवरणयहचाल पीडातीव्रकठिनलषपैये चिरकरपकैं- सुवातजकहियें,

## ॥ अथवातजचिकित्सा ॥

॥ अथधूम ॥ चौपै ॥ वांसत्वचासुरसाकरपास लाक्षजवानीयवविपलहुतास ब्राह्मीवरचसुवरचलाआन पीसेगोघृतसंगामिलान प्रथममसूरकाकोदेधूप होइनमसूरकावातअनूप ॥ अन्यउपाय॥ चौपै ॥ चूरा चंदनस्वेतमंगावै संगमोचरससमपीसावै आरंभमसूरकाकेमंझार पाणापीअमसूरकाटार ॥ अन्यच केवलपीसमोचरसलीजै मधुमिलायसोपाणापीजै जायमसूरकासर्वप्रकार प्रमथआदियहकरउपचार अथकफजमसूर कावमनप्रकार ॥ चौपै ॥ कफीनरहींजुमसूरकालहियें आदिहिंताकौंवमनकरैये तातैंहोइमसूरकानास मध्यवमनतैपुरुषविनाश अस्थीगतमसूरिकाजोय सर्वदेहमौंव्यापतहोय तापर- वमनकरावेनाहि करेतोयमपुरवाससिधाहि ॥ अथवमनकीऔषध ॥ वासानिंववचकोगडपटोल मुलठ- मयनफललेसमतोल करेक्वाथमधुपायपिलावै होवेवमनमसूरकाजावे

## ॥ अथवातकस्वभाउमसूरकाउपाय ॥

चौपै ॥ वातकरजोमसूरकाहोय तिसपररेचनहितकरहोय वलअनुसाररेचकरवावे रोगजायरोगीसुखपावे अथक्वाथ चौपै सारवामुस्थरपाठाआन वलाजुकीडानिंवपुनठान विकंकतधात्रीषदरपटोल ग्रहसभऔषधले

समतोल करैकाथपीवेजोतास होयमसूरकावातजनाश अन्यच चौपै दशमूलरासनाधनियांआन उशीरज- बांहांमुत्थरठान गिलोयधमासम काथवनावे पीवैवातमसूरकाजावे अथलेपन ॥ चौपै ॥ बटरुंवलअरुवहे ढेजान सरीहसभनकीत्वचाप्रमान तिन्हकेसंगमंजीठरलावै सभसमपीसिघीउमिलावै लेपेवातमसूरकाजोय नाशहोयचितलषियेसोय ॥ क्राथ ॥ चौपै ॥ गिलोयकसीरफलवलाकोमूल लघुपंचमूलचंदनसमतूल अवर मुलठीरासनापाय लेजुविकंकततासमिलाय वातमसूरकापाकमंझार यहसमकाथपियेदुखटार अन्यच चौपै गडूचीद्राक्षमुलठदसमूल अरुदाडिमसभलेसमतूल पाककालगुडसाथखुलावै रुजमसूरकावातजजावै

## ॥ अथकफवातजमसूरकाउपाय ॥

॥ चौपै ॥ पाणा ॥ वदरिचूर्णगुडलेजुमिलाय यहपाणापीजोहितलाय कफवातजमसूरिकानाश बंगसेनयोकीनप्रकाश' ॥

## ॥ अथपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अंगदाहविटभेदहेजास अक्षिपाकमुखपाकप्रकास ज्वरअतिवेगकरैजिसमाहि कोस- रुस्फोटहोतातिसताहि रक्तजकेपहिलक्षणगाय ग्रंथनिदानदियोजुसुनाय दाहत्रिषाजुअरुचिताहोय शीघ्र- स्फोटजुपाकैसोय रक्तपीतकृष्णवरणलहीजें पित्तजकेयहचिंन्हकहीजैं.

## ॥ अथपित्तजमसूरकाउपाय ॥

॥ क्राथ ॥ चौपई ॥ पटोलमूलइक्षुजढआन पीजैयहसमकाथविहान पित्तमसूरकाहोवैनाश सुख उपजैतनरोगविनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ निंवपापडापाठालीजै दोचंदनवासाउशीरजु दीजै मुत्थरकौडजवांहापटोल धात्रीफलसभलेसमतोल करैकाथशरकरामिलाय पीवैपित्तमसूरका जाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वासाद्राक्षछुहारेआन निंवकसीरजवांहांठान लाजाचंदनअवरप टोल कीजैकाथसभीसमतोल सितायुक्तजोपीवैतास होयमसूरकापैतिकनाश ॥ अथलेप ॥ ॥ चौपई ॥ अश्वत्थन्यग्रोधलसूडाजान रुंवलसरींहत्वचासमठान घृतसोंपीसैलेपनकरै पित्त मसूरकाकोदुखहरै ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ प्रियंगूनिंवपापडालीजै दोचंदनवासातासंगजीजै कौडजवाहांआनजुपाय वस्तुसभीलेकूटमिलाय धात्रीफलमूलिकाउशीर यहसमकाथकरोमतिधीर पीवैकाथदाहकेसंग पितमसूरकाहोवैभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ फलकसीरइक्षूकोमूल करैका थदोनोसमतूल शीतलकरशरकरामिलाय लाजाचूर्णपायपिलाय पितमसूरकाकोहोइनाश सुखउपजैतनद तीप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई जवांहांपित्तपापडाआन कौडपटोलसभीसमठान पीवेकाथजुप्रा तवनाय कफपित्तमसूरकातातेंजाय ॥

## ॥ अथकफजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मुखतैंकफकोचलैप्रवाह जडताशिरपीडाहोइताह निद्राआलसहोइतनभारी रुचनरहै- षोकीनउचारी भारीदेहरहेनितजास तंद्राअवरहोतहल्लास वडेस्फोटसनिग्धलषावै मंदपीडचिरपाक दिषावै स्वेतवरणकंडूयुतहोहि लक्षणकफजइसीविधिजोंहि

## ॥ अथसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नीलवरणकेहोंहिस्फोट मध्यडूंघचिपटेअतिमोट चिरकरपाकहोततिसमाहि अतिपीडानरकोप्रगटाहि अथकफजसंन्निपातजउपाय वहुतअवेंसन्निपातजजान रक्तजपंचमकरोंवषान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ किरायतामुत्थरवासापाय निंवइंद्रयवअरुत्रिफलाय अरुपावैसंगयबासपटोल काथकरैसभहीसमतोल मधुमिलायकरताहिपिलावै कफपित्तमसूरकातातैजावै ॥ लेप ॥ चौपई ॥ रुंवलअवरसरीहत्वचाय षदरत्वचानिंवपत्रामिलाय यहसमलेपनकरहैजोय कफअरपित्तमसूरकाषोय अथरस वासारसमधुपायपिलावै कफमसूरकातातैंजावै काथ मुत्थरवासानिंवपटोल कौडपापडालेसमतोल यवाहांधनियांआनमिलीजै गिलोकिरायतातामोदीजै जहजोकाथपिलावेजास आममसूरकाकोहोइनाश अन्यच चौपई लालचुलाईमूलपटोल काथकरैदोनोसमतोल रजनीआमलेचूर्णपाय पीवैस्फोटविसरपीजाय रोमंतीज्वरवातविनाशै दुखनाशेतनरुजविनभासै अन्यच चौपई निंवपापडाचंदनदोय वासाद्रक्ष्या कौडसमोय जवांहांधात्रीषरसपटोल करेकाथसभहींसमतोल पायसरकरापीवैतास मसूरकाअंतरधसीनिकास ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ केवलकाथत्वचाकचनार स्वर्णमखीचूर्णतामोंडार पीवैमसूरकाअंत्रजुहोय वाहिरनिकसेतातैंसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई पटोलमूलअरुलालचुलाई करेकाथसमलेयवनाई धात्रीखादिरकोचूर्णपाय पीवैरुजमसूरकाजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पूतकरंजुरसधात्रीफलरस मधुसरकरामिलापीवैतस शोथसहितकफपैतिकजोय नाशहोयमसूरकासोय

## ॥ अथरक्तजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अंगोपीडत्रिषाअरुदाह पतलीविष्टाहोवैताह नेत्ररोगज्वरविनरुचिकहिये मुखपाकालालस्फोटलहैये रक्तमसूरकातासकोजान निदानग्रंथमतकियोवषान

## ॥ अथअसाध्यलक्षणं ॥

चौपै कंठरोधतंद्रावकवाद रुचिविनहोयचिन्हइस्याद पिडकाचर्मकजातीजान चिकित्सानाहिनताकीमान

## ॥ अथरोमंतीनिदानलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ नामतासरोमंतीजानै धस्सलझंजललोकवषावै रोमरोमप्रतिफुन्सीजान षसकेदानेहोतसमान कफअरुपित्तहुतेंप्रगटावै कासअरुचिज्वरप्रथमउपावै दाहमोहतंद्राकरैसोय धस्सललक्षणऐसैंहोय

## ॥ अथसप्तधातुगतमसूरकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सप्तधातुजोदेहमंझार तंहमसूरकाकरैसंचार भिन्नभिन्नतिहलक्षणगाऊ तिनहीकोज्योंत्योंहिसुनाऊ

## ॥ अथत्वचागतिलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जैसेंवुदवुदजलमंझार तैसोहोइस्फोटआकार जोकदाचितफूटैसोय जलहीतिन्हतैंप्रगटतहोय स्वल्पदोषतैंयहउपजावत यहत्वचगतसुखसाध्यकहावत ॥

## ॥ अथरक्तगतिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जवमसूरकारक्तगतिहोय लालस्फोटप्रगटकरसोय शीघ्रपकैंपुनरुधिरश्रवावै यहभीतौ सुखसाध्यकहावै ॥

## ॥ अथमांसगतिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कठिनसानिग्धस्फोटकजान अंगशूलचिरपकैंपछान त्रिष्णाअरुज्वरयहप्रगटावै कष्टसाध्ययहव्यथाकहावै ॥

## ॥ अथमेदगतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मेदनामचरवीकोकहिये तागतजोमसूरकालहिये होंहीस्फोटमंडलाकार ऊंचेतनतैंक छुकनिहार सनिग्धघोरज्वरसहप्रगटावै स्थूलवेदनासहिदरसावै मोहवहुतसंतापजुहोय कष्टसाध्यअ, त्यंतजुसोय ॥

## ॥ अथअस्थिगतिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मिंझहोतजोहाडमंझार मज्जाताकोंकरैंउचार देहसमानवर्णजिसहोय किंचितऊंचे. स्फोटहैसोय रूक्षजुचिपटास्फोटप्रकार असाध्यमसूरिकातासविचार पीडावहुतस्फोटतनमांहि मोहअ- रुचहोइकछुनसुहांहि सकलमर्म्मछेदीयततास शीघ्रप्राणयहकरहैनाश अरुताकेहाडनकेवीच छिद्रपडैं. सोंप्रापतमीच ॥

## ॥ अथवीर्यगत्तिलक्षणम् ॥

चौपई सनिग्धस्फोटसपीडाजान दाहअरुचउन्मादपछान पंकवर्णपिटकाजिसहोय मोहरहैमनमैंति सजोय तनमोजडताहोतअपार वीर्यगतीयोंकीनउचार वीर्यगतिअसाध्यसुकहीजै सप्तधातुगतयोंलषलीजै

॥ दोहा ॥ त्वचाअवरजोरक्तगति कफअरपित्तकीजान चारमसूरिकासाध्यहै बिनक्रियासुखीसुमान कष्टसाध्यवर्णनं ॥ चौपै ॥ केवलवातहुंतेहेजोय अथवावातपित्ततेंहोय अथवाकफअरुवातकीजान यत्नतेंसाध्यमसूरिकामान अथअसाध्यमसूरिकालक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ प्रवालवर्णसमजासकोदेषे जंबूफलसमतासकोपेषे लोहजालकीहोवतन्यांई विवधवर्ण होयजासकेताई असाध्यमसूरिकातासकोमानो ग्रंथनिदानकह्योसुपछानो ॥ अथमसूरिकाउपद्रव ॥

॥ चौपै ॥ हिकाकासप्रलापभनीजै मूर्छात्रिषाजुमोहकहीजै होयतीव्रज्वरप्रगटेदाह घूरणताव, हुउपजैताह मुखअरुनासानेत्रतेंजोय रक्तचलैजुश्वासपुनहोय घुरघुरशब्दजुकंठमंझार होतरहैसोवारंवार इन्हेउपद्रवसाथलहीजै सोअसाध्यमनसमुझपतीजै ऐसेंकोंजुवैद्यलषलेही विनाचिकित्सातिंहतजदेहीं अरुकेवलनासाकरलेश्वास आवैविनमुखतिसहोइनाश अरुमसूरकाकेउपरंत तनमोंशोथपरैलहुतंत यहभीलक्षणअहैअसाध्य भाषसुनाईमहाउपाध्य अरुजुसुरोमंतीउपरंत उदरचलैअससाध्यकहंत ॥ दोहरा ॥ लक्षणसभीमसूरकाकीनेप्रगटवषान अबसरोमंतीकेकहोंजानोवैद्यसुजान ॥ इतिमसूरकारो- मंतीनिदानसमाप्तम् अथरक्तजमसूरकाउपाय

॥ चौपई ॥ रक्तकोपतेंप्रगटेजास मोक्षणरक्तचिकित्सातास ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ विजोंरातुरीकां जीकेसंग लिपैसदाहमसूरकाभंग ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ पादमसूरकापादकरैदाह दाहनिवा रचिकित्साताह तंडुलजलसोंधोवैतास पाददाहमिटदुखकोनाश ॥ अन्यच ॥ उपाय ॥ चौपई बदरीचूर्णगुडजुमिलावै रोगीकोंसोनित्यचटावै वातजपित्तजकफजजुतीन पकैमसूरकालषोप्रवीन अरु ताकीपीडाहोइनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथगंडूष ॥ चौपई ॥ जातीपत्रमंजीठमंगावै दा_

लहलदजंडीसंगपावै पूगीधात्रीफलजुमुलठ चूर्णकरसमकरोइकठ सभसमपायसोकरहैकाथ मधुपा यगंडूषांताहुकेसाथ मुखव्रणकंठरोगमिटजावै दुखनाशैंरोगीसुखपावै ॥ अथनेत्रलेप ॥ चौपई ॥ मुलठीमूर्वालेत्रिफलाय तज्जदालहलदपुनपाय नीलोत्पलमंजीठउशीर लोधरसमसभपीसोधीर जलसों नेत्रणलेपलगावै नेत्रनतैंमसूरकाजावै ॥ अथधूप ॥ चौपई ॥ सुपारीदालहलदमंजीठ जोजतीपत्र विषलेवोईठ मौरपंक्षसभहीसमलेय पीसेधूपसुरोगीदेय तनतेरोगमसूरकाजाय श्रेष्टधूपयहदियोलषाय ॥ लेप ॥ चौपई ॥ दोइरजनीशरमुथरउशीर सरीहभद्रमुथरलेधीर गजकेसरसभसमपीसावै तनमोंलिपेमसूरकाजावै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ जपस्वस्त्ययनहवनअरुदान द्विजगोशिवपूजा परमान गौरीपूजनपाठप्रयोग यहभीउपायश्रेष्टसभलोग गरुडोपनिषदपढैजुपढावै अरुकरेयंत्रजुकंठ बंधावै विषविकारमसूरकाआदि रोगनरहैशास्त्रमिरयादि ॥ अन्यउपाय भोजनपानमर्दनमंझार पंचतिक्तपहश्रेष्टविचार ॥ लेपन ॥ चौपई ॥ दालहलदकाकाथवनावै ताकेसमतामोंघृतपावै पुनयह चूर्णताहिरलाय दशमूलवालकुठहरडेमिलाय दालचीनीकरंजूलीजै कूटसभीसमचूर्णकीजै रासनाअवरवहेडमंजीठ समयहपायपकावोईठ मसूरकाऊपरलेपैसोय अपकपकैपकसुद्धसुहोय छुद्रमसूरकाभी होईशांत निश्चययहमनधरोवृतांत जोव्रणदुष्टस्वदेहलषावै रुधिरनिकासेतवसुखपावै ॥ दोहा ॥ रुजमसूरकाकीकहीसमुझाचिकित्सासार भाषसुनाइसभनकोवंगसेनअनुसार ॥ इतिमसूरकारोगचिकित्सा

## ॥ अथमसूरकारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यमसूरकाभाषोंसुनोप्रवीन प्रगटवतावोंसभनकोंशास्त्रनकोमतचीन ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ रोगआदिलंघनकरवावै नाडीशिरकीरुधिरछुडावै अरुरेचनकरवावैतास प्रथमपथ्ययहकीनप्रकाश पुरातनसठीचावलजानो चणेमसुरयवमूंगपछानो मासकवूतरचिडालहीजै शुकटटीहरीजानपतीजै अवरममोलेकोजोमास एतेमासपथ्यलखतास केलेअवरककोडेजानो द्राक्षकरेलेपथ्यपछानो मधुकूपोदकपथ्यपछांन पवित्रपुष्टकरताजलजान अवरपुष्टकरताजोअन्न धूपअनारपथ्यकरमन्न गोहैभरमजोमर्दनकहिये सोभीयाकोपथ्यहिलहिये रुयाशोथव्रणकीहैजेती रुजमसूरकाकीलषतेती दोहा कहोंअपथ्यमसूरकासुनलीजैचितधार वैद्यकशास्त्रसोधकैपुनकीजैउपचार अथअपथ्यं दोहा वातस्वेदश्रमअन्नगुरुतिलमैथुनअरुक्रोध वस्तुअमलकटुजानियेअरुवेगनकोरोध इतिमसूरकारोगेपथ्यापथ्यअधिकारः दोहा ॥ वरन्योरोगमसूरकाप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान इति.

## ॥ अथमसूरिकारोगेकर्मविपाकमाह ॥

॥ चौपई ॥ ऊचहोइकर्मनीचजोकरै दीनजननकोपीडाधरै खरइत्यादिनीचजोजाति तिनकोपीडाहोइकरघाति प्राणीसोमसूरिकावरै नानादुःखदेहीमोधरै ॥ उपाय ॥ ॥ ताम्रआढकइकमहिषबनावै रूपेकेखुरताकोलावै शृंगरूपकांचनगलमाला नीलवस्त्रतांपरदरसाला सोइहविधसंकल्पकराइ दोषमसूरिकानिश्चैजाइ ॥ इतिमसूरिकाकर्मविपाक ॥

## ॥ अथज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ द्वादशपडैजुदेवगुरुहीनपडैतिहचंद तौभीरोगमसूरिकाव्यापैदेहप्रबंद तिहउपायज्योतिषकह्योचंदबलीकरदेय देवगुरूकीवंदनारोगहिमुक्तकरेय ॥ इतिज्योतिपसमाप्तम् ॥ ॥

## ॥ अथशीतलारोगस्वरूपलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जबैविषमज्वरअत्यंतप्रगटाय कभीशीतलकभीगर्मकराय नेमनरहैफुनसोप्रगटावत तीनादिवससातनमोंहोवत सोफुनसीकायाकोवरै ताहिनामसीतलाकरधरै सोसीतलाअठहिप्रकार सोसभवरतैंदेहिमंझार ताहिक्रियासबग्रंथनमांहि देसअनुसारकरतकुतताहि.

## ॥ अथशीतलायत्न ॥

॥ चौपई ॥ आछीपकैतौइहकुतकार अरनेऊपलेखारमंझार सोविछायऊपरातिहलेटै शीतलारोगकायतेंछूटै पुनः वानिंबपत्रडालीकोंल्याय मखीतांसोंलेयउडाय पुनः शीतलाज्वरकेभीतरजाहि शीतलजलहिपिलावैताहि पुनःअथवाशीतलस्थानलेजाय शीतलस्थानमोंताहिबिठाय पवित्रहोयपूजनहितकरै अत्यंतऔषधीनाहिनधरै पुनः शीतलजलसोंहलादीपिलाय शीतलादानेथोडेप्रगटाय पुनः केलेजलअरुस्वेतचंदनकर वासारसमहुवाकोंमथकर वामहुवासहितसंगडार शीतलाबालेकोहितकार शीतलानिकलनपहिलेजोय पिलायविकारकोईनहिहोय.

## ॥ अथशीतलावालेकीरक्ष्या ॥

॥ चौपई ॥ जिहघरशीतलाबालकहेरे ताहिराखनिंबपत्रचुफेरे चंदनवासानागरमोथा गिलोयदाखकाडावरजोथा शीतलाज्वरनाशैइहविधसे अथवाजपहोमादिकरनसे ब्रह्मभोजशिवगौरिगणेश पूजनकरैहितलायमहेश जोशीतलासनमुखअष्टकपरै सोआगेउच्चारकरधरै.

## ॥ अथशीतलाष्टकम् ॥

॥ ओंश्रीगणेशायनमः ॥ ओं ॥ अस्यश्रीशीतलास्तोत्रमंत्रस्यईश्वरऋषिरनुष्टुप्छंदः शीतलादेवतास्थित व्याध्युपशांतयेपाठेविनियोगः ॥ अथध्यानं ॥ ओं ॥ नमामिशीतलांदेवींरासभस्थांदिगंवरां मार्जनीकलसोपेतां सूर्पालंकृतमस्तकां १ शीतलासेठिलाचैव रुणकीझुणकीतथा महिमामंदिलाचैव षट्नामैतेनमोनमः ॥ स्कंदउवाच ॥ ओंभगवन्देवदेवेशशीतलायाःस्तवंशुभं वक्तुमर्हस्यशेषेणविस्फोटकभयापहं १ ॥ ईश्वरउवाच ॥ वंदेहंशीतलांदेवींसर्वरोगभयापहां यामासाद्यनिवर्तेतविस्फोटकभयंमहत् २ शीतलेशीतलेचेतियोब्रूयाद्दाहपीडितः विस्फोटकभयंघोरंक्षिप्रंतस्यविनश्यति ३ यस्त्वामुदकमध्येतुधृत्वासंपूजयेन्नरः विस्फोटकभयंघोरंकुलेतस्यनजायते ४ शीतलेतनुजान्रोगान्नृणांहरसिदुस्तरान् विस्फोटकविशीर्णानांत्वमेकाऽमृतवर्षिणी गलगंडग्रहारोगायेचान्येदारुणान्नृणां त्वदनुध्यानमात्रेणशीतलेयांतिसंक्षयं ६ नमंत्रंनौषधंकिंचित्पापरोगस्यविद्यते त्वमेकाशीतलेधात्रिनान्यांपश्यामिदेवता ७ मृणालतंतुसदृशींनाभिहृन्मध्यसंस्थितां येत्वांविचिंतयेद्देवींतस्यमृत्युर्नजायते ८ श्रोतव्यंपठितव्यंवैनरैर्भक्तिसमन्वितैः उपसर्गविनाशार्थंपरंस्वस्त्ययनंमहत् ९ शीतलष्टकमेतद्धिनदेयंयस्यकस्यचित् किंतुतस्मैप्रदातव्यंभक्तिश्रद्धान्वित श्रयः ॥ १० ॥ इतिश्रीस्कंदपुराणेशीतलाष्टकंसमाप्तम् ॥ ! () ? - ।

## ॥ अथशीतलाकेऔरभेद ॥

॥ चौपई ॥ कफवायूकरशीतलाहोय ताहिकोद्रवाकहहैसोय कोद्रेकीसीआकृतजिसमे वायूकफयहमिलतातिसमे अंगअंगगर्मीसोवरै सबशरीरदरदसोपरै सातअथवावारहिदिनमाहि औषधविना

हीसुखउपजाहि लोकाचारतिहभोरीकहै गर्मीबहुवरकायमोरहै कायामोफुनसीप्रगटाय सर्वबालक-नइहहितभाय शीतलाकेइहहैसबभेद देसाचालजुवर्तनषदे ॥ इतिशीतलाधिकारःसमाप्तम् ॥

## ॥ रोगधरसल ॥

॥ चौपै ॥ धरसलरोगजाहुकोजांनो हसफनाममतफारसमांनो दाणेसोछोटेप्रघटावे ऊपरत्व चासीग्रवलपावे थोडीसीगरमीतनहोई आगेऔषधसुनिएसोई पुरातननिंवकाष्टमंगवावे रगडनीरसंगलेपचढावे गरमीदोषनेकविधहोई मलेखूपहटजावेसोई तप्तनीरसंगदेहधुलाय निर्वातस्थानराखे-सुखपाय ॥

## ॥ अन्यप्रकाररोगखसरा ॥

॥ चौपई ॥ खसरारोगाहिंदीमतहोई हसवःनामफारसीसोई ऊपरदेहछालकेजांनो छोटेलालरं-गपहचांनो लेसदारजलतामेहोई रोगहोतभयदायकसोई मुंगीचावलआदखुलावे ताकरदोषसीघ्रपक जावे रोगपकेतवऐसाकीजे छाछसंगसोईचावलदीजे रोगदूरजवहीहोजावे छेइमासतकपालकरावे मांसकणकघृतखावेनाही ऐसेंकहाग्रंथमतमाही जेकरपालकरेनहिकोई मरोडारुधिरसंगतवहोई चले पेटऔषधनहिजांनो मरेसीघ्रनिश्चाकरमांनो आदयतनऐसामनभावे रुधिरछुडायसीघ्रसुखपावे ॥ चौपै ॥ दाणारातसमैरखवावे गर्दभकोनितप्रातखुलावे रातसमैफुनिसवंतकीजै कुमारीकोनितप्रात-हिदीजै अथवाचणेभिगोयरखाय फूलपतासेनित्यदिवाय आदशीतलाजबप्रघटाय बूकामोतींताहि-खुलाय छेदिनऊपरजाहिविचारे धूणीमध्यचीजदौडारे धारवूरझाऊकाल्यावै मिठिधूणीसंगधुखावै ताछिनशीघ्रसोइसुकजाय सुगमयतनकरखेदहटाय जारांदिनतकगूत्रछुहावै इक्कीदिनतकपालरखावै इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांशितलाऽधिकारकथनंनामषटचत्वारिंशोऽधिकारः ॥ ४६ ॥

## ॥ अथकृमरोगनिदानलक्षणनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ दोइप्रकारकेकृमकहोंभाषोंग्रंथनिदान वाहरइकइकअंत्रहींइहविधिभेदपछान ॥ चौपै वाहरकृमहैंचारप्रकार तिंहकोविवरोकरोंउचार इकमलतेंइककफतेंजानो रुधहुतेंविष्टातेंमानो चर्कग्रं-थमोंवीसप्रकार नामभेदकरकीनउचार ॥

## ॥ अथमलजन्यकृमलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मलतेंकृमउपजतहैंजेऊ तिलप्रमाणातिलसदृशतेऊ तिलकेवरणश्यामअरुस्वेत होंहिदु रंगजानयहभेत केसोंकेआश्रयहोइजोय श्यामरंगतिंहहूंकोहोय वस्त्रनकेआश्रयहोइस्वेत पादनसहि-तलहोयहभेत एकोनामतिन्हनकोजान अतिसूक्ष्मसोलीषांमान कंडूपिडकाकरहैसोय गंडउदर्दंतास-तेंहोय यहदुर्गंधअरुषुरककरावैं तिंहकोयोंनिदानप्रगटावैं मधुरअमलद्रव्यभोजीजोय गुडसापिष्टभो-जीजोहोय अरुविरुद्धभोजीनरजेऊ व्यायामराहितादिनसोवैतेऊ तिसपुरुषाहिंयहकृमप्रगटावैं आगेंअ-वरप्रकारलषावैं ॥

## ॥ अथकफोत्पन्यकृमानिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसमाषगुडदाधितेंमानो अरुअतिक्ष्यारभक्षणतेंजानो इन्हतेंकफकरहोवतसोय कफो-त्पन्नयोंलषियतजोय आमाशयतेंउत्पतजानो निदानग्रंथमतकह्योसुमानो ॥

## ॥ अथरुधोत्पन्यकृमानिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ जोविरुद्धभोजननरकरै अवरअजरिणताउरधरै यातेंरुधोत्पन्नकहीजैं पुनविष्टातेंक ह्योंलहजैं ॥

## ॥ अथविष्टाजन्यकृमानिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ पीसेहूयेमाषजुषावै अमलअवरअतिगुडभुगतावै शाकअवरअतिलवणजुकोय षावैइन्हवस्तूंकोंजोय पक्वाशयतेंउत्पतिजिनकी ग्रंथनिदानकहीविधातिनकी ताकोंविष्टातेंकृमजान वाहरकृमकोकह्योनिदान ॥

## ॥ अथयूकादिकृमउपाय ॥

॥ चौपई ॥ पारारसधत्तूरमिलाय मर्दनकरैयूककृमजाय ॥ अन्यच ॥ पानपत्रकोरसलेमलै यूकाकृमतनहूंतेंटलै ॥ अन्यच ॥ भिडंगचूरणकांजीठान शिरपरमलैयूककृमहान ॥ अन्यच ॥ अतिपिष्टककोचूर्णकरै गौकेगूत्रमेलसोधरै शिरपरमलैयूककृमनाशै शिरकंडूकोतुरतविनाशै ॥ अन्यच कुनटीपीसकटुतैलमिलाय शिरपरमलैयूककृमजाय ॥ अन्यच ॥ विडंगगंधशिलासमलीजै गोमूत्र-कटुतैलरलीजै याकोंजोजनमर्दनकरै यूकालीषाकृमसभहरै ॥

## ॥ कृमनाशनधूप ॥

॥ चौपई ॥ अर्जुनतरुकेफूलमंगावै लांगुलीसित्थाअवरभिलावै विडंगउशीरविरोंजापावै कूटसभीकरधूपवनावै रालमिलावैधूपधुषाय धूपसंगसभहीकृमजाय यूकालीषामछरनाशै शय्याकोंदेच

डाविनाशै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लाषभिलावेअरुश्रीवास स्वेताविष्णुक्रांतजढतास अर्जुनकेफलफूलमिलाय विडंगरालगुग्गुलसमपाय गृहभीतरयहधूपधुपावै मछरगुत्तीकुणमिटजावै अरुमंगुणूंआदिक्रमनाशै वंगसेनायेंप्रगटप्रकाशैं ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सारोगक्रमवंगसेनकेभाय चतुरवैद्ययहसमुझकैंपा छेंकरैउपाय॥ चौपई ॥ जाकेउदरमध्यक्रमहोंहि ताकेलक्षणऐंसेजोहि हृदयरोगअंगपीडाहोय शूलविवर्णअमसंयुतसोय होयमंदज्वरताकोजान भोजनभातअरुचतिसमान अरुउपाजितहैतेंहअतिसार कफकरउपजैक्रमजुअपार ॥ अथकफोत्पन्नस्वरूपमाह ॥ कफकरआमस्थानमंझार होवतहैंकीनोनिरधार वृद्धहोंहिसोचारोउोर फिरैंउदरमोंलषयतघोर बधडीचर्मजैसीलषिजोय तद्वतरूपतिंहुनकोहोय केतेगंडोयोंइवलहिये नाममल्हप्पातिंन्हनकोकहिये केतेधानांकुरुकीन्यांई केतेअणुसगहोतलषाई केतेस्वेतरंगकेजानो केतेताम्रवर्णपहिछानो नामतिंन्हनकोसातप्रकार सोसातोयोंकरोंउचार आंत्रादिकइकनामबहीजै उद्रावेष्टकएकभनीजै एकहृद्यादिजुनामवषानै एकमहारुजनामपछानै चरमनामएकनकोमान दर्भकुस्मएकनकोंजान एकसुगंधीनामकहावै औसेंसातोनामलषावै घोरव्यथायहतनमोंधरै औसेरोगप्रगटयहकरैं हृदयरोगमुखजलभरआवे अन्नअपचहोवतयोंगावै मूर्छाअरुचिताहिपुनहोय छर्दअफाराहोवतजोय ज्वरअरुकृशतापीनसकास क्रमइन्हरोगहिंकरैंप्रकाश ॥

## ॥ अथषड्विधिरक्तजक्रमकथ्यते ॥

॥ चौपई ॥ जिसनाडीतैंरक्तनिकास रक्तक्रमकिहिोतहैवास सूक्ष्महोंहिंतंतुकोन्यांई ताम्रवर्णबिनपादलषाई नामतिंन्हनकेषटसोजान सोविवरिसोंकरोंवषान केशादिअवरजोलोमविधिकहिये सलोमद्वीपपुननामभनैये उदंवरअरुसहसौरसजानो षष्टममात्रजुनामपछानो जवहीयहक्रमषटपरकार रक्तवीचकरहैंसंचार तववहिकुष्टरोगउपजावैं रक्तजकेयहलक्षणगावैं ॥ अथपुरीषजलक्षणं ॥ पुरीषयलक्षणयहजुवतावैं पक्वहुयेसंगमलप्रगटावैं जवअतिवृद्धइन्हनकीहोय श्वासडिकारकरावैसोय विष्टामोंदुर्गंध करावत वृद्धहुयेइंहभांतलषावत विष्टाक्रमिस्थूलतापावै स्वेतनीलपीतसुलषावैं सोऊपांचनामकरकहै किकेरुकजुमकेरुकलहै सौरणखसलूनाखकहीजैं लेलिहपंचमनामभनीजै यहक्रमविष्टानमंकरावत शूलकवजकृशताउपजावत देहकठोरपीतरंगकरै मंदअग्निरोमांचतनधरैः अरुउपजावैंपुरकविकार यहक्रमजानोवीसप्रकार ॥ दोहा ॥ क्रमनिदानलक्षणसभीभाषेभलीप्रकार तासचिकित्साभाषहोंसुनलीजैचितधार ॥ इतिक्रमरोगनिदानलक्षणसमाप्तम् ॥

## ॥ अथक्रमरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्सारोगक्रमवंगसेनअनुसार समुझलीजियेचित्तमोंपुनकीजैउपचार ॥ चौपई ॥ क्रमिरोगकोकहोंउपाय तीक्षणवस्तुरेचनसुखदाय इन्हउपायतैंक्रमनहिरहैं वैद्यकग्रंथमतोयोंकहैं ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ वायविडंगकेचावलआन त्रिकुटावरचसुहांजणजान सौंचललवणपीससमधरै सिद्धतक्रयवागूपानसुकरै क्रमसमस्तकोहोइहैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथतंडुलमांड ॥ चौपई ॥ विडंगअवरत्रिकुटापीसाय तंडुलमांडमिलायसुपाय क्रमरुजकोहोवैतवनाश होइअरोगतनवलपरकाश अथक्राथ चौपई सुपारीपीसदधिमधुमोंपाय करैक्राथपीवैक्रमजाय अन्यच चौपई केसूपीसैरसकढवावै पत्रधतूरारससमपावै मुत्थरमूसेकरणीफलआन दालहलदीसुहांजनाठान सभमिलायकरक्राथवनावै मघावि

डेंगयुतप्रातापिलावै दोइमारगकेकृमसुनिवारै कृमउत्पन्नरोगसोटारै अथचूर्ण चौपई पिपलामूलमहीनपिसावै अजामूत्रसंगपीकृमजावै सकलकृमीज्योंहोवैनास बंगसैनमत.कीनप्रकास ॥ अथपिप्पल्यादिचूर्ण ॥

॥ चौपई ॥ पिपलींपिपलामूलमंगावै सैंधवकालाजीरापावै तजपत्रमरचसुंठीसितजीरा इकइकपलयहलहुमतिधीरा कुडवएकदाडिमपीसाय दोइपलअमलवेतर्तिहपाय सौंचललवणपंचपललीजै पीसमहीनकरचूर्णकीजै तत्ततोयवामदरासंग चूर्णयथावलषायअभंग अर्शभगंदरगुल्मविनाशै ग्रहणीकृमरुजकंडूनाशै अरुचमंदाग्निरोगयहजावै आमशोथहरयोंलषपावै यातेंवडोनचूरणजान वंगसेनयोंकह्योवषान ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ बीजपलासवृक्षरसकाढै मधुमिलायकरताकोंचाटै कृमरुजकोहोइहैतवनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ पलासबीजसूकेजोलहियें चूर्णतक्रसंगपीकृमदहियें ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ विडंगचूर्णमधुसाथामिलाय प्रातहिंचाटेकृमरुजजाय'

## ॥ अथत्रिफलाघृत ॥

॥ चौपै ॥ त्रिफलावरचत्रिवीपीसावै दंतीअवरकंबीलापावै घृतगोमूत्रमिलायपिलाय उदररोगकृमनाशकराय ॥ अथविडंगघृत ॥ विडंगएकप्रस्थलपलीन त्रिफलापावोप्रस्थजुतीन अजवायणअरुलेदशमूल यथालाभयहलेसमतूल एकद्रोणजलपायपकावै पादशेषप्रस्थघृतपावै पुनपकायमिसरीसींपाय अथवाषंडलवणसंगपाय तातेंकृमसभनासैंऐसें इंद्रवज्रतैंराक्षसजैसें ॥ अथरस ॥ चौपै ॥ मूसेकार्णीपत्ररसलेय चंवेलीपत्ररसतामोदेय तासमकांजीपायपिलाय तनतेंकृमकोरोगनसाय ॥ अन्यच ॥ वकायणपत्ररसमधुसमपाय प्रातहिंपियेंरोगकृमजाय ॥ अथगुटका ॥ चौपै ॥ पारसीअजवायणकोंआनगुडामिलायकरगुटकाठान वासीजलसींषावैप्रात रोगउदरकृमहोवैघात ॥ अथत्रिफलाघृत ॥

॥ चौपै ॥ भषडेअवरमघांयहदोय दोदोपलयहजानोसोय हरडआमलेवहेडेगिलोय इकइकपलयहताहिसमोय चवकवावचीत्रिकुटाजान शतपुष्पाचित्रालषमान अवरहुंवायविडंगपछानो अर्धअर्धपलयहतंहठानो दोपलतिलकोतैलमंगावै प्रस्थएकत्रिफलारसपावै पैंडप्रस्थइकपत्तकराय चूर्णमिलावैवटीवंधाय चातुरजातकतासमोपाय सुंदरवासनधरेवनाय वलअनुसारनिताप्रतिषावै कृमदुर्वलताशोथमिटावै गुल्मउदरव्रणपांडुविनाशै अर्शकामलाज्वरयहनाशै प्रमेहभगंदरहोवेनाश नेत्रश्रेष्ठकरपुष्टप्रकाश. अथवाहिंगपीसजलतास लेपकरैचनूनहोइनास

## ॥ अथकृमरोगेपथ्यापथ्यअधिकारानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कृमीरोगकेपथअपथभाषोंभलीप्रकार सभहीरोगउपायमोंयहिमुख्यअधिकार ॥ अथपथ्यं ॥ अडिल्यछंद ॥ शिरअरुउदरविरेचनसोउरमानहो कफनाशनसुतडागनकेजलपानहो धूम्रपानअरुचावलवांसोंकेलषो सठीआदीतंडुललालरंगकेभषो वैंतकूमलींसर्षपराईजानिये नवीनमोचरसचित्राभलेंपछानिये वाथूशाकपटोलजुमूषकमासरे कंडयारीफलनिंबपत्रलहुतासरे तिलतंबोलअरुहाल्योमदरापानसुन वायविडंगहरीडतुषनकोतोयपुन कांजीउष्टरदुग्धमूत्रसुनलीजिये तिलसरषपकोतैलमूत्रगोपीजिये तीक्षणकटुजुकषायकरेलेरसलहो जंभीरीरसक्ष्यारवस्तसभहीगहो अजमोदाअरुहिंगुभलेंपहिचानिये एतीवस्तूंकृमीरोगपथमानिये॥ दोहा॥ कृमीरोगकेपथकहैकरोंअपथ्यवषान करैचिकित्सासमझयहहोयरोगकोहान ॥ अथअपथ्यं ॥ अडिल्पछंद ॥ वेगजुविष्टामूत्रस्ववलकररोकनो विरुद्धअन्नअरु-

-पाणी।तिंहकौं भोजनो लप्सीसीरादुग्धमांसघृतदधिलहो अवरसकलरसमधुरसाकदलगुडगहो ॥ दोहा ॥ अजीरणऊपरव्याधिनरभोजनषावैजोय इत्यादिकजुअपथ्यसभक्रमीरोगलषसोय क्रमकोरोगवषान्यो-सहितनिदानउपाय अवरजुपथ्यापथ्यसभकहैलषोचितलाय ॥ इतिश्रीवंगसेनेक्रमिरोगासमाप्तम् ॥

## ॥ क्रूमिरोगकर्मउपाय ॥

॥ चौपई ॥ हाथीपूर्वअश्वपरिहारत क्रमीरोगतिहनरसंहारत जोइस्त्रीपतिमृतकेपाछे नीलवस्त्रप-हिरतअंगआछे ताकोअवइपक्रमिरोगपछारै ताहिउपानिश्चैउरधारै उपाय नीलवृषभअतिउद्यतमंगाह्याय-घंटागलपटऊपरछाय विधिसंजुगतदानसोकरै क्रमरोगनकोंदूषनटरै

## ॥ अथकमरोगज्योतिष ॥

दोहा जन्मकूंडलीअष्टघरचंदक्षीणवलजोइ सोनरहोवैक्षीणवलव्याधिग्रसततनसोइ तिहउपायज्योतिषकहैचंददानजपतास विधिविधानसोंसूर्य्यवलदेताक्रमहोइनास

## ॥ इतिज्योषम् ॥

## ॥ अथान्यप्रकारक्रूमिरोगवर्णनम् ॥

॥ चौचै ॥ क्रमीउदरकेवीचपछांनो किर्मशिकमफारसमतमांनो अधिकमृत्यकाखावेकोई पुरातनकणकखायक्रमिहोई आममांसवकरीकाखावे ताजादूधकिर्मउपजावे मल्हप्पकिर्मअतिलंवेहोई हयातनाममतफारससोई जठरवीचसोईपहचांनो कदूंदाणःआंदरमांनो क्रमीअधिकअतिछोटेहोई गुदावीचतुममांनोसोई कंवीलामासेसातमंगावे अर्धभागकयसूंममिलावे पलासवीजदोमासेलेवै छाछ-संगफक्कीनितसेवे कदूंदाणःकिर्महटावे करेयतननिश्चैसुखपावे धूसरीवूटीकारसल्यावे धृतमिलायदि-नतींनखुलावे वाविडंगदोतोलेल्याय त्रिवीसातमासेसंगपाय रेठासोसतमासेआंनो छुहारातोलेतीं-नपछांनो करइकत्रखावेनरकोई सायंकालसमेहितहोई प्रभातहोतनिश्चामलावे क्रमीउदरकेवाहि-रआवे मुरदासंगत्रैमासेल्यावे तैलतिलोंकासंगरलावे प्रतिदिनजोनरखावेकोई मल्हप्पदूरनिश्चैसुखहोई वकांइनकेत्रैअंगमंगावे छिलकापत्रऔरफलल्यावे साडेदसदसमासेल्यावे वासीजलकेसंगपिसावे करेपानानिश्चैसुखहोई सकलभेदक्रमिनासेसोई कटुखरवूजेकीजढल्यावे रगडनीरसंगगुदाचढावे छोटे-क्रमीदूरसभजांनो करेयतननिश्चैसुखमांनो ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांक्रमिरोगाऽधिकारकथनंनामसप्तचत्वारिंशोऽधिकारः ॥ ४७ ॥

## ॥ अथअतिसाररोगनिदानकारणनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ भोजनकेजुविकारतेंहोवतहैअतिसार सभप्रकारवरननकरोंग्रंथनिदानविचार ॥ चौपई ॥ भारीभोजनहूंतेंमानो अतिसनिग्धभोजनतेंजानो अरुअतिरौष्यहुतेंलषलहिये पुनअतिउष्णहुतेंसुभनैये अतीस्थूलभोजनतेंहोय अतिशीतलषायेतेंसोय अरुवहुभोजनषावैजोई अतीसारताकोंभीहोई अरुविरुद्धभोजनकरकहियें आपहिंजेऊसुखावतनहियें ऐसेभोजनजोकोऊषावै ताकोंअतीसारहोइआवै अन्ननपचैअजीरणहोय ताकोंअतीसारहोइसोय विषसोंमिल्योजुभोजनकरै अतीसारताकोभीवरै किसहूतेंजोभयप्रगटावै अतीसारतासोंभीथावै शोकहुतेंभीहोइअतिसार जानलहोयहभीपरकार जोकरहैवहुमदरापान ताकोंभीहोइलषोसुजान रितिकेफिरैंभीहोइअतिसार अरुकुमदोषहुतेंनिरधार जलक्रीडातेंभीतिसजानो वहुतरुदनतेंभीतिसमानो विष्टामूत्रवेगजवहोय ताकोंरोकरषैजोकोय इनकेरोकनतेंअतिसार होवतहैजानोमतिधार दोहा स्नेहस्वेदअरुवमनअरीतिरेचनवस्तिनिरूह इनकेअतिकरयोगतेंहोतअतिसारसमूह ॥ इतिअतिसारकारणं ॥

## ॥ अथअतीसारलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिंअग्निउदरकरैशांत वृद्धधातुमिलिवातलषांत काचीविष्टातलैउतारै ताकोंनरअतिसारउचारै यहअतिसारघोरमहाव्याध षट्प्रकारकीहैसुउपाध इकअतिसारवाततेंहोय दूसरपित्तहुतेंहोइसोय तीसरकफसोंउपज्योजान चतुर्थत्रिदोषजतेंपहिचान आमहुतेंपंचमपहिचानो पुत्रादिकशोकहुतेंषटमानो.

## ॥ अथभविष्यतअतीसारलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाभिउदरहृदगुदामंझार होतप्रथमपीडासंचार. अरुकुक्षनपीडाहोइआवै ऐसेलक्षणप्रथमजनावै अन्ननपचेअफारा।होय विष्टाभग्नकरैपुनसोय यहअतिसारआदिकेलक्षण जानलहोहेपुरुषविचक्षण,

## ॥ अथअतिसारपूर्वरूपचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पूर्वरूपअतिसारकेचिकित्साकहोंवनाय जैसेंभाषीग्रंथमोंसुनलीजैचितलाय ॥ चौपई- पूर्वरूपअतिसारमंझार लंघनकरनोहैहितकार लंघनलघुभोजनजोषावै सोभीहितकरहैलषपावै सुंठपायजलपक्कवनावै हितकारीलषताहिपिलावै मुंगीरसधनियांहितकारी जीरालवनतक्रदुखटारी खंडयूषतिसनामकहीजे अग्निमंदअतिसारहरीजै ॥ अथयूषवरननं ॥ चौपै ॥ बिलकथधनियाजीराजान पाठासुंठतिलकरोमिलान यहषटवस्तुकूटजलपाय तत्यूषकररुजहिपिवाय अतीसारप्रगटयोमिटजावै वंग. सेनयोंप्रगटलषावै ॥ अथयवागू ॥ चौपै ॥ अजमोदावालामंजीठ कमलपुष्पकेसरसुनईठ पीसयवा. गूमांहिपिलावै यहसभहिअतिसारकोंघावै जोअतिसारआमलषिजोय रोकनशीघ्रभलानाहिंसोय जोअकालरोकैअतिसार सोउपजावैवहुतविकार शोथपांडुरोगउपजावै लिफगुल्मज्वरअर्शउपावै अलसक. अवरअफाराकरै यहविकाररोकयोअनुसरै वालकवृद्धधातुजिसक्षीन वातलपितरवभाउजेंहचीन

इन्हकोअतीसारततकाल रोक्योवहुरुजकरैविहाल आमप्रवाहिजुरोक्योचाहै पाचनसौंरोकेसुखदाहै वंधनकारीवस्तुनसाथ नहिंरोकैसमझोयहगाथ जिसकोंशूलसहितअतिसार ताकोंभीक्रमकरनिरवार एकैवारवंदनहिकरै वैद्यचतुरऐसेंचितधरै ॥ इतिपूर्वरूपअतिसारचिकित्सा ॥

## ॥ अथनिदानअनुसारेवातजअतीसारलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ काचीविष्टावारंवार अल्पअल्पहोइहैसंचार थोहडीरक्तमिलतपुनहोय फेनलरूक्षजानपुनसोय कलुकरंगलालभीहोवत पीडाउदरकरतयोजोवत सब्दगुदातेंहोवतरहैं जाकोंलोकवाउकेकहैं ॥ इतिलक्षणम् ॥

## ॥ अथवातजअतीसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातजअतीसारप्रगटैजव लंघनवहुतकरावैतिंहतव काहैरोगजिसंवधजांहि लंघनताकों शांतिकरांहि लंघनमलहिंपचावतअहैं वैद्यग्रंथसभहीयोंकहैं ॥

## ॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ लाजामंडपरमहितजान यवागूवस्वछन्योहितमान अरुवहुगल्योभातलषलीजै तंडुलकणीगालपथदीजै सभअतिसारग्रहणीमंझार अधिकलवणसोकरैविकार काहेलवणसोद्रावकलहिये दोषजहैअरुतीक्षणकहिये वृंताककसौंडीअरुकचनार वातजअतीसारहितकार,

## ॥ अथकाथः ॥

॥ चौपई ॥ पंचमूलकोकाथसुधारै कपित्थाविल्वपीसतिंहडारै चांगेरीअरुदाडिमपीस तामोडारोविश्वेवीस पुनताहीमोंतक्रमिलाय वातजरोगीकोंजुपिवाय अतीसारताकोहोइनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पंचमूलवलाविलकत्थ सुंठीउत्पलधनियांतत्थ इन्हकोकाथवनायजुकरै सोवातजअतिसारकोंहरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कटतृणमथांसुंठपहिचानो वलाजुधनियांहरडेंठानो करैकाथपीवैनरजोय आमवातअतिसाराहिंषोय ॥ अथचूर्णम् ॥ ॥ चौपई ॥ वरचमुत्थरांअवरपवीस कोगडवीजसमकरलेपीस यहचूरणरोगीहिंजुफकाय वातजअतीसारमिटजाय ॥ दोहा ॥ चिकित्सावातअतिसारकीभाषीसाहितानिदान समुझचिकित्साजोकरैहोयनरोगीहान ॥ इतिवातजअतीसारचिकित्सा

## ॥ अथपित्तजअतीसारलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ विष्टापीतजासकीहोय कलुकहरितलालरंगसोय कृष्णनीलवीरंगपछाने अरदुर्गंधतासमोमाने मूर्छापाकत्रिषदाहअपार कहेजुलक्षणपितअतिसार

## ॥ अथपित्तजअतिसारचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पितजअतीसारमंझार यामोंभीलंघनहितकार लंघनअंतकाथयहदेवै सोभाषोंचितदेसुनलेवै ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ प्रथमयवागूकोंकरलेय चंदनमुथ्रकाथमिलेय सहितयवागूकाथपिलाय पित्तजअतीसारभगजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठहीवेरअवरपटोल यहतीनोलेवैसमतोल इन्हकोकाथयवागूसंग देवैहोवैपैतिजभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जिसकोंत्रिषा

दाहअतिसार तिसकोंधनीयांवालाडार अथवापाठाभीतिंहपावै करैकाथव्याधहिपीवावै अतीसार-पित्तहोइनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठइंद्रयवमुथरांआन वालाअरुपतीससमठान इहकाथहिंपित्तजअतिसार नाशैसंयुतआमविकार ॥ अथपंचधान्यकाथ ॥

॥ चौपई ॥ धनियांविलकथसुंठमंगावो वालामुथ्रसमपीसावो पंचधान्ययहकाथापिलावै पैतिज-अतिसारमिटजावै अथचूर्ण कोगडत्वचआद्रकजुपतीस धावैफूलसमलेकरपीस तंडुलजलसोंपानक-रावै पैतिकअतीसारभगजावै अन्यच चौपई महूकायफलअरुनसपाल अरुलोधरसमलेकरडाल-सूक्ष्मपीसमषीरामिलावै तंडुलजलसोंप्रातहिंषावै पैतिकअतीसारहोइनाश रोगमिटैंतनदुतिपरकाश-अन्यच चौपई मंजीठविलकथदाडिमवीज सौंचलविडदोइलवणलहीज अरुपावैधावेकेफूल चूर-णपीसैकरसमतूल मधुमिलायतंडुलजलसंग पितअतीसारशूलहोइभंग अन्यच चौपई कोगडफ-लअरुकोगडछाल अरुपतीसपीससमडाल मधुमिलायतंडुलजलपान पैतिकअतीसारकीहान अथ-काथःचौपई सुंठकायफलमुत्थूपतीस अरुकोगडयहसमकरपीस करैकाथमधुपायपिलाय पैतिकअ-तीसारमिटजाय अन्यच चौपई कोगडवीजलेपलपरिमान यहीकाथकरकीजैपान मिटैघोरपैतिक अतिसार वंगसेनयोंकीनउचार अन्यच चौपई केवलधनियाकाथपिलावै पैतिकअतीसारमिटजावै अन्यच चौपई पलइककोगडवीजपिसावै किरायतामोचरसताहिमिलावै काथकरैरोगीकोदेय पैति कअतीसारहरलेय अन्यच चौपई जवांहावालाविल्वमंगावै रक्तचंदनसमकाथवनावै रोगीकोंपरिभा-तपिलाय पैतिकअतीसारमिटजाय अन्यच चौपई वालाचंदनमुत्थरआन जवांहाअवरकिरायताठान करैकाथपरभातपिलाय पैतिकअतीसारकोंघाय अन्यच चौपई चंदननागरलोध्रउसीर नीलोत्पलडा-रोसमवीर काथपिवावैपैतिकहरे अपनेमनमोंनिश्चयकरे अन्यच चौपई पाठामुत्थरमघांमिलाय कोग डवीजदोइहलदीपाय यहीकाथपैतिकअतिसार दूरकरेमनधरोविचार अन्यच चौपई कोगडअरुता-त्वचाअनाय आद्रकमुत्थरवरचमिलाय इहषटयोगहिंरुजअतिसार व्याधहरैयहकाथप्रकार दोहा अति सारचिकित्सापितकीकहीग्रंथ अनुसार कहोंचिकित्सासमुझकेंरक्तपित्तअतिसार इतिपित्तअतिसार-चिकित्सा ॥

## ॥ अथरक्तअतिसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोपैतिकअतिसारमंझार कूरवस्तुकछुकरैअहार तिसकोहोयरक्तअतिसार रक्तपि त्तहरकरउपचार सोउपायअवकहोंसुनाय समुझोअपनेमनचितलाय ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंवकरीदुग्धमंगावै तातेंडेउडाजलतिंहपावै अग्निउटायवस्तुयहआन उत्पलवालानागरठान पुनजुपृष्टपरणीतिंहघाल सभसमवस्तुपीसकरडाल दुग्धतोयमोंपीसपचावै जलैतोयजवदूधरहावै ऐसो काथापिलावैजवही मिटैरक्तअतिसारसुतवही ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कोगडमुत्थरविल्वपतीस नागरधनियांपावैपीस दाडिमपाठाधावैफूल सभयहऔषदलेसमतूल काथकरैमधुपायपिलावै रक्तज अतीसारमिटजावै दाहशूलआमरुजनाशै रोगमिटैआरोग्यताभासै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कोगडाविल्वकासनीपतीस मुत्थरयहसमलीजैपीस काथकरैप्रातहिंसुपिवावै शूलरक्तअतिसारमिटावै ॥ लघुह्रीवेरकाथ ॥ चौपई ॥ ह्रीवेरमुत्थरअवरपतीस धनियांसुंठिविल्वसमपीस करैकाथदेवैहितमान-

अतीसाररक्तपित्तहान ॥ अथवृहदह्रीवेरकाथः ॥ चौपई ॥ ह्रीवेरमुत्थरजुपतीस विलकथधनियांकोगड- पीस धावैलोध्रमंजठिमगाय नागरसमसभकाथवनाय दीपनपाचनयाकोंजान आमअरुचशूलोद रहान ज्वरअरुरक्तपित्तअतिसार एतेरोगहरैमनधार ॥ अथचूरण ॥ चौपई ॥ दाडिमकोगड त्वचाअनाय मधुमिलायचूरणयहषाय रक्तजअतीसारहोइनाश वंगसेनमतकीनप्रकास ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ विल्वमोचरससमपीसावै अजादुग्धसोंसिद्धकरावै मिसरीपायसुचूर्णषाय कलिंग संगपुनलेहुमिलाय रक्तविकारजायअतिसार वंगसेनयोंकीनउचार ॥ अथगुटका ॥ चौपई ॥ केवलविलकथपीसमंगावै संगपुरातनगुडसुमिलावै गुटिकातासवनायषवाय रक्तजअतीसारमिटजाय आमशूलकुक्षरोगनसावै रोगमिटैप्राणीसुखपावै ॥

## ॥ अथनिरवाहीकीचिकित्सा ॥

॥ अथरस ॥ चौपई ॥ वेरपत्रकपित्थरसआन लोध्रपीसमधुकरोमिलान दधिमिलायपुनप्रा ताहिंपीवैं नाशेंदुखनिरवाहीथीवैं ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ मघांपीपलींचूरणकीजै अथवाका लेमरचलहीजै अजादुग्धसोंपीवैसोय निरवाहीदुखतनतैंषोय तीनदिनालगपीवतरहै निरवाहिकअ- तिसारहिंदहै ॥ अन्यचरकचूर्ण ॥ चौपई ॥ कोगडफलअरुकोगडछाल पतीसमोचरसआद्र- कडाल मधुमिलायतंडुलजलसंग पीवैप्रातहिंधारउमंग रक्तघोरअतिसारमिटाय वैद्यकग्रंथनकह्योसु- नाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वदरीमूलछालकरचूर कूटश्यामतिलसमतिंहपूर मधुमिलायदुग्धसों पीवै रक्तजअतीसारहतथीवै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ उत्पलअवरकमलकेकेसर अवरमुलठी- कालेतिलधर मधूअवरशर्कराआन सभसमलेकरपीसोछान षावैरक्तप्रवाहिमिटावै शूलउदरतैंभाग्या जावै ॥ अन्यच ॥ चौपई केवलपीसशतावरिआन अजादुग्धसोंकीजैपान रक्तजअतीसारभग- जावै होइआरोग्यजीवसुखपावै अथवाघृतासिद्धताकेसंग पीवैरक्तजपित्तजभंग ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ उत्पललोध्रमुलठमंगाय मधुमिसरीसोंपीसामिलाय अजादुग्धसंगपीवैतास अती- साररक्तहोइनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कृष्णतिलोंकाचूरणकरै मिसरीपांचभागतिहधरै अजादु- ग्धसोंकरहैपान रक्तजअतीसारकीहान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ शलकीवदरीजामणछाल अंब अवरअर्जुनलेघाल इन्हीसभनकीत्वचामंगावै पीसेमधुमिसरीजुमिलावै करेदुग्धसोंप्रातहिपान नाशरक्तअतिसारपछान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गिलोयसारवालोध्रपिसावै मुलठीमधुमिसरीजुर लावै काचेपयसोपीवैसोय रक्तजअतीसारकोंषोय ॥ अन्यज ॥ चौपै ॥ सुंठरसांजनधावैफूल- कोगडत्वचावजिसमतूल अरुतिंहपाविकूप्पतीस चूरणकरैलेयसमपीस तंडुलजलसंगपीवैतास शूल रक्तअतिसाराविनाश ॥ अन्यच ॥ मरचजवायणमुत्थआन शीतलजलसोंकिजेपान महिषीदुग्ध- भातदेपथ्य अवरहुंकरैनकछूअपथ्य नाशेरक्तजकोअतिसार वंगसेनमतकीनउचार ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ चंदनमधुमिसरीपीसाय तंडुलजलसंगप्रातपिवाय नाशैतुरतरक्तअतिसार दाहत्रि षाजुप्रमेहविडार ॥ अथरस ॥ चौपई ॥ आंवआमलेजामणपत्र कूटलेहुरसकरोइकत्र मधुअ- रुवकरीदुग्धमिलाय व्याधीकोंपरभातपिलाय दूरहोयरक्तजअतिसार वंगसेनमोंकीनउचार ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ मुत्थरअवरइंद्रयवआन करेकाथमधुकरैमिलान शीतलकरकेपावैसोई

रक्तजअतिसारहतहोई ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कोगडबीजजुजेतेलेय अष्टगुणातामोजलदेय-काथकरैपुनरसजुअनार तामोंपायपुनकाथसुधार अर्धकर्षतातेंपुनलीजै तक्रसाथरोगीकोंदीजै जोअ-वश्यकरमरणोजास तोभिनमैरलषोगुणतास ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंकोगडकाथवनावै-रसअनारताकेसमपावै करवावैपरभातहिंपान रक्तजअतीसारकीहान ॥ अथअविलेह ॥ चौपै ॥ वालाविलकथअरुकचनार पीसमिलायमाषनजुनिहार चाटैशूलरक्तअतिसार अरुसंग्रहणीमिटैविकार ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ केवलगजकेसरपीसावै माषनमिसरीताहिमिलावै नितप्रतिचाटैरोगी-सोय रक्तजअतीसारकोंषोय इति ॥

## ॥ अथजिसकीगुदावहुतरक्तपित्तअतीसारकरपकजावैतिसकाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ रक्तपित्तवहुकरैउठान गुदापकैजिसकीयोंजान पटोलमुलठकाथकरधरै गुदाता-ससोंसिंचनकरै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ वकरीदुग्धमषीरमिलोय गुदातासकीतासोंधोय मधु-शर्करबकरीदुग्धमिलाय अचवावैगुदपक्कमिटाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मूषिकमांसउवालनकरै गुदाऊपरहिंवांधसुधरै पाकीगुदाशुद्धहोइजाय वंगसेनमतकह्योउपाय

## ॥ अरुजिसकीगुदावाहिरनिकसेतिसकाउपाय॥

॥ चौपई ॥ जासगुदावाहिरनिकसावै गोघरवीतिसपरमलवावै अवरचागेरीघृतहैजोय मर्दैगुदाभी तरहिंसोय अथवासीर्पाकोलेमास तैलजुलवणमिलावैतास ताकोंगुदाऊपरहीवाधें भीतरहोइउपायय-हसांधें ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सासमुझकैरक्तपित्तअतिसार आगेंकफअतिसारकीचिकित्साकरौंउचार ॥ इतिरक्तपित्तअतिसाराचिकित्सा ॥

## ॥ अथकफअतीसारलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कफअतिसारकेकहैंजोलक्षण निदानअनुसारलहोसुविचक्षण गौरवतातनरहेनितयास अवरअरुचिताहोयहल्लास विष्टश्वेतसघनपुनहोय कफअरुरक्तसहितलषसोय शीतलविष्टातनरोमांच कफअतिसाराचिन्हलपसांच ॥ इति. ॥ ॥ ॥ )( ॥ ॥ () ॥ ॥ ॥

## ॥ अथकफजअतीसारचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथप्रथमउपाय ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंतिसेकरावैलंघन पुनकरवावैभक्षणपाचन पुनऔषदकरकरै-उपाय चूर्णकाथअविलेहिगुटाय ॥ अथकाथः ॥ चौपै ॥ त्रिकुटाविलकथचित्राआन दाडिमहिंगु-पाठासमठान कटतृणलीजैतासमिलाय विधिवतकाथकरेजुवनाय करैकाथविधिसोंपीवावै अतीसा रकफकोभगजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ भषडेसालपर्णीकंड्यारी समलेकाथकरैजुसुधारी आमस हितकफकोअतिसार मिटैउदरतैं:महाविकार दीपनपाचनयाकोंजान अपनेमनयहनिश्चैठान अथचूर्णम् चौपई हरडहिंगुअरुवरचपतीस सौंचलसेंधासमलेपीस तप्तोदकसोंपीवैजोय अतीसारकफआमहिषोय-॥ अन्यच ॥ चवककुठअवरजुपतीस विल्वसुंठहरडेंसमपीस कोगडफलकोगडत्वचआन काथकरै-वाचूरणपान छर्दसहितकफकोअतिसार नाशहोयअैसेंचितधार ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ चित्रावालामुथ रपतीस बिल्वकथनागरहरडेंपीस कोगडफलअरुत्वचापछान यहचूर्णसमलीजैमान तप्तोदकसोंरोगी-

पीवै कफकोअतीसारहतथीवै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ हरडवर्चकटुमुथरमूल चित्रापाठासुंठसमतूल अ-वरजुकोगडतासमिलाय काथकेरवाचूर्णवनाय काथपीवेवाचूरणपावै कफकोअतीसारभगजावै अन्यच ॥ चौपै ॥ त्रिकुटापाठावरचामिलाय कुठकौडसमचूर्णवनाय तप्तोदकसोंपीवैजोय कफकोअतीसारहत होय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ त्रिकुटासौचलहरडपतीस वरचाहिंगुसमचूर्णपीस उष्णतोयसोकरहैपान कफकेअतीसारकीहान ॥ अन्यच चौपै ॥ पाठाकुठवरचमुथराचित्रा कौडलेहुसमचूरणमित्रा तप्तनीरसों-पीवैतास होवैअतीसारकफनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ चित्रापिपलापिपलामूल गजपीपलविडं-गसमतूल वर्चगिलोधनियांसमपाय कायफलपावैचूर्णवनाय तप्तनीरसोंकीजैपान कफकेअतीसारकीहान ॥ अथनागरादिचूर्ण ॥ चौपै ॥ नागरकुठजवायणाचित्रा पाठावर्चकौडसुनमित्रा धावेहरडाभिलावेगुटी सौंचलहिंगुफलकोगडगुटी विडअरुसेंधालवणकचूर अरुयवक्षारजुपुष्करमूर अरुडारेतिन्हमाहिपतीस यहसमचूरणकीजैपीस गोमूत्रसोंअक्षप्रमान गुटकाकरेतप्तजलपान गुटकेछांहिधरायसुकवै गुटकाए-कनिताप्रतिषाबै कफकोअतीसारमिटजाय पांडुरोगक्रमशोथमिटाय लिफगुल्मसंग्रहणीनासै दीपन-हैपुनअर्शविनासै ॥ दोहा ॥ कहीकफजअतिसारकीसुष्टचिकित्साजोय याअनुसारहिंजोकरैदुःखअती-सारनहोय इतिकफजअतीसारचिकित्सा

## ॥ अथत्रिदोषजलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ निद्रामोहात्रिषाप्रगटावै मुखसूकैअतिमालिनदिषावै विष्टाहोवतनेकप्रकार जाहित्रिदोष-जचिन्हानिहार विष्टाचरवशिूरसमान रंगमांसजलवातिसजान असत्रिदोषजहोइअतिसार कष्टसाध्य-कीनोनिरधार अैसेलक्षणजामोपैये कष्टसाध्यताहूकोकहिये जोवालवृद्धकोंहोइअसलक्षण जानोसो उअसाध्यविचक्षण

## ॥ अथत्रिदोषजचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ नागरशालिपराणिपाहिचान पाठापृष्टपर्णिमनआन धनियांवालादोइकंडयारी-गोषरुविल्वचित्राहितकारी यहचूरणजोभाषसुनायो सभअतिसारहिअष्टकहायो ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ अषरोटमूलकीत्वचाउपार ताकोचूरणकरोसुधार तक्रसाथपीवैजोकोय अतीसारनाशतिसहोय ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपै ॥ पाठापत्रपीसलेछान महिषितक्रसोंदेहुविहान तनतेंअतीसारमिटजाय वैद्यकमतयोंकह्योसु-नाय ॥ अन्यच ॥ चौवै ॥ आनवहेडेदग्धकरावै लवणमिलायसोचूरणषावै अतीसारसोनाशैकैसें-चक्रपाणिसोंराक्षसजैसें ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ वटप्ररोहकीजटामंगावै तिहकोंकूटैछांहिसुकावै तंडुलजलसोंपीवैतास होवैअतीसारदुखनाश ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ नागरपद्मकेसरपुनधावै विलक-थलोध्रजुसंगमिलावै चूरणघृतगुडलवणमिलाय देवेअतीसारमिटजाय ॥ अन्यच ॥ चौपै - जंवूत्वचामोचरसनागर पाठाधनियांसमइकत्रकर घृतगुडलवणमिलायषुलावै अतीसारतनतेंभगजावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ जामणअंवत्वचासमतूल मंजीठविल्वसमधावैफूल यहभीचूरणघृतगुडपाय लवणमिलायप्रातहीषाय अतीसारकोंनाशकरावै चर्कऋषीयोंभाषसुनावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ कपि-त्थसंठमरचांयहतीन घृतगुडलवणमिलायप्रवीन अवरजुपावेवायविडंग गुटकाधरेवनायसुचंग प्रातस-मययहरोगीषावै अतीसारदूरहोइजावै चारयोगअतिसारकेकीजे अनुपानातिनकेसुनलीजै रसचौलेरी-

तक्रजुमान अंबरबेरकांजीपुनजान षावैयूषजुइनकेसाथ भिन्नभिन्नसुनलेयहगाथ ॥ अथक्काथप्राकार ॥ ॥ चौपै ॥ अग्निमंथपरिसारणिपत्र क्काथकरैकरदोऊएकत्र मध्ययवागुक्काथमिलाय व्याधीकोंपरभातरपिलाय रोगीकोंयहहर्षउपावै अतीसारकोदुखमिटावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ अजमोदावालामंजीठ केसरपद्मसुनोयहईठ करैक्काथयवागूमोंपाय प्रातहिरोगीकोंपीवाय अतीसारसर्वहोइनाश सुखउपजै• तनदुःखविनाश ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ सुंठाविल्वधावेकेफूल मुत्थरलोध्रलेसमतूल यवागूपाययक्काथय हपेय अतीसारसभनासकरेय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ जोकफअधिकलषेजिहपरै महतपंचमूलवरचसमधरै करैक्काथपरिभातापिलाय अतीसारदुखभाग्योजाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ मुथनागरह्रीवेरपतीस मंजीठविल्वधावेलेपीस कोगडत्वचाकोगडफलपावै सभअतिसारयहक्काथनसावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ कोगडफलअरुत्वचामंगाय मुत्थरसमधरक्काथवनाय मधुसरकरापायपीवावै अतीसारदुखभाग्योजावै

## अथअतीसारीकोंजलपानाविधि ॥

॥ चौपई ॥ सुंठमोचरसमुथरवाला विल्वसारवाकोगडडाला इन्हकरजलपकायपीवावै अतीसरस भकोंयहघावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विलकथवालापांचोमूल मुथूगिलोयसुंठसमतूल पाठापतीसकि रायताठान कोगडत्वचअरुताफलआन ह्रीवेरपुनतासामिलावै इन्हकरपक्कजुनीरपिलावै अतीसारसर्वहो इनाश छर्दशूलज्वरश्वासिजुकास अथ गुटका ॥ चौपई ॥ अभयानागरमुथूमंगावै गुडसंगगुटिकापी सवनावै जोरोगीयहगुटकाषाय त्रिदोषजअतीसारमिटजाय कृमविसूचिकाअरुचनसावत हरैअफा राग्रंथवतावत ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठमोचरसधावेफूल पाठाविलकथमुथूसमतूल चूरणकरगुडसा थमिलाय गुटकाकरोसतक्रपिलाय दुरस्ययअतीसारहोइनाश होइआरोग्यतनदुतिवलभास अन्यच कोगडादिगुटका ॥ चौपई ॥ कोगडअवरमंगायगिलोय कूटपीसयहपलदोदोय प्रस्थपायजलक्का थकरावै पादचतुर्थरह्योलषपावै तवपलआठइंद्रयवआनै करमहीनताहूमोंठानै मंदअग्निदेताहिपकावै सघनलषैगुटकेवंधवावै षावैनितनिजवलअनुसार सभअतिसारकोमिटैंविकार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अषरोटमूलकीत्वचाअनीजै दालहलदपाठासंगदीजै यहतीनोपलपलपरिमान पीसतोयतंडुलतिंहठान गुटकाअक्षप्रमाणवंधावै छाहिसुकातंडुलजलषावै त्रिदोषजअतीसारमिटजाय अरुद्वंदजअतिसारनसाय अथअंकोटादिवटका चौपई अंकोटदालहलदकोगडजो इन्हकीमूलत्वचालीजैसो सिंवलगूंदत्वचा लेतास अनारत्वचालेकरीप्रकाश लोध्रपाठाधावेकेफूल सभयहलेपीसोसमतूल मधुमिलायकरवटकाकरै अक्षप्रमाणकरैलेधरै प्रातसमयतंडुलजलसंग पीवैअतीसारसभभंग अथपुटपाकप्रकारः॥ चौपई ॥ जोअ तिसारीअैसोकहिये जाकेउदरपीडनहींलहिये अरुतिसअग्निर्दीप्तदरशावै नानावरणअतिसारलषावै- अरुचिरकालहुंतैंअतिसर तिंहपुटपाककरैउपचार अथकोगडपाकः ॥ चौपई ॥ कोगडत्वचासनि ग्धमंगावै ताहिकोलेकरतुरतपिसावै तंडुलजलसंगमर्देसोय जंवुपत्रपुटमोंधरवोय सोपुटकुशासाथवंधवावै तापरचीकडघणालगावै भस्मअग्निमोंदेयदवाय पक्कलषैतातेंनिकसाय शीतलहोयपीसमधुसंगषावैअतीसारसभभंग ॥ अथसुंठपुटपाकः ॥ चौपई ॥ हाछीसत्वासुंठमंगावै पीसछानघृतअल्परलावै गूंधकणकआटेपुटधरै ताऊपरगोवरलेपनकरै अग्निभस्ममोंसोऊपकावै शीतलकरसमामिसरीषावै षावैअतीसारसभजाय सर्वउपद्रवसहितामिटाय ॥ अथअविलेहप्रकार ॥ कोगडअविलेह ॥

॥ चौपई ॥ हाछीकोगडछालअनावै कूटपायजलकाथवनावै काथघणाजवहूआजान पतसि-पीसतिंहकरोमिलान मधुमिलायकरचाटैसोय अतीसारनाशसभहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कोगडमूलत्वचशतपलआनै कूटद्रोणइकजलमोंठानै अग्निचढायउवालेसोय पादशेषरहिलीजैवोय-पुनकपडेसोंताहिछनावै पुनमंदाग्निसमखोआवनावै पुनयहऔषदपीसमिलावै तिन्हकेनामयोंभाषसु-नावै सेंधाविडसौंचलयवक्षार मघांइंद्रयवधावेडार जीरायहसममधुजुमिलाय चाटैतागुणकह्योंसुनाय पक्कअपक्कनानाअातिसार वातजपैतिजकफजानिवार शूलनिवाहीग्रहणीमान सभदुरजयअतिसाराहिंहान वेर प्रमाणचाटपरभात महिषदहीभतपथरुजघात ॥ अन्यच ॥ चौंपई ॥ कोगडत्वचाजुसतपलआनै द्रोणपा यजलकाथसुठानै पादशेषरहैवस्त्रछनाय पुनधरअग्निघणाकरवाय पुनपलपलऔषदयहआन पीसछानातिंह-करोमिलान त्रिफलात्रिकुटाकोगडवीज वायविंडंगभिलावेलीज पाठाविल्वमोचरसचित्रा वालामं-जिष्ठालेमित्रा अवररसांजनतामोपाय वरचपीसकरताहिरलाय अरुसंगमेलोताहिपतीस सुंदरागुडपा-वोपलतीस कुडवप्रमाणमषीरमिलावो कुडवप्रमाणतामोघृतपावो यहअविलेहअमृतसमजान चाटै-नितप्रतिसांझविहान त्रिदोषजअरुसभहीअतिसार रक्तपित्तसंग्रहणीटार पांडुरोगकृशतातनजावै शों-थकामलारोगमिटावै औषदपायतक्रघृतपीजै दहीयवागूवापीलीजै वापीवेजलदुग्धकेसाथ तिसअनु-पानयहीसुनगाथ ॥ अथघृतप्रकार ॥ षडांगघृत ॥ चौपै ॥ कोगडवीजमघांपुनजानो आद्रकला षकौडपुनमानो दालहलदकीत्वचामंगाय यहषटवस्तुपीसघृतपाय मंदअग्निदेघीउपकावै छाणधरेरोगी हिंपिवावै अतीसारत्रिदोषजजाय वैद्यकमतयोंकह्योसुनाय ॥ अथकोगडादिघृत ॥ चौपई ॥ कोगडत्वचाअवरफलआन लोध्रमघांसुंठीपुनठान दालहलदकौडपुनलेय इन्हसोंघृतकोंसिद्धकरेय षावैसर्वजांहिअतिसार वंगसेनयोंकीनउचार अथसप्तांगघृत चौपई दालहलदलाक्षाअरुनागर इंद्रय वअरुकोगडत्वचधर कौडमघांपुनताहिमिलावो इन्हसंगासिद्धजुघृतकरवावो मांडरलायपियेजनजोय-सभहीअतीसाररुजषोय अथमहाविल्वतैल चौपई तुलाप्रमाणाविल्वकूटावै जलजुचतुर्गुणकाधकरावै पादशेषरहितवउतराय तासमदुग्धतासमोंपाय तिसीप्रमाणतैलतंहपावै पुनऔषधपायमंदाग्नितपावै सुंठकुठग्हसनसुरदार मुत्थरवरचमोचरसडार इटसिटविल्वधावेकेफूल लोधरपीसपावैसमतूल योंप कायतैलसोपावै अतीसारसभग्रहणीजावै अर्शरोगकोंदूराविडार अत्रयऋषियहकनिउचार ॥ दोहा ॥ त्रिदोपजहींअतीसारकीकरीचिकित्सागान अवद्वंदजअतिसारकीसुनहोकरोंवषान इतित्रिदोषजअतीसार चिकित्सासमाप्तम्

## ॥ अथवातापित्तजअतीसारलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कटुकादिकरसभोजनकरैं वातपित्तकोपदोउधरैं विष्टाकाथकेरंगसमान पक्वअवर-सहलदसमान अथवाकालारंगदिपावै असविष्टासशब्दप्रगटावै पुनातिसमूत्रइहीरंगधरै द्वंदजअती सारलषपरै शूलशोषदाहपाकप्रगटावै वातपित्तअतिसारकहावै ॥

## ॥ अथवातापित्तजअतीसाराचिकित्सा ॥

॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ काथकरैलघुपंचजुमूल पिपलींअरुधनियांसमतूल यहीकाथरोगीजव-पीवै वातपित्तदुखहरसुखथीवै ॥ अथचूरणप्रकार ॥ कायफलअवरमुलठीडाल लोधरपुनजानोनिस-

पाल कूटैपीसेकपढेछान तंडुलजलसंगकरहैपान वातपित्तअतिसारमिटावै रोगनाशरोगीसुखपावै ॥ अन्यच ॥ कलिंगदालहलदजुपतीस मुत्थरवरचलेयसमपीस तंडुलजलसोंचूरणषाय वातपित्तअतिसारमिटाय ॥ अथअन्यउपाय ॥ चौपई ॥ निकस्योधारोंतेंजोक्षीर तुरतउष्णासोपीवैधीर सोहरहैद्वंदजअतिसार वातपित्ततेंजेऊविकार ॥ इतिवातापित्तअतीसाराचिकित्सा ॥

## ॥ अथकफपित्तजअतीसारलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ कफपैतिकअतिसारकेलक्षणऐसेंजान वैद्यकग्रंथनिदानमोंतैसेंकरोंवषान ॥ चौपई ॥ वहुकटुअमललवणयुतभोजन वहुसनिग्धषावैअतिधरमन तातैंअग्नीस्थानमंझार कोपकरैकफपित्तविकार सनिग्धघणीविष्टासोकरै मंदवेगमंदपीडाधरै शालमलीरसवतरंगदिषावै वाकमलपत्ररंगदरशावै शंखचूरणवतवादरशात रक्तविंदुवायुक्तलषात क्षुधात्रिषातिसअल्पलषैयत ऐसेलक्षणताकेकहियत

## ॥ अथकफपित्तअतीसारचिकित्सानिरूपणं ॥

अथक्काथ दोहा शालिपरणीपृथकपरणीवालाविल्वकजान दडूनीरसपाक्काथदेकफपैतिककीहान अन्यच दोहा मुलठीकोगडपृथकपरणीमुथरहलदीपीस मधुमिलायकरक्काथदेकफपित्तजहोइषीस अन्यच- चौपई मुथमूर्वाकोगडवर्चपतीस करैकाथसमऔषदपीस वंशलोचनमधुपीवेघाल कफपैतिजअतिसारहिंटाल अन्यच चौपई विल्वआंवगुठलीमंजीठ कोगडफलअरुत्वचलेईंठ पायमोचरसपुनलहुलोधर अरुसमलेहुकमलकेकेसर अवरजुपावेधावेफूल पलासवीजलेसमकरतूल क्काथपियेवा- चूरणषाय रक्तसहितकफपैतिकजाय अन्यच चौपई पाठाकोगडवीजमंगावै चित्रानागरसंगमिलावै- काथकरैपीवैहितलाय चूरणतत्तजलहिंवाषाय कफपैतिकअतिसारमिटावै शूलविकारसाथभगजावै- अन्यच चौपई लोधरपाठाचित्राचंदन दालहलदउत्पलदुखकंदन मुलठीलेसणाकुकडेछाल पीवे- क्काथतामोमधुडाल कफपैतिकअतिसारनसावै याहिचिकित्साइहविधिगावै अथलोध्रपुटपाक दार्वी लोध्रअवरमुलठी चंदनपाठाकरोइकठी महीनपीसकरचूरणकीजै तंडुलजलसोंताहिरलीजै पुटपाक करेतिलपत्रोंसाथ सणसूत्रपलेटैयहसुनगाथ मृतिकालेपनतापरकरै अग्नीमध्यवनायसुधरै पक्कजानकरकाढसुलेय सीतलमधुयुतरुजिकोंदेय रक्तपित्तकफकोंअतिसार जायभग्योगुणतासविचार अथअविलेह चौपई पृष्ठपर्णीमुथवासालीजै हलदमुलठीयहसमकीजै चूरणमधुमिलायसुचटाय कफपैतिकअतिसारमिटाय पीडारक्तदूरहोइजावै वंगसेनयोंभाषसुनावै इतिकफपैतजअतिसारचिकित्सासमाप्तम् ॥

## ॥ अथवातकफजअतीसारलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातश्लेष्मअतिसारकेलक्षणकहैनिदान सुनलीजैमनधारकैतिन्हकोंकरोंवषान ॥ चौपई ॥ वहुभोजनषावैजोमिष्ट अरुवहुकटुसनिग्धस्वादिष्ट इन्हतैंवातअवरकफदोय अग्निस्थलमोंकोपैंसोय सोऊमंदअग्निकरडारैं काचींविष्टाघणीउतारैं फैणशब्दसंयुतसोहोय मदरागंधसपीडासोय गुडगुडशब्दउदरमोंरहै मूर्छापिदभ्रमतंद्रागहै कटऊरूजानूअरुपीठ इन्हमोहोइपीडासुनईठ ॥ इतिलक्षणम् ॥

## ॥ अथवातकफजअतीसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथक्काथ: ॥ चौपई ॥ धनियांमुथवालाविल्वजान सुंठधान्यपंचकयहमान पंचधान्यक्काथयहदेय धनियांसुंठवाक्काथकरेय इन्हसोंवातकफजअतिसार दूरहोयनिश्चयमनधार अन्यच ॥ चौपई ॥ करंजु-

वरचइटसिटविलजानो दालहलदइंदरयवत्रानो विदारीगंधावाडिकंडयारी पंचकोलयुतकाथसुधारी नागरपिपलींपिपलामूल चित्राचवकलेहुसमतूल पंचकोलयहनामकहीजें काथवनायरोगीकोंदीजें वा- कफकोअतिसारमिटावे वैद्यकमतयोंप्रगटजनावे अन्यच चौपई विल्वपाठाकोगडकेवीज हिंगूइट सिटसभसमलीज पाचनदीपनकाथपछान अतीसारकफवातजहान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कोगडत्वचा अवरफललीजै वालविल्वसुंठीसमकीजै चित्राअवरमंगायपतीस हरडेमुथरसमलेपीस विधिसोंकरेजु काथपिलावै वातकफजअतिसारमिटावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ नागरलोधरपूतीसुरदार दडूनीरसकरका- थहिंडार पियेवातकफकोअतिसार जावेंतुरतनलागैवार इतिवातकफजअतिसाराचिकित्सासमाप्तम्

## ॥ अथछर्दअतीसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंछर्दअतिसारकीजेऊचिकित्सासार ग्रंथनमेंजैसेंकहीतैसेंकरोंउचार ॥ अथकाथ ॥

॥ चौपई ॥ विलकथआंवागिरीयहदोय करेकाथमधुसितामिलोय पीवेछर्दजायअतिसार यहअ- पनेमननिश्चयधार जैसेंअग्नीघीउजलावे तैसेंयहअतिसारमिटावे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ यवधनियांपु- नलेहुपटोल करेकाथमधुमिसरीघोल पीवैशीतलकरजोतास करैछर्दअतिसारहिंनाश ॥ अन्यच ॥

॥ चौपई ॥ जामणुपत्रआंवदलआन कूटपीसरसलेवेछान वटअविरोहउशीरपिसाय सोरसतिन्ह- सोंदेहुमिलाय काथकरोवाचूरणपावो वाचाटोअतिसारमिटावो अरुमाष्योंतासंगरलावे मूर्छातृटज्व- रछर्दगवावे रक्तप्रवाहिसोऊपुननाशै ततदुतिहोइआरोग्यताभासै ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ भूनमुंगलाजापीसाय मधुशरकरामिलायचटाय त्रिषाछर्दअतिसारमिटावै दाहअवरज्वरभाग्याजावे

## ॥ अथशोथअतिसारचिकित्सा ॥

चौपई होयशोथअतिसारजासतन तासचिकित्साकहोलपोमन करैचिकित्साइंहअनुसार दूरहोंय- ताकोअतिसार ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ वडिंगमुथपाठाजुपतीस दालहलदमरचकलिंगजुपीस जल- सोंपीवैप्रातहिंजोय नाशसोथअतिसारहिंहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ धनियांमुथकिरायताआन चंदनवालागिलोयपुनठान चूरणजलसोंपीवैजोय शोथत्रिषाअतिसारज्वरषोय ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ सुंठकाथदशमूलवनावे तिहघृतपावैअग्निपकावै अचैसोथअतिसारमिटाय ग्रहणीपांडुकामलाजाय यहसुंठीघृतकीनवषान वंगसेनमतलहोप्रमान

## ॥ अथआमअतिसारतथापक्वअतीसारलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अन्नखाइजिहअजीरणवरै गरिष्टवस्तुफुनभक्षणकरै ताहीतेकफवातअरुपित्त ती- नोंकोपकरेंअतिचित्त तीनोंमिलतबमलहिविगोरै आमसहितमलवहीनिकारै याकोनामऋषिकत्रीकहे आमअतीसारयाहीकोवहे अनेकरंगमलचलैअपार मलतरहैआमडुबहार मलदुर्गंधीयुक्तसुअवे पिच्छलभाराआमकहावे अथपक्वलक्षणं विपरीतचिन्हएतेसबजाने गंधरहितमललघूपछाने रं- गसुपेदमलचिकनाहोइ पक्वअतीसारकहतहैसोइ

## ॥ अथआमअतीसारतथापक्वअतीसारादिचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ प्रथमयवागूकोंवनवावे अरलूत्वकजोपीसमिलावे प्रयंगूअवरमुलटीआन अनारपत्रअंकुरलेठान सभसमचूरनकरेमिलाय यवागूमोंधरदहीरलाय पीवेप्रातहिंरोगीजोय सर्वआम-

अतिसारहिषोय ॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥ केवलमुत्थरक्काथवनावै मधुमिलायपरभातापिलावै नाशहोयपकअतिसार वैद्यकमतयोंकीनउचार ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई लोध्राबिलकथधावेफूल मुत्थरआंवगुटीइंद्रजवतूल महिषीतक्रसाथजोपीवे अतीसारपकहतथीवे ॥ अन्यच चौपई लोध्रमंजीठविलकथसमतूल अरलूमहूजुधावेफूल कमलफूलकीतुरियांआन चूर्णकरैसभएकसमान तंडुलजलसोपीवैतास अतीसारकोहोईहैनाश अन्यच चौपई पद्ममंजीठमुलठीआन विलकथजामणगुठलीठान पीसैमाष्योंसंगमिलावै तंडुलजलसंगप्रातपिवावै अतीसारपकहोइनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश अन्यच चौपई मंजीठलोध्रधावेकेफूल दाडिमत्वचाआनसमतूल पीसेतंडुलजलहिंपिवाय अतीसारतनतैभगजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दाडिमफलत्वचकाहिनसपाल अरुदाडिमतरुकीलिवेछाल लोध्रमोचरसलेहुसमान यहचूर्णतंडुलजलपान अतीसारयहपकमिटावै रोगजायरोगीसुखपावै ॥ अन्यच ॥ लोध्रआद्रकअवरमुलठजो पीसमिलावैमाष्योंसंगसो तंडुलजलसोंपीवैप्रात अतीसारभागैसुखगात ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लोध्रअवरसुंठसमआनो अवरमुलठीतामोठानो चूरणतंडुलजलकेसंग अतीसारपकहोइभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जंबूवीजपुष्पकचनार दाडिमवीजविल्वकथडार न्हीवेरनागरअरुमुत्थर सिंगाडेकेलेकोमलपत्तर सतंडुलजलयहचूरणषाय गंगासमप्रवाहरुकजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मुत्थरसुंठमोचरसपावै पाठाअरलूताहिरलावै अरुडारेधावेकेफूल चूर्णकरैसभलेसमतूल रोकैगंगासमपरवाहि अतिसारनाशहोइजाहि ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मुत्थरकीगडवीजसमान विलुकथलोध्रमोचरसठान अरुडारेधावेकेफूल चूरणपीसकरैसमतूल गुडमिलायजहचूरणषावै नदीप्रवाहरुकायदिषावै चूर्णषायदधिघुलकेसाथ वैद्यकग्रंथकह्योसुनगाथ ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अषरोटजढत्वचाचूरणजोय मधुमिलायतंडुलजलसोय पीवैनदीसेतकीन्याय वांधेअतिसारदुखजाय ॥ अथपाचनषट् ॥ चौपई ॥ सुंठपतीसहिंगुमुथआनै कोगडचित्रायहसमठानै यहचूरणतंडुलजलसंग पीवैअतिसारहोइभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मुत्थरपाठापिपलीआन इंदरयवजुतेजवलठान चूरणपीवैतंडुलतोय अतिसारनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सेंधालवणवरचपुनआनै कोगडवीजकौडसमठानै यहचूरणपीवैनरजोय अतीसारनाशतिसहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ एलाकोगडवीज पिसावै लोध्रपीसतिन्हसंगमिलावै चिह्वालोध्रपुनतिसपाय अवरहलदतिसमाहिरलाय यहचूरणपीवैजोकोय नाशैअतीसारसुखहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठपतीसविडंगमिलाय पाठाअरुविडलवणरलाय यहचूरणकरपीवैजोई अतीसारनाशतिसहोई ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कोगडहिंगुविलमुथरआन सुंठवरचपतीसलेछान यहषटचूरणजलसोंजान अथवाकांजीसोंकरैपान पाचनहैंअतीसारमिटावैं वंगसेनयोंभाषसुनावैं ॥ अथगुटका ॥ चौपई ॥ धावैलोध्रप्रियंगुमंजीठ जंवूगुठलिमुलठीईठ दाडिमतरुकीलीजैछाल गुटलीअवकपित्थनसपाल मुत्थरअवरमोचरसजानो कोगडत्वचाविल्वकथमानो आंवनवीनपत्रपुनपाय अरुआद्रकातिंहमांहिरलाय यहचूर्णसभसमकरलेय तंडुलजलसोगुटीकरेय गुटकावलअनुसारषुलाय पकरोगअतिसारमिटाय ॥ अथअविलेह ॥ चौपै ॥ कोगडअतीविषापीसावै मधुमिलायकरप्रातचटावै पकरुधअतिसारमिटाय वहुचिरकालीतुरतहिंजाय ॥ अथलेपन ॥ चौपै ॥ सुक्षमपीसआमलेल्याय क्यारानाभीगिर्दवनाय सोक्यारात्राद्रकरसभरै नदीवेगसोरोकनकरै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ कोमलपत्रआंवकेआन आंवगुटीपुनताहिसमान लेपन-

नाभीऊपरधरै नाशरोगअतिसाराहिकरै ॥ दोहा ॥ आमपक्कअतिसारकीकरीचिकित्सागान ऐसेंसमनमोधारियेसभहींकामतमान इतिआमपक्कादिअतिसारसामान्याचिकित्सा.

## ॥ अथआमअतीसारलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अजीरणकरातिसप्रगटचोजान होयदोषसोकहोंवषान सोऊदोषमलआममिलजावै दोइमिलअतीसारउपजावै

## ॥ अथकेवलआमअतीसारचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिंलंघनवमनकरावै इन्हकरशूलअफाराजावै वमनकरावनकीविधिएहु पिपलीं-लवणकाढजलदेहु रोगीकोंयोंवमनकरावै पुनहिंकाथचूरनकोंषावै ॥ अथषट्चूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठपती सहिंगुमुथचित्रा कोगडवहसमपीसोमित्रा तप्तनीरसोंपीजैयाहि अतीसारआमामिटजाहि ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ मुत्थरपाठामघांपछान इंदरयवजुतेजवलठान तप्तनीरसोंचूरणषावै अतीसारआममिटजावै ॥ २ ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सेंधाकोगडबीजपछान वरचकौडसमकरोपिसान तप्ततोयसोंपीजैतास-अतीसारआमहोइनाश ॥ ३ ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठलवणविडअवरपतीस पाठाकोगडसमलेपीस चूर्णकरैतप्तजलसंग अतीसारआमकरैभंग ॥ ४ ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कोगडबीजलोध्रसंगपाय चिटालोध्रसंगरलाय तप्तोदकसोंपीवैजोय अतीसारआमहरैसोय ॥ ५ ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कोगडसुंठविल्वयवजानो मुत्थराहिंगुएकसमठानो चूर्णकरैतप्तजलपान अतीसारआमकीहान यहषट-चूर्णकहेसुनाय वंगसेनज्योंदियेलषाय ॥ ६ ॥ इतिआमअतिसारचिकित्सासमाप्तम् ॥

## ॥ अथभयशोकजअतिसारनिदानलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ धनवंधूकोशोकहोयजव प्रथमक्षुधाघटजाततासतव शोकहुतेंजोरुदनकरावै जलगल-नेत्रनासकावहावै अन्नपचावनवन्हिजुकहिये सोजलताहिबुजावतलहिये निजथलतेंरक्तसोइचलावै सोऊ रक्तगुंजाद्रवथावै रक्तसोऊविष्टासंगहोय अतिसारकरवावैसोय वानिर्गंधसगंधीहोय त्यागेवैद्यनऔ-षधकोय ऐसोरोगीहोयअसाध्य शोकनाशविनमिटेनउपाध्य आश्वासनकरहर्षवधाय शोकजभयज तासतेंजाय याकीऔषधअवरनकोय एहीजानैनिश्चयसोय अथवावातजजोअतिसार तासचिकित्साकरी उचार सोउचिकित्सायामोकरे आर्वलहोइप्राणतौधरै ॥ इतिभयशोकोत्पन्नअतिसारलक्षणाचिकित्सा ॥

## ॥ अथकल्याणअवलेह ॥

चौपै स्योनाकमघांअवरधावेफूल पाठालोध्रमंजीठजुतूल अवरमोचरसतामोपाय मधुअरशर्करालेजु-मिलाय करअवलेहनिताप्रतिचाटे भयशोकजअतिसारकोकाटे कृमीअर्शअरविषअतिसार तासउपाय-यहीसुविचार

## ॥ अथप्रवाहिकाअतिसारनिदानलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ प्रवाहिकहींअतिसारकेकारनलक्षणजोय वैद्यकग्रंथनिदानमतभापसुनावोंसोय ॥ चौपै ॥ भोजनजेऊअहितनरकरै तातनवायुकोपपवहुधरै पीडाउदरतलैउपजावै वहुमलकुत्तप्रवाहिवगावै तिहप्रवाहिकानामवषानै दाहसहितसोंपित्तजमाने शूलसाहितसोवातजजान कफसंयुक्तसुकफजप्रमान

रक्तसहितजेऊदष्टावै ताकोंरक्तजभाषसनावै ॥ दोहा ॥ स्नेहतेकफजपछानियेंरूक्षतेंवातजजान तीक्षण-उष्णसेंपित्तजात्रवररक्तजामान इति ॥ ॥

## ॥ अथप्रवाहिकअतीसारचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथउपाय ॥ चौपै ॥ दधिघृतमधुपुनतैलमंगावै नागरमिसरीपीसरलावै सभमिलायमंथनतिस्-करै पीवेरोगीतनदुखहरै नाशैंप्रवाहिकहोअतिसार बंगसेनमतकोंनउचार ॥ अथअन्यचउपाय ॥ चौपै ॥ वालविल्वकोचूरणकीजै तासमातिलचूरणकरलीजै दधिघृतपायअमलकछुपावे मथसमस्तव्याधीनर-खावै तातकालपरवाहीजाय वैद्यकमतयोंकह्योसुनाय अथचूरण ॥ चौपै ॥ वालविलकथगुडजुपुराना तैलमघानागरलहुस्याना यहचूरणचाटैवाखाय वातअधिकतौमधुसुमिलाय ॥ यातैंनिरवाहीकोनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ पिपलींवामरचांलषलेहु दुग्धसाथरोगीकोंदेहु प्रवाहिका-रोगदूरहोइजाय होइआरोग्यदेहसुखपाय ॥ अथअविलेह ॥ लोध्रविल्वमरचांयहतीन तैलपुरातनगुड-लषलीन पीसरलायजुचाटैतास निरवाहीकोहोवैनाश ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ धावैवेरपत्रसुपिसावै कपित्थलोध्रमधुसाथमिलावै दधिमिलायपीवेजोकोय परवाहिकरोगनाशतवहोय ॥ अथघृत ॥ चौपै ॥ त्रिकुटात्रिफलामुथरमंगाय चित्रागजपीपलविल्वपाय अवरजुलीजैकर्कटशृंगी पुनपाविछडगुडीचंगी छोटीकंड्यारीजुविडंग सभमिलायसभपीसनिसंग एकप्रस्थघृतमांहिपकावै दुग्धचतुर्गुणपायउटावै सोघृतपीवेप्रवाहिकजाय याहिचिकित्साकहीसुनाय इतिप्रवाहिकाअतीसारचिकित्सासमाप्तः

## ॥ अथज्वरातीसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ ज्वरसहितअतिसारजोतासाचिकित्साजान बंगसेनशुभग्रंथमततासोंकरोंवषान अथका-थप्रकारः ॥ चौपै ॥ ज्वरअतिसारयासतनजाने पूर्वलंघनताकोमाने लाजामांडतासफुनदेय ज्वरअति-सारकोंनासकरेय ॥ अन्यच ॥ प्रथमहिधावेकाथवनावै दाडिमसुंठपीसतंहपावै पीवेजाविज्वरअतिसार वैद्यकमतयोंकीनउचार धनियांनागरउत्पलपाय पृष्टपर्णीवलाविल्वरलाय दाडिमअम्लपायकरपीवे ज्वरअतिसारकोंनासकरीवे ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ मुत्थरकिरायतासुंठपतीस कोगडवालासमकरपीस काथवनायजुरोगीपीवै ज्वरअतिसारनाशतिसथीवै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ पाठामुत्थरकिरायताल्यावे गिलोयइंद्रयवपरपटपावै काथकरेपुनसुंठीदेहु ज्वरअतिसारहरैसुनएहु ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ धनि-यांसुंठगिलोयपतीस विलपाठाकोगडसमपीस उशीरपापडाचंदनघाल करोकाथमंदाग्निउवाल मधुमिलायकरपीवैतास ज्वरअतिसारछर्दत्रिषनाश ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ विल्वनागरमुत्थरगिलोयपतीस कोगडकाथकरोसमपीस रोगीकोंप्रातहिंपीवाय ज्वरअतिसारशोथसहिजाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ दशमूलकाथनागरटंकचार पीसपायपीवेजुनिहार शाथसंग्रहणीज्वरअतिसार नाशहोंहिएतेजुविकार ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ उत्पलअवरपद्मकोकेसर दाडिमत्वचापीसतामोधर चूर्णतंडुलजलसाथपिलावैं ज्वरअतिसारनाशहोइजावे ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ कणागजकणालाजाआन मधुमिसरीसोंकीजैपान ज्वरअतिसारत्रिषातिसजावे छर्दउवाकीनाशकरावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ वालामुत्थरमंजीठउशीर ध-नियांसुंठविल्वलषधीर धावेलोधरपीसमिलाय चूर्णकरुवाकाथपिलाय ज्वरअतिसारअरुचयहनाशे दीपनपाचनरक्तविनाशे ॥ अन्यचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाकौडकिरायतचित्रा कोगडवीजानिंवसुनं-

मित्रा पाठादालहलदजुपतीस वर्चसभनसमकोगडपीस पुनपावितिसमार्कवचूर्ण पाछेऔषधसभक-रपूर्ण तंडुलजलसोंचूरणषाय वामधुसोंचाटैसुखपाय ग्राहीपाचनदीपनजान ज्वरअतिसारगुल्मत्रि-षहान अरुचपलीहसंग्रहणजावै शोथपांडुपरमेहमिटावै अन्यच ॥ पाठाविल्वगिलोयजुपाय मुस्थ-रसुंठकिरायताल्याय वलाकायफललेपंचमूल वालाकोगडलेसमतूल इन्हकाकाथधरेजुवनाय रोगीकों-परभातापिलाय ज्वरअतिसारतासतेंनासे शूलउपद्रवसभीविनासे श्वासकासकोकरहेघात वमनहिं-नासकरेसुनवात ॥ इतिज्वरअतिसारचिकित्सासमाप्तम् ॥

## ॥ अथवर्जनीयअतीसारअसाध्यउपद्रवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ त्रिषणादाहअरुचअरुश्वास हिकापार्श्वशूलअरुकास मूर्छावहुप्रलापजोकरै अफारा-उदरशूलपुनधरै जाकीगुदाजुघुलगईहोय क्षीणहोयज्वरपीडतजोय असोअतीसारलषपावै ताकोवैद्य-त्यागउठजावै वृद्धपुरुषअतिसारीजोय अरुताकेतनमोसोजाहोय असोभीत्यागनकेयोग यहअसा-ध्यहैजानेंलोग मूत्ररोधजाकोलषपावै वमनकरैसुअसाध्यकहावै हस्तपादकीअंगुलीजोई पकजावैं. असोलषसोई विष्टाउष्णावहुतहोइजाकी वैद्यचिकित्साकरैनताकी मांसअग्निक्षीणजोलहिये ताको-जीवनदुर्लभकहिये ग्रहणीनिरवाहिजिसकोहोय हैअसाध्यजुउपायनकोय मलजोआवैशूरमांससम त्रिखा दाहअरुचीफुनस्वासदम हिचकीपसलीसूलअनंत मूर्छाफुनमननाहिलगंत गुदापकैअग्निमंदहोजाय मूत्रबंदतिहनहीउपाय साध्यअसाध्यसकलप्रकार वरननकीनोरुजअतिसार समुझनिदानाचिकित्साठान सोहोइवैद्यजुजगतप्रमान ॥ दोहा ॥ अतीसारवरननकियोजोयहषटपरकार अवरहुंभीवरननकियोसो लषइन्हअनुसार

## ॥ अन्यप्रकारअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ पक्वजंबूफलवरणहेजास मांसपिंडवतहोतप्रकास घृतअरतैलवसाजोकहिये वेसवारदधिदुग्धसुल हिये इनकेसमअतिसारजुहोय वैद्यत्यागजावेतिसजोय असाध्यविधीजोकीनउचार अवरप्रकारसुनोअति सार धोयमांसजलहोवतन्याई कृष्णनीलअरलालदिषांई मुखमृदंगकोलेपनजैसे तदवतरूपजानहो-तैसे अनेकवरणदेषेजिसमाहि मोरपुच्छकोवरणदिषांहि होयस्निग्धघनाजुअपार वैद्यजुत्यागेसोअतिसार

## ॥ अथसामान्यअतीसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ सामान्यचिकित्साअतिसारकीभाषोंभलेंवनाय ज्योंभाषीवंगसेनमोंसुनलीजैचितलाय

॥ चौपई ॥ प्रथमहरडपीपलीपिसाय उष्णजलहिंदेरेचकराय ॥ काथ ॥ अरुजिसदीप्तअग्निवहुहोय अरुअतिसारअधिकहोईसोय त्रिफलामघाजुवायवडिंग इन्हकाकाथदेयसुनिसंग इसकाथहिरेचनक-रवावे व्याधीनरकोंसुखउपजावे अरुजिसशूलअफारेसाथ होवैअतीसारलहुगाथ पिपलींलवणतप्त. जलसंग वमनकरावैरुजहोइभंग ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ पाठाहिंगुजवायणपाय पंचकोलसैंधाजु-मिलाय चूर्णततनीरसोंपावै शूलसहितअतिसारगवावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाहरडपतासाहिं-गुपुन सौंचललवणवरचचितदेसुन यहचूर्णपायततजलसंग अतीसारहोइजावेभंग अन्यच चौपई वरचाविल्वकथमघालहीजै सुंठविडंगकुठलपलीजै मरचअजवायणयहसमआन चूरणततनीरसोंपान. अतीसाररोगमिटजावे बंगसेनयोंप्रगटजनावे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडपतीसहिंगुसमआन सौंच.

लसेंधावरचसमान यहचूरणतत्तोदकसंग अतीसारआमकरभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठपीसएरणरसपाय पीवेअतीसारमिटजाय शूलआमअतिसारमिटावै दीपनपाचनचूर्णकहावै ॥ अन्यच चौपई हरडवरचनागरसमतूल कोगडबीजपिप्पलामूल पाठाचित्रातांमोपाय महीनपीसकरचूर्णवनायकौडपायजहचूरणकरै आमशूलअतिसारहिंहरै जोकफपितकोहोइअतिसार यहचूर्णनाशकरहैसुविकार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ भषडेएरणधनियांजान पुष्करमूलहरडयवठान इन्हसभहीकोचूरणकै मधुमिलायषावैदुखहरै शूलग्रंथिसहितआतिसार नाशैजानलेहुमतिधार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विलुकथपाठासुंठमंगाय मुथ्रमोचरससभसमभाय चूरणकरगुडसाथमिलावै तक्रसंगपरभाताहिंषावै उदररोगसभजांहिपलाय अतीसारनष्टहोजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कपित्थसुंठमरचकंकोल अरुजीराआनोसमतोल चूरणकरसममिसरीपावै रोगीकोंपरभातषुलावै आमरक्तअतिसारविनाशै तनआरोग्यहोयदुतिभासै ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ सुंठपतीसमुत्थराल्याय करैकाथाविधिसाथवनाय याकोंव्याधीपीवैजोय आमपचैअतिसारहिंषोय ॥ अथपंचधान्यकाथः ॥ चौपई ॥ धनिआंविलकथनागरवाला मुथरसमसमप्राताहिंकाला काथकैरैरोगीजोपीवै नाशैअतीसारसुखथीवै आमशूलकोनाशेएहु पित्तअधिकलषसुंठनदेहु ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठपतीसहरडसुरदार मुत्थरवरचसभीसमडार काथवनायअचैपरिभात अजीरणअतीसारकरघात ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठपतीसमुत्थरांआन धानियांतामोंकरोमिलान दीपनलघुयहकाथपछानो अतीसारदुखहरतामानो त्रिषाशूलकोनाशकरेह वंगसेनभाष्योयोंएह अन्यच चौपई मुत्थरमासेवीसप्रमान सेरदोयदुग्धमोठानचतुर्थभागदुग्धरहजावै त्रिगुणपायजलकाथकरावै जलजलजायक्षीरजवरहै तलैउताराताहिकोंगहै पवैअतिसारहोइनाश आमशूलकोकरैविनाश, अथकाथ वाचूर्ण चौपई केवलकोगडछालमंगावै काथकरैवाचूर्णफकावै अतीसारदूरहोइजाय ग्रंथमतोंयोंकह्योसुनाय ॥ अथगुटका ॥ चौपई ॥ हरडसुंठमुत्थरसमआन पीसोगुडसोंगुटकाठान षायत्रिदोषनकोअतिसार आमअफाराकुमरुजटार अरुचविसूचीसंधनपीर नाशहोंहिजानोमतधीर ॥ अथअविलेह ॥ ॥ चौपई ॥ गुठलीआंवाविल्वकथआन यवगोधुरुएरंडपछान हरडागिलोयपीसोसमभाय मधुमिलायचटणीसुचटाय रुधिरप्रवाहअतिसारविनाशै रोगरहितहोइतनदुतिभाशै ॥ इतिसामान्यअतीसारचिकित्सा ॥

## ॥ अथअतीसारनिवृत्तिलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ निवृत्तहुयेअतिसारकेलक्षणकरोंउचार सोसवजानोचित्तमैंवैद्यजुकरैविचार ॥ चौपई जठराग्निजिसदीप्तहोय लघुतादेहरहैतिसजोय विष्टाविनजोमूत्रउतारै कोष्टशुद्धिसोपुरषउचारै गुदतेबायूचलेप्रकास अतीसारभाग्योतनतास

## ॥ अथसमस्तअतीसारेपथ्यापथ्याधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यअतिसारकेभाषोंसुनोसुजान पथ्यरहैरोगीतेउताकीहोयनहान अथ पथ्यं ॥ चौपई ॥ उदरलेपपुनमांडकहीजै निद्रालंघनवमनभनीजै जीरणशालीसठीजोय इन्हकेचावलपथलषसोय मसुरवियासंगरीकचनार माषोंकारसहैसुखकार ससाहरणअरुलवापछान रसइन्ह मासनकोहितमान क्षुद्रमीनकोरसहितलह्यो वकरीदुग्धघीउपथकह्यो दहीतक्रगोकापथजानो कदली

केफलपुष्पपछानो निकडीजामुनकाफललहिये लूणकशाकतैलपुनकहिये बकरीगायदूधकोमाषन शा. लूकंदविश्वापथलषमन आद्रककोवडिगंठीभली कपित्थवकुलअमलीकीफली बिल्वअनारदडूनीजोय हाफूजायफलजीरेदोय कोगडधनियानिंवपछान अन्नपानदीपनलघुजान लाजामिसरीलूहरिद्राष हरडआमलेपथलषराष अतिसारकेयहपथजान अवरउपायकहौंपथमान अंगुलीदोयनाभिकेतरे. अवरत्रिकुलथलजोलषपरे इन्हदोइठौरनपर्स्योंकीजै ततशस्त्रसोंदागकरीजै अर्धचंद्रइवदागआकार यह भीपथ्यकहौंअतिसार दोहा अतीसारकेपथ्यसभभाषेलहोसुजान जेतेकहेअपथ्यपुनतेतेकरौंवषान. अथअपथ्यं स्वेदरुधमोक्षणइस्नान मैथुनजाग्रनवहुजलपान अंजनधूम्रपाननसवार विरुद्धभोजनवुटणा सभक्ष्यार कणकमाषयवचणेरवांहि आंवपेठामधुतांबूललषाहि विष्टामूत्रवेगकोरोकन षषडीवेरसुहा जणयहसुन गन्नेगलगलगुडजुनवीन मृगमदजानलहोप्रवीन नालेरगिरीपत्रनकोशाक इटसिटवहुषट आईठाक तरडादिकजुकचालूकंद भारीअन्नादिकसभमंद अरुवहुलवणनाहिसोईषावै यहअति. सारीअपथ्यलषावै पथ्यअपथ्यकरैजुवषान अतीसारकेलषोसुजान ॥ दोहा ॥ अतीसारकेपथअपथस. भहीकीनवषान समुझाचिकित्साजोकरैहोवैरूजकीहान ॥ इतिअतीसारेपथ्यापथ्यसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ अतीसारवरननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान

## ॥ अथअतीसाररोगकर्मविपाक ॥

## ॥ अथअतीसारदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ यज्ञाविषैंजोविघ्नउपावै दानकरतकौंरोकरषावै अरुपरछागलुरायजुषावत अरुब्राह्मणधनकौंहरलेजावत अरुवेदोंकोंनिंदाकरै ताकौंअतीसारआवरै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ सूर्यमूर्तस्वर्णवनवावै पुनपलअष्टताम्रसंगपावै अग्निमूर्तताकीवनवाय पूजेदोनोप्रीतलगाय रक्तपुष्पमा. लापाहिरावै मतीमानइहयतनकरावै रक्तवस्त्रऊपरओढाय सूर्याग्निमंत्रकरहवनकराय सोपूतमाब्राह्मणकों. देय निजहिद्रोषतैंमुक्तिलषेय ॥ दोहा ॥ अतीसारवरननकियेकारणसहितउपाय संग्रहणीकेदोष. कोंभाषींभलेंवनाय ॥ इतिअतीसारदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

## ॥ अथअतीसारज्योतिष ॥

दोहा जन्मकुंडलीकेविषैंशनिगृहवुधपडजाहि सूर्य्यदृष्टहोइताहिघरअतीसारहोइताहि उपाय ताहिउपाय नरइहकरेवुधपूजाजपश्रेष्ट हवनतेलअपामार्गसोंदशावर्तसोइष्ट अंगमोधारणश्रेष्टहैभूषनस्वर्णवनाइ स्वर्ण. दानफुनयथाविधिअतीसारनरहाइ गोहाअक्षतपूगफलगोसेचनमधजान सिपीजलमोइकत्रकरताहि. आनपरमान पुनः पट्टवरवाऋषघरविषेचंदशुक्रसंजोग दधिसुतपूजावश्यकरस्वर्णदानहतरोग पुनः जो- शानिअंतरदशामोराहूकरेपयान तवनिश्चयकरदेहमोंअतीसारकीहान उपाय मंत्रशनैश्चरजपकरेतिलदूर्वा- हवनकरेह कालेतिलउर्मासहितजलस्नानविधितेह ॥ इतिज्योतिष ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्र- काशभाषायांअतिसाररोगाऽधिकारकथननामअष्टचत्वारिंशोऽधिकाः ॥ ४८ ॥

## ॥ अथसंग्रहणीरोगानिदानलक्षणनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ संग्रहणीवरननकरोंलक्षणश्रवरनिदान पुनहिंचिकित्साभाषहोंसुनहोवैद्यसुजान.

## ॥ अथसंग्रहणीसामान्यलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ छठीकलाजोपित्तघरग्रहणीजाकोनाम मध्यठिकाणातासकोपक्वाशयश्ररश्राम ग्रहणीदुखितजुश्रग्निकरश्रग्निदुखितकरदोष नरकोंउपजेतासतैंग्रहणीरोगसरोष ॥ चौपई ॥ हूयेहूयेनिवृत्तश्रतिसार श्ररुमंदाग्निपुरषनिर्धार श्रवरश्रहितभोजनकेषाये श्ररुनिदानश्रतिसारयुगाये इन्हहूतेंसंग्रहणीहोय जानलहोवुधजनयोंसोय वातपित्तकफयहजोतीन इकइकतेंभीहोतप्रवीन श्ररुयहइकटेहोवैंजवै होवेग्रहणित्रिदोषजतवै लक्षणसंग्रणीयहजानो निकसतकाचोश्रन्नपछानो कवहूंश्रन्नपक्वनिकसावै दुर्गंधसपीडाकरप्रगटावै कवहुंवंधेजकवहुंपुलजाय तासनामग्रहणीलषपाय ॥ श्रथसंग्रहणीपूर्वरूपं पूर्वरूपग्रहणी श्रसलहिये ॥ श्रालसत्रिषादाहलषपैये वलहोइक्षयश्ररुतनहोइभारी चिरकरश्रन्नपचैसुविकारी

## ॥ श्रथवातजग्रहणीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कटुतीक्षणजुकसैलाषावै भोजनदुष्टजुरूषापावै श्रथवानिराहारजोरहै श्रथवाथोडा भोजनगहै विष्टामूत्रवेगजवहोय रोकैइन्हवेगनकोंजोय श्रथवाश्रतिमैथुनयोकरै इन्हतैंवातकोपवडधरै उरकीश्रग्निवातसोछावै सोऊवातग्रहणीउपजावै ताकोंदुखकरपचहैश्रन्न नांहिरहैमनतासप्रसन्न रूषातनताकोहोइजावै तनसनिग्धतावातसुकावै कंठश्रवरमुखसोषतरहै घुरघुरशब्दकानमोंलहै मंददृष्टहोइजावैजास पार्श्वऊरूपीडाकरतास चूलेग्रीवामेंदुषहोय हृदिपीडाहोवेतिसजोय कृशताश्ररुनिर्वलताहोवत वदनविरससभस्वादहिंषोवत गुदाचिरोतीतिसकीरहै सभरसकीश्रभिलाषागहै श्रन्नपाचनकोसमाहोयजव उदरश्रफाराहोयतिसेतव तवतिसरोगीकेमनश्रावत लिफगुल्ममोहिदुखउपजावत दुखमाहीचिरकरविष्टाऊ पतलीहोवतहैतिसतांऊ कवहूंसूकीविष्टाहोय काचीशब्दफैनसंगसोय काशश्वासकरपीडतरहै वारवारविष्टाप्रगटहै श्रससंग्रहणीवातवषांनी जानलहैंसोवैद्यविज्ञानी ॥ इतिवातसंग्रहणीलक्षणम् ॥

## ॥ श्रथवातसंग्रहणीचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ श्रवैंचिकित्साकहितहोंवातजग्रहणीकेर वंगसेनशुभग्रंथकोभलैंसमझश्ररुहेर ॥ श्रथक्वाथ ॥ ॥ चौपई ॥ पंचकोलकोक्वाथजुकहिये वातजग्रहणीमोंहितलहिये. श्ररुमूलीरसरसजुश्रनार वातज ग्रहणीमोंहितकार ॥ श्रन्यचक्वाथ ॥ चौपई ॥ धनियांवालासुंठपछान विल्वशालिपरणीपुनश्रान करैक्वाथपीवैनरजोय ग्रहणीवातश्रफारापोय ॥ श्रथयवागू ॥ चौपई ॥ कपित्थविल्वलूणकलपलीज तक्रश्रवरदाडिमकेवीज इन्हकरसिद्धयवागूजोय ग्रहणीवातपथ्यलखसोय ॥ श्रथतक्रफलानिरूपणं ॥ चौपई ॥ तक्रदीपनग्राहीलघुजांनो मधुरस्वभावहिंपितहरमानो उष्णरौक्षकषायजोश्रहै कफकोंहरैतक्रयोंल है स्वादिकश्रमलस्वभावजुधरै वातजसंग्रहणीकोंहरै ॥ श्रथचूरणप्रकार ॥ चौपई ॥ नागरमुस्थरवरचपतीस सौंचलहरडेंलेसमपीस पिपलामूलजुपीसरलाय तप्तनीरसोंचूरणषाय वातजसंग्रहणीकोनाशै वंगसेनयोंभाषप्रकाशै ॥ श्रन्यच ॥ चौपई धनियांनागरविल्वपतीस मुस्थरदुपरणीवालापीस श्रवरजवानीवसारलीजै महीनपीसकरचूरणकीजै यहचूरणजलतप्तमिलाय षायदीपनपाचनसुखदाय ॥ श्रन्यच ॥ चौपई ॥

सौंचलहरडवरचअरुहिंगु पायपतीसअवरजुकलिंगु चूरणपीजैजलतप्ताय वातजग्रहणीतातेजाय गांठपीडछर्दमिटजावै वैद्यकमतयोंभाषसुनावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ नागरपिपलीकोगडवीज चित्रादोइकंडचारीलीज सारवादोयअवरयवक्ष्यार पंचलवनचूरणकरडार यहचूरणतत्तोदकसंग वामदरासोंपीदुखभंग वादधिमंडसाथयहसेवै वृद्धक्षुधाअग्नीकरलेवै कोष्टकेरसभवात-नसाय अरुवातजग्रहणीभगजाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ त्रिकुटाअजवायणलेहिंगु सैंधादोइजीरेले-संगु चूरणघृतरलायकरषावै अग्निवधैअरुग्रहणीजावै ॥ अथगुटका ॥ चौपै ॥ त्रिकुटाहिंगुपिप्प-लामूल पंचलवणचित्रासमतूल दोयक्ष्यारअजमोदापाय चवकपायकरचूर्णवनाय रसअनारदाणेको-लेहु अरुरसहिविजोरातामोदेहु चूर्णपायदोइरसमंझार गुटिकावांधेसमुझविचार गुटकाषावैप्रातहि-काल ग्रहणीवातहरैततकाल ॥ अथघृतप्रकार ॥ दशमूलादिघृत ॥ चौपै ॥ प्रथमहिंआनपीसदश-मूल देवदारुनागरसमतूल मघपीपलगजपीपलचित्रा सरलवृक्षइंदरयवमित्रा पिपलामूलअवरस-णवीज कोलमरचयहसमलेलीज कुलथरास्नाचूरणकरै चारद्रोणकांजीदधिधरै मंदअग्निधरताहिप-कावै चतुर्थभागजवहीरहिजावै पुनघृतलेआढकपरिमान ताकोंतिन्हमोकरोमिलान दोदोपलस-ज्जीयवक्ष्यार विडसैंधासौंचलसमुद्रडार षावैघृतवलअग्निवधावै वातजग्रहणीछिनमोंजावै ॥ अथअ-ष्टपलघृत ॥ चौपै ॥ त्रिकुटात्रिफलाविल्वगुडलेय इकइकपलहिंप्रमाणधरेय घृतपरमाणअष्टपलपावै मंदअग्निधरताहिपकावै षावैमंदअग्निकोकरै नाशवातग्रहणीकोधरै ॥ अथपंचमूलघृत ॥ चौपै ॥ पंचमूलअरुपिपलामूर त्रिकुटाहरडविडंगकचूर सैंधारहसनदोनोक्ष्यार पुनजीरातिन्हमोलिडार चार-चारपलवस्तुजुपावै तोयचतुर्गुणपायपकावै चतुर्थभागजवहीजलरहै तासमानघृतपाजलदहै घृतस-मानपुनरसजुविजोरा पायपकावैपुनतिंहठौरा पुनआद्रकरसपायपकावै पुनमूलीरसपक्ककरावै पुनवा-राहिकंदरसपाय पुनगलगलरससाथपकाय पुनदाडिमरससाथपकावै तक्रसाथमदसाथउटावै पुनप-कवावैकांजीसंग धान्यतुष्यजलपक्कसुचंग ऐसैसिद्धकरैघृतजोई कर्षप्रमाणसेवसुखहोई अग्निकरैघृ-तशूलमिटावै गुल्मअफारपलीहाजावै श्वासकासंग्रहणिनाश वातरोगकोकरैविनाश ॥ अथमहत-अग्निघृत ॥ चौपै ॥ पाठाचवकतेजवलचित्रा पंचमूलमघलेवोमित्रा चारचारपलयहपरिमान अष्टप्र-माणपलमुथरांठान तीनमुष्टिकाहलदमिलाथ पुनपलअष्टअष्टदलपाय विष्णुक्रांतमालतीमगाय कने-रकरंजुकदंवदलपाय अर्कसप्तपरणीदलआन आषोटपत्रयहकूटमिलान चारद्रोणजलपायपकावै चतु-र्थभागरहिजवलषपावै कौडपतीसदोदोपलआन कूटपीसजलकरोमिलान मुस्थरकोगडवीजविडंग मघांकुडवकुडवजलसंग सज्जीक्ष्यारपुनहियवक्ष्यार विडसैंधादोदोपलडार दहीमंडदाडिमरसआन घृतपावैआढिकपरिमान अग्निमंददेघीउपकावै घृतजवरहैछाणधरवावै कर्षप्रमानघीउनितषाय ऊप-रतैंजलउष्णापिलाय जवघृतपचैतवभोजनदेवै इसकरग्रहणीरोगहरेवै गुल्मअफारालिःफनसावै वात-अवरकफरोगमिटावै मंदअग्निअरुअर्शविनाशै तनकोवरणसकलपरकाशै पथसनिग्धभोजनअरुमास षावतरहैरोगहोइनाश ॥ अथसुंठीघृत ॥ चौपै ॥ सुंठअवरदशमूलमंगावै समलेकूटेक्वाथवनावै घृत तासमपावैसुपकाय कर्षप्रमाणप्रातउठषाय ग्रहणीपांडुरोगकरनाश ज्वरलिःफआमशोथसुविनाश ॥ अथ चांगेरीघृत ॥ चौपै ॥ सुंठपिप्पलीपिपलामूल चित्रागजपीपलसमतूल धनियांभषडेपाठाजान विलक-थअरुठानोअजवान सभसमलेकरअग्निपकावै जलचतुर्थभागजुरहावै तासमचांगेरीरसपाय तास-

मघृतमंदाग्निपकाय पुनाचतुर्गणदधिसोंपकावै सिद्धहोयघृतछाणधरावै कर्षप्रमाणरोगीकोंदेहि वात-अवरकफकोंहरलेहि मूत्रकृछ्रअर्शहोइनाश ग्रहणीपरिवाहिकसुविनाश गुदाभ्रंशअरुशूलअफार दूर-होहिलषलेमतसार ॥ दोहा ॥ वातजकीचिकित्साकहीभाषीसहितनिदान याकोंसमुझैचतुरनरकरै-उपायपछान इतिवातजसंग्रहणीनिदानचिकित्सानिरूपणं

## ॥ अथपित्तजसंग्रहणीनिदानलक्षणनिरूपनं ॥

॥ दोहा ॥ पितसंग्रहणीकहितहोंलक्षणसहितनिदान शास्त्रनमोंजिसेंलिषेतैसेंकरोंवषान चौपै कटुअरु-अमलाविदाहकषारी इन्हतैंपित्तकोपकरभारी सोऊरोगग्रहणीप्रगटावै अवरअजीरणतेंहोइआवै विष्टा-नीलपीतरंगकरै षटेडिकारदुर्गंधअनुसरै कंठहृदयमोहोवैदाह होतअरुचवहुत्रिष्णताह इतिलक्षणम्

## ॥ अथपित्तसंग्रहणीचिकित्सा ॥

दोहा नाशकअग्निजवकोपपितताकोलषोउपाय रेचनवमनग्राहीलघुतरतीक्षणवस्तखुलाय अथचूर्ण-चौपई रसांजनधावेनागरलीज कोगडत्वचअरुकोगडवीज अवरमिलावोताहिपतीस सभऔषद इकसमकरपीस मधुमिलायतंडुलजलपान ग्रहणीअर्शअतिसारहिंहान अन्यच चौपई पाठाचि-त्राकोगडवीज पुननागरतामोधरलीज इसकोक्काथवाचूर्णकरै तप्तोदकसोंपीदुखटरै पित्तजअरुकफ-ग्रहणीजाय उदरशूलकोनाशकराय अन्यच चौपई नसपालसिंगाडेसमपीसावै जलसोंपीवत ग्रहणीजावै अन्यच चौपई विल्वगिरीकाचूरणकरै सुंठअवरगुडतामोंधरै तंडुलजलसोंपीवैजोय-मंदअग्निपितग्रहणीषोय तक्रभातपथदेवैतास पैतिकग्रहणीहरसुखभास अथकृष्णात्रिऋष्योक्तचूर्ण-चौपई नागरमुथ्थरसांजणलीज कोगडत्वचअरुकोगडवीज विल्वपाठाधावेजुपतीस पुनलेकौडसम लेकरपीस मधुमिलायतंडुलजलसंग पीवेरोगहोंहियहभंग पितग्रहणीगुदशूलमिटावै अर्शप्रवाहि करक्तनसावै कृष्णात्रयऋषिकोनवषान अपनेमनमोंनिश्चयठान अथभूनिंवादिचूर्ण चौपई किरा यताकौडमुथ्थयहआनो त्रिकुटाइंद्रयवसमलेठानो इन्हतेंदुगुणाचित्रापाय कोगडत्वचलेषोडशभाय यह चूरणसूक्ष्मपीसावै षोडशभागतामोंगुडपावै शीतलजलसोंपीवैतास ग्रहणीपितकामलाविनाश पांडु प्रमेहअरुचज्वरनाशे भूनिंवादिचूर्णगुणभासे अन्यच चौपई पाठाविल्वत्रिकुटामुथचित्रा कोगडकौ डकिरायतामित्रा दाडिमधावेअवरपतीस सभसमलेचूरणकरपीस सभसमानइन्द्रजवपाय विधिवत-चूर्णलेजुवनाय पीवैपितग्रहणीहोइभंग मधुमिलायतंडुलजलसंग हृदयदाहछर्दअतिसार ज्वरमंदा ग्निअरुचकोंटार अन्यचकिरायतादिचूर्ण चौपई किरातात्रिकुटापिपलामूर मुत्थरचंदनपद्मकचूर-कोगडत्वचाअवरअजवांन कोगडफलपुनत्रयेमान कौडपटोलअवरसुरदार निंवपत्रएलापुनडार-मिष्टसुहांजणवीजपतीस परपटमूर्वासमलेपीस मधुमिलायचाटेनरजोय अथवाघृतसोंपीवैसोय हृदय-रोगग्रहणीज्वरजाय पांडुशूलगुल्मनरहाय अरुचकामलाअरुमुखरोग सन्निपातज्वरहरसुखभोग अथ चंदनादिघृत चौपई चंदनसारवापद्मउशीर पाठामूर्वालेमतिधीर स्योनाकफालसेअवरपटोल विष्णु क्रांतमुत्थरानिंवघोल कौडसतपरणीपहिचान उदुंवरापिप्पलवटजटआन पिपलामूलपलाक्षमिलावे दो दोपलयहऔषदपावै द्रोणप्रमाणजलपायपकाय पादशेषप्रस्थघृतपाय पुनकिरायतामघांजुलेय इंद्र यववीरापलपलदेय मंदअग्निकरघीउपकावै चारटांकव्याधीनितपावै पैतिजग्रहणीहोवैनाश वंगसेन

मतकीनप्रकाश अथमसूरादिघृत चौपई मसूरपायजलक्काथकरावै पीसविल्वघृतपायपकावै घृतपी वैकुक्षरोगमिटाय ग्रहणीपांडुकामलाजाय अथअन्यचमसूरादिघृत चौपई मसूरएकशतपलपरि-मान पलजुअष्टविलकत्थमिलान एकद्रोणभरजलतिंहपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय पादइकशेषरहै-जलजवै प्रस्थएकघृतधरतिंहतवै मंदअग्निकरताहिपकावै कर्षप्रमाणनिताप्रतिषावै प्रवाहिकअतीसारसुविनाशै संग्रहणीकोमूलनिकाशै अथकलिंगादिघृत चौपई कलिंगफलनकोचूरणकरे प्रस्थपायघृतपक्कसुधरै पीवैपित्तजग्रहणीजाय रोगजायनरवहुसुखपाय दोहा पितसंग्रहणीकेकहेलक्षणअवरउपाय समझचिकित्साजोकरैताकोसभदुखजाय इतिपित्तसंग्रहणीनिदानोपायसमाप्तम्

## ॥ अथकफजग्रहणीनिदानलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ कफसंग्रहणीकेकहोंलक्षणअवरनिदान पुनहिंचिकित्साभाषहोंसुनहोपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ भारीअतिसानिग्धजोषावै अतिभोजनअरुशीतलपावै ऐसेंभोजनकरजोसोवै ताऊपरकफकुत्तसुहोवै सोऊअग्निमंदकरदेवै दुखकरभोजनताहिपचेवै ताकोंसंग्रहणीहोइआवै भारीहृदा-जुसदारहावै छर्दउवाकीहोतीरहै मुखमीठाथुकथुकीसुगहै कफकरसंयुतमुखतिसहोय षांसीपीनसल-षियतजोय भारीउदरअरुचहोइजास मिष्टडिकारजुआवहिंतास अंगपडिहोवतरहजाहि इस्त्रीसं-गनभावैताहि विष्टाभन्नआमकेसंग काचीउतरेहोइमनभंग जद्यपिदहेपुष्टहोइजास तद्यपिनिर्बलतारहैतास आलससदादेहमोंरहै कफग्रहणीयहलक्षणकहै ॥ इतिकफग्रहणीलक्षणनिदानम् ॥

## ॥अथकफजग्रहणीचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कटुकषायअमललवणसेंविविधवतअग्निवधाय कफकीग्रहणीनाशहोइकह्योग्रंथमतगाय ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाहरडयवक्षारकचूर पिपलामूलविजोरापूर सभचूरणसमलेपीसाय सलवणउष्णजलसोंपीवाय कफकीग्रहणीहोवैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडसुंठवचकुठपतीस पिपलामूलविडंगसमपीस अरुमुत्थरपीसपायतिंहचित्रा यहचूरणमदरासोंमित्रा अथवाततनोयसंगपीवै नाशकफजग्रहणीकोथीवै ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ पलासहरडचवकसुनमीता पिपलामूलमघांअरुचीता पाठाधनियांसुंठमिलाय अवरविजोरातामोपाय कर्षकर्षपरिमाणधरावै प्रस्थतोयधरकाथवनावै पादशेषकाथजवरहै षकयवागूतासमगहै प्रातहिंरोगीकोंपीवाय कफग्रहणी-नाशैसुखपाय अथचूरण चौपई हरडपीपलींपिपलामूर रहसनमरचेंसुंठकचूर पांचोलवणजु-दोनोंक्षार पुनहिंविजोरापीसोडार यहसमचूरणजलकेसंग पीवैअग्निवधैरुजभंग दोहा कफसंग्रहणीकीकहीसमुझचिकित्साजोय त्रिदोषजग्रहणीकोकहोंसन्निजकहियेसोय इतिकफजग्रहणीनिदानलक्षणचिकित्सासमाप्तम्

## ॥ अथत्रिदोषजसन्निपातसंग्रहणीलक्षणनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ संग्रहणीजुत्रिदोषकेलक्षणसमुझनिदान भाषसुनावतहोंसकललषहोपुरुषसुजान चौपई सन्निपातत्रिदोषहिंआषे ताकेलक्षणऐसेंभाषें निद्रापार्श्वशूलहोइजोय षटजलघुनवतविष्टाहोय आंद्रा-जासकूजतीरहैं आलसनिर्वलताकोंगहैं अडीहुईपतलीपाहिचान अरुसनिग्धविष्टातिसमान अरुक-टपीडाहोतिरहै कबूधुलेवंधेजकबुंगहै दशदिनवापंदरादिनपाछें उदरछुटैजानोयहआछें अथवाहो-

इइकमासवितीत लुटैपेटकरहोपरतीत दिनकोपैनिशकोहोइशांत निशकोपैदिनशांतिलषांत अती-सारकेचिन्हजुगाहि सोभीलषियतग्रहणीमाहि यहसंग्रहणीअहैअसाध्य तीनदोषजिसलगीउपाध्य-जिन्हालिंगोंकरजोअतिसार होतअसाध्यकियोनिरधार तिन्हलिंगोंयुतग्रहणीजोय जानलहोअसा-ध्यहैसोय वहुकालीनग्रहणीलषपरै सोअवश्यनाशतनकरै दोहा वातपित्तकफतीनिकीग्रहणीकरीवखान जिहप्रकारवरननकरैवैद्यकग्रंथनिदान इतित्रिदोषजसन्निपातसंग्रहणीनिदानलक्षणसमाप्तम्

## ॥ अथत्रिदोषजग्रहणीचिकित्सानिरूपणम् ॥

दोहा ॥ संग्रहणीत्रैदोषकीसुनोचिकित्सातास सोऊसकलवरननकरौंजैसेंग्रंथप्रकाश

॥ अथघृतप्रकारः ॥ अथशतावरीघृत ॥ चौपई ॥ लेशतावरीउत्पलचंदन पद्मप्रियंगूयहदुखकदंन शालपर्णीअवरमघांपतीस तासमिलायकूटकरपीस पाठाविल्वअजमोदमंजीठ जीवंतीकालिंगसुनईठ इंद रयवअरुडारोचित्रा सभसम कूटपीसलेमित्रा इन्हकेक्काथमांहिघृतपावै भलेंपकायकर्षभरषावै त्रिदोषजग्रहणीपितअतिसार रुधप्रवाहिअर्शकोटार अथाचित्रादिघृत चोपई चित्राहिंगुमघांगजपीपर मरचमुलठीसुंठीतिंहधरकिरायताजीराचवकाविडंग अयवाजषसैंधाधरसंग त्रिकुटावल्लजवायणजान यवक्ष्यारपुनकरोमि-लान यहसभपलपलअर्धपिसावै प्रस्थप्रमाणघीउमोंपावै पुनदशमूलीक्काथकराय क्काथपायघृतअ-ग्निपकाय पुनचांगेरीरसाहिंपकावै कर्षप्रमाणप्रातघृतषावै त्रिदोषजग्रहणीशीघ्रनसाय आमरोगकुक्षरो-गमिटाय क्रममंदाग्निअफारानाशै रोगजांहितनदुतिपरकाशै ॥ अथमसूरादिघृत ॥ चौपई ॥ क्काथमसूरनकोकरलेय विल्वजीरानागरसंगदेय चतुर्थभागजवक्काथरहाय ताकेसमतामोंघृतपाय घीउपकायकर्षभरषावै त्रिदोषजग्रहणीभागीजावै ॥ अथमसूरादिक्काथ ॥ चौपई ॥ प्रथममसू-रक्काथकरवावै विल्वनागरपुनकलकवनावै कल्कलेक्काथमिलायपिलाय त्रिदोषजग्रहणीभागीजाय ॥ अथ गोतक्रगुणनिरूपणं ॥ दोहा ॥ गोकीतक्रकेसभीगुणसोवरनोसतभाय जाकेसेवनतेंलषोंसभसंग्रहणी-जाय ॥ चौपई ॥ ग्रहणीसंयुतजनहैजोय गोकीछाछताहिहितहोय ग्राहिकदीपनलघुतिसजान सेवन-योग्यसदापरिमान त्रिदोषजसभसंग्रहणीजाय कष्टसाध्यसोऊनरहाय जोऔषदकरहोयनशांत दाहअ-र्शजोयुक्तलषांत उसकोंतक्रसेवनेयोग हरैरोगसमुझौंसभलोग ज्योंत्रिणभाराहिंअग्निजलावै ज्योंरविस-भअंधकारमिटावै त्योंसभग्रहणीतक्रनसावत वंगसेनऐसेंसमझावत ॥ अथतक्रप्रकारः ॥ चौपई ॥ गौअनकोविवरोलषलीजै ज्योंवैद्यकमोंलिख्योपतीजै पीतगायकीतक्रजुहोय वातजग्रहणीहरहैसोय श्वेतगायकीछाछजुलहिये पित्तजग्रहणीनाशककहिये रक्तगायकीतक्रजुजान कफग्रहणीकोकरहैहान कृष्णावर्णत्रैदोषमिटावै विवरोयहगौअनलषपावै गायनकोंवनमांहिचरावै जलपिलायमंदमंदचलावै तक्रहेतुतिन्हगायनकेरो लेयदूधग्रहणीहरहेरो वातजग्रहणीजिहलषपावै काचोदुग्धजमायमथावै पित्तग्र-हणीमोंतनकपकाय दहीजमायपुनहिंरिडकाय कफजत्रिदोषजग्रहणीजानै पादहीनकरपयदाधिठानै तनकअमलपावैपयमांहि वहुतजागतिसपावैनांहि तक्रहेतुदधिकठिनप्रमान मृदुलदहीपरिमाणनजान अल्पपायजलदधिरिडकावै माषनतासोंभिन्नकरावै सुंठीकोचूरणपीसाय पायतक्रमोंरुजिहिंपिवाय जोरो गीतनरूषाजानै नेत्रस्वेतपुनतासपछानै तौमाषनसंयुक्तापिलावै सनिग्धतक्रहितकरातिसगावै दिनदिनप्रती शनैजुशनैकर तक्रवधावतजायहदेधर त्योंत्योंअन्नघटावतजावै क्षुधात्रिषामोंतक्रामिलावै श्रमअरुवहुभोज

ननहिंकरै क्रोधनकरैनवाहनचडै मैथुनतजैरहैइकसार सेवैतक्रहरैसुविकार संग्रहणीसभशीघ्रविनाशै घृतहुतेंज्योंलक्ष्मीनाशै जवग्रहणीकोनाशलषावै क्रमक्रमकरतवअन्नवधावै प्रथमहिंक्रमाजिहअन्नघटायो तिसहीक्रमकरचहैवढायो पथसेवैजुअपथ्याहिंत्यागै रोगीसदापथ्यअनुरागे पथसेवीकोंविषजुकराल पच जावतिहैसोततकाल ग्रहणीसंयुतनरजोहोय ज्योंज्योंतक्रसेवहैसोय तक्रतुल्यनहिंअवरउपाय जातैंसभ-संग्रहणीजाय ॥ दोहा ॥ गायतक्रकेगुणकहे सभहीकह्योप्रकार तक्रसेवइहयतनकरग्रहणीमिटैविकार- ॥ इतिसर्वसंग्रहणीहरतक्रगुणसमातम् ॥

## ॥ अथत्रिदोषजआमादिसमस्तसंग्रहणीचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथक्राथादिउपाय ॥ चौपई ॥ आंवअंवाडाजंवूजान इन्हकोक्राथकरैमतिमान पादशेषज बक्राथरहावै तंडुलबासमतीतिंहपावै ताहिउवालैमांडवनाय रोगीकोंपरभातखुला-य आमत्रिदोषजग्रहणीजावै रोगजायरोगीसुखपावै ॥ अन्यचक्राथ ॥ चौपै ॥ अषरोटमूलकीत्वचाउषारै धावैविल्वसुंठितिंहडारै क्राथकरैशीतलकरपीवै नाशआमात्रिदोषजथीवै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ वालाविल्वसुंठीमुथधावै धनियांतिन्हकेसंगमिलावै काथवनाययवागूपाय पीवैग्र-हणीरोगनसाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ जंवूदाडिमअवरसिंगाडें पाठावालविल्वकचनारे काथकरैपुनगुड-जुमिलावै भलीभांतकरताहिरलावै पुनमिलायसुंठीजोषाय सभप्रकारकीग्रहणीजाय अथचूर्ण चौपै अषरोटमूलत्वचभागलेतीन मजीठभागएकलषलीन चूरणकरतंडुलजलसंग कुक्षरोगसभग्रहणीभंग ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ हरडवृक्षत्वचचूरणकरै तक्रसाथपीग्रहणीहरै आमरक्तकोरोगनसावै वंगसेनयोप्र-गटलषावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ वालाविल्वमधुचूरणमिलाय चित्रापीसछाछमोपाय तिसछाछमोचूरण-सोय पीवैरोगीग्रहणीजोय ॥ अथकपित्थाष्टकचूर्णं ॥ चौपै ॥ अजवायणनागरपुनधावै पिपलामूल-मरचववचपावै जीराधनियांसौंचलजान दाडिमवीजमवःविल्वपछान चतुर्जातकवछजवायणपावै यहसमवस्तुत्रिगुणाठहरावै मिसरीषटगुणपीसधरीजै कपित्थअष्टपलजानपतीजै चूरणषायजायअतिसार क्षईसभीसंग्रहणीटार गुल्मश्वासअरुचअरुकास हिडकीनाशैकीनप्रकाश कपित्थादिकयहचूर्णजान वंगसेनयोंकीनवषान ॥ अथगुडप्रकारःअथकल्याणगुड ॥ चौपै ॥ प्रस्थआमलेरसलेतीन तुलाअर्द्धगु-डलेपरवीन त्रिकुटाजीराचवकविडंग पिपलामूलगजपीपलसंग फालसेअरअजमोदाजान त्रिफ-लासैंधाजवायणठान पाठाधनियांअरुलेचित्रा यहपलपलप्रमाणलषमित्रा त्रिवीअष्टपलपीसामिलावै मीठातैलअष्टपलपावै सभहीवस्तुइकठकराय मंदअग्निदेताहितपाय अरात्रिसुगंधजुतासरलीजै स्निग्ध-जुभाजनमाहिधरीजै चारटांकभरनितउठषावै सर्वप्रकारहिंग्रहणीजावै श्वासकासस्वरभेदविनाशै शोथ-नपुंसकतारुजनाशै अरुवंध्याइस्त्रीजोषाय पुत्रजनैसुनहोचितलाय ॥ अथमहाकल्याणगुड ॥ चौपै ॥ पिपलामूलसुंठमधपीपल चित्राधनियांअरुगजपपिल त्रिफलाजीरासौंफविडंग अजमोदामरचजवा-यणसंग पत्रनीलनीलाइचीदोय सौंचलसैंधाविडजुसमोय समुद्रलवणसांवरपीसाय पांचलवणयह-तामोपाय अमलतासइन्द्रजवपावै दालचीनीतजपत्रपिसावै कर्षकर्षइन्हकोपरिमान द्राक्षालेपल-चारसमान त्रिवीअष्टपलतामोंपावै तैलअष्टपलताहिमिलावै अर्धतुलाभरगुडजुमिलाय धात्रीफल-रसात्रिप्रस्थरलाय मंदअग्निधरताहिपकावै रुंवलफलसमगुटिकवनावै धात्रीफलवावाद्रिसमान गुटके-

करदेवलअनुमान सर्वप्रकारकग्रहणीजाय सभप्रमेहहृदवातमिटाय पीनसअरुदुर्वलताजावै मंदअ-ग्निकरभूषवधावै धातुक्षीणकोधातवधावत आयुक्षीणआयुरावधावत क्षईनपुंसकताज्वरनाशै इतनेरो-गहरैसुखभासै वंध्यापुत्रवतीहोइरहै गंधर्वन्यायरूपस्वरगहै यहजुमहाकल्याणगुडजानो अहैरसायण-निजमनआनो जाकोंरक्तपित्तहृदरोग असननिंवपाठाकरयोग ॥ अथचित्रादिकल्याणगुड ॥ चौपै ॥ चित्राचवककविल्वजुगिलोय चांगेरीधावैसुनसोय धनियांपिपलामूलमंगाय पाठालोधरइटसिटपाय कोगडत्वचावीजपुनजान न्हीविरयहकरोमिलान पंचपंचपलइकइकलेय तीयचतुर्गुणमोंसोदेय अग्नि-चढायपकविजास चतुर्थभागजवरहिहैतास आद्रकरसदधिमंडअनावै दाडिमरसपुनताहिमिलावै अर्धतुलाप्रमाणइन्हजान अर्धतुलापुनगुडतिहठान अर्धतुलापुनजलजुमिलावै शीतलकरयहचूरणपावै त्रिफलात्रिकुटामुत्थरजान जवायणदोनोजीरेठान चूरणयहपलअष्टजुलीजै सिद्धशीतलगुडमाहिरलीजै वलअनुसारानित्ययहषावै मंदअग्निसंग्रहणीजावै वातशोथकफज्वरअरुशूल पांडुश्वासकासनिर्मूल अर्शहीहगुल्मयहरोग अल्पकालिचिरकालिप्रयोग एतेरोगनाशयहकरै पुष्टधातुवलतनमोंधरै ॥ अथ-मस्त्वादिकल्याणगुड ॥ चौपै ॥ मस्तुआरनालऌणकरस अरुआद्रककोरसमेलोतस तुलाअर्धअर्ध-परिमान तैलअष्टपलतामोठान अर्धतुलातेअर्धजुलेय आंवलेरसतिसमाहिजुदेय अर्धतुला गुडजलसमपाय मंदअग्निदेताहिपकाय पकैसुपक्वलासोप्रगटावै तवयहवस्तूपीसमिलावै कोगडकुठर-सांजणपीस धावेत्रिकुटाचवकपतीस जवक्षारजुसेंधाचित्राजानो दालहलदपिपलामूलपछानो अर्धअ-र्धपलयहसभपावै वलअनुसारनिताप्रतिषावै ग्रहणीअर्शश्वासअरुकास गुल्मप्रमेहहृदिरोगविनाश-उदावर्त्तपांडुकफवात इन्हरोगनकोयहकरघात पाचनदीपनयाकोंमानो करतावलअरुपुष्टपछानो ॥ अथकूष्मांडकल्याणगुड चौपई ॥ पक्वकूष्मांडअनवावेत्वचावीजतादूरकरावे इकशतपलताको-परिमान एकप्रस्थघृतमोसोठान ताम्रपात्रमोंपायपकावै मंदअग्निकरगोलषपावै इकइकपलओषद-यहलेय पिपलींपिपलामूलधरेय गजपीपलधनियांकोगडचित्रा सुंठविडंगमरचसुनमित्रा त्रिफला-अजमोदाअरुजीरा सैंधालवणलखोनरधीरा इकइकपलइन्हकोपरिमान त्रिवीअष्टपलयामोठान तिलकोतेलअष्टपलपावै गुडपचासपलताहिमिलावै धात्रीफलरसप्रस्थजुतानि पकवावैमंदअग्निप्र वीन रुंवलवावद्रीफलजान वागुटकाआमलेप्रमान विधिसोंवासनमांहिरषावै वलअनुसारानिता प्रतिषावै ग्रहणीकुष्टअर्शज्वरजाय गुल्मभगंदरपांडुमिटाय हृदकोरोगअफारानाशै उदररोग कामलाविनाशै विसूचीअरुप्रमेहइकीस वातजरक्तजरोगहिषीस क्षईहलीमकपाकतनजाय त्रिदोषजरोगनकोंसुनसाय व्याधिक्षीणवयक्षीणजुकोय अरुइस्त्रिनकरक्षीणजुहोय तिन्हकोंवयअ रुयौवनदेय वलअरुपुष्टधातुसुकरेय वंध्याइस्त्रीजोईहषाय पुत्रहोयवहुधासुखपाय ॥ अथ बहुशालिगुड ॥ चौपई ॥ तिक्तात्रिवीविशालाचित्रा मुत्थरसुंठविडंगसुमित्रा कुंभीभपडेहरड कचूर पीसइकत्रकरोसमपूर यहसमस्तपलदोदोलेय अष्टपलताहिमिलावेदेय द्वादशपलरशूरणते हपाय वृद्धदारुषट्पलसुमिलाय इन्हकोंषंडषंडकरचूर दोयद्रोणजलभीतरपूर मंदअग्निकरक्वाथवनावै पादशेषरहिवस्त्रछनावै तिंहरसतुलाप्रमाणगुडपाय तनकअग्निधरपुनउतराय पुनयहचूर्णताहिमिलावै तिक्तात्रिवीजुचित्रापावै मुत्थरएलामर्चपछान तजनागकेसरपुनठान दोइदोइपललेचूर्णकरै गुडर-लायवासनमोंधरैं वलअनुसारगुटकासोषाय पथ्यरहैवहुरोगामिटाय वातपित्तकफदोपमिटावै इंद-

जदोषात्रिदोषहिंजावै संग्रहणीकामलाविनासै कुष्टप्रमेहअर्शयहनाशै पांडुभगंदरतनतेटारै एतेगु-णतिसमाहिविचारै वहुशालीइहगुडकोनाम रोगविनाशैतनसुखधाम ॥ इतिगुडप्रकारः ॥

॥ अथअष्टपलघृत ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाचूरणकरै पलपलभरप्रमाणउरधरै पलप्र-माणगुडउत्पलपावै अष्टजुपलघृतताहिमिलावै घृतसोषायप्रीतहदलाय मंदअग्निअरुग्रहणीजाय ॥ अथविल्वादिघृत ॥ चौपई ॥ विल्वचवकआद्रकरसाचित्रा पीसअजापयमोंधरमित्रा घृतातिंहपाय-पकायपवावै मंदाग्निशोथग्रहणीभगजावै ॥ अथमसूरादिघृत ॥ चौपई ॥ मसूरतुलाभरकरोक्काथ प्रस्थप्रमाणपायघृतसाथ यहचूरणजोअंगकहिये पावैपीसदुखहरलहिये पिपलीपिपलामूलमंगावै चित्राचवकसुंठपुनपावै इन्हतेंदुगणादुग्धमिलाय मंदअग्निधरताहिपकाय कर्षप्रमाणनिताप्रतिपावै ग्रहणीअर्शअफाराजावै वलअरुवरणदेहमोंकरै अग्निवधावैयहदुखहरै ॥ अथवृहताचित्रकक्यारघृत ॥ चौपई ॥ कंडचारीचित्रासातोक्ष्यार इन्हहूंतेंदुगुणाघृतडार पकायअग्निमृदुताकोंपावै तनके-रोगअनेकनसावै ॥ अथअन्यविल्वादिघृत ॥ चौपई ॥ वालाविल्वमोचरसल्याय मुस्थरइन्द्रयव-तासरलाय अजादुग्धमोंपायपकावै पीवैग्रहणीरोगमिटावै ॥ इतिघृतप्रकारः ॥ अथमधूकपुष्पासव॥ ॥ चौपई ॥ मधूकपुष्पकारसनिकलावै मंदअग्निकरताहिपकावै चतुर्थभागमधुताहिमिलाय शीतलकरकेप्रातपिवाय संग्रहणीरुजकाकरहैनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अथमध्वारिष्टआसव ॥ ॥ चौपई ॥ नवीनमघांपीपलपीसावै मधुमिलयघटलेपकरावै अगरधूपपुनकुंभहिंदेय मधुअरुजलसोंक-लसभरेय जलमधुआढकआढकजान पुनयहचूरणतामोंठान अर्धकुडवतिंहपायविडंग एककुडवमघपि पलींसंग पुनयहकर्षकर्षपरिमान औषदचूरणतामोंठान तजअरुतजपत्रलषधीर मरचांकाहीतोखाक्षीर गजकेशरएलाअरुचित्रा मुथ्सुपारीतेजवलमित्रा पतीसअवरलषपिपलामूल तामोंडारैयहसमतूल भूगाडे इकमासप्रयंत पुननिकासलेवैलषतंत मंदअग्निकरआसवकाडे पीवैरोगहटैसुखवाडे ग्रहणीअर्शशोथज्व रजावै पांडुकुष्टहृदरोगनसावै कफकेरोगनाशसभहोंहि देहअंगसुंदरअतिसोंहि ॥ अयअन्यच ॥ मधूकपु ष्पासव ॥ चौपई ॥ मधुकपुष्पद्रोणभरआन तातेंअर्धविडंगपछान तिसतेंआधोचित्रापाय भिलावे-आढकताहिमिलाय तहांमंजीठअष्टपलपावै द्रोणतोयमोंताहिपकावै शीतलकरआढकमधुपाय पुनयहधूपकुंभदेवाय एलाचंदनअगरपछान अरुमृणालयहधूपप्रमाण धूपदेयसभघटमोपावै मासएकभूगा डधरावै पुननिकासआसवकढवाय वलअनुसारपीयसुखपाय ग्रहणीस्थूलरोगपरमेह कुष्टथिमशोथहर-एह रक्तपित्तरुजहोवैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथदशमूलासव ॥ चौपई ॥ दशमूलहलद जुवहेडेजीरा पांचपाचपललेसुनवीरा दोदोपलइन्हकोपरिमान पुनयहचूरणतामोठान प्रियंगूपुष्पमंजीठपिसाय मधुकलोध्रदोदोपलपाय घटमोंसभपावैलषतंत भूमिधरैअधमासप्रयंत मंदअग्निआसवनिकसाय वलअनुसारपीयसुखपाय यहदीपनरक्तपित्तकोंहरै ग्रहणीमंदअग्निहितकरै हृदयरोगकफरोगअफार पांडुरोगयहदूरनिकार ॥ अथपिंडासव ॥ चौपई ॥ मघांवहेडेगुडयह आन प्रस्थप्रस्थइन्हकोपरिमान प्रस्थएकजलमोंयहपावै इकमासकुंभयवमध्यरपावै मंदअग्निकरआस-वलेय पीवैरोगअनेकहरेय ॥ इतिआसवप्रकारः ॥ अथलोहसारकल्प ॥ चौपई ॥ स्वरणमा-क्षिमनासिलपीसावै सारलोहपरलेपलगावै अभितपायतक्रमोंडार असेंपुठदेवेवहुवार असेंमृतक-

लोहजवहोय पुनचूर्णकरलेवसोय जोलोहापलअष्टप्रमान तैलजुघृतइकइकपलठान त्रिफलेकोरस-लेपलचार तक्रअमलपलचारोचार कर्षकर्षऔषदयहपाय तिन्हकोकहोंतोहिसमुझाय त्रिकुटाअ-जमोदाजुकनेर विडंगलवणसेंधापुनसेर तिन्हमोंपिपलामूलामिलावै सभरलायकरपरलकरावै गुटका-बांधेवलअनुसार रोगीपावैनित्यानिहार ग्रहणीअर्शशोथमिटजाय प्रणामशूलहरअग्निवधाय ॥ अथअपराजितअविलेह ॥ चौपई ॥ पतीसअर्धपलकूटोआन कोगडदोपलकरोमिलान भंगरामूल-कर्षइकलेय कूटप्रस्थजलमोंसोदेय पकायपादशेपजोरहै वकरीदुग्धसप्तपलगहै तामोंपायपुनहिंपक-वावै दुग्धचारपलतहांसुकावै पलत्रैदूधरापउतराय तामोचूरणपसिमिलाय सुंठइंद्रयवमुथरपतीस अक्ष-अक्षप्रमाणलपसि कांजीअमलसोंचाटैतास अजादुग्धपुनपरुिजनाश ग्रहणीअतीसारयहनाशैं विना-रोगअंगसभभाशैं ॥ अथक्षारप्रकारः ॥ अथभल्लातकक्षार ॥ चौपई ॥ भिलावैत्रिफलापांचोलून तीनतनिपलगहेनऊन गृहकोधुआंदोइपलआन सभामिलायकरकठेठान जंगलीगोहनसाथजलावै घृतसोंपानकरेदुःखजावै ग्रहणपिांडुहृदरुजअरुशूल गुल्मउदावर्तहोंइनिर्मूल ॥ अथदुरालभक्षार ॥
॥ चौपई ॥ दुरालभाअवरकरंजुमंगाय सप्तपर्णिपुनकोगडपाय वरचमैनफलमूर्वाल्याय पाठाअ मलतासतंहपाय यहसमचूर्णकरैबनाय गूत्रसाथगुटकाजुवंधाय गोहनसाथदगधकरसोय दुग्धसंगपीजै-सुखहोय ग्रहणीजायपुष्टवलथीवै दुरालभाक्षारयहनामकहीवै ॥ अथभूनिंबादिक्षार ॥ चौपई ॥ भूनिंबरोहिणीतिक्काआन पटोलनिंवपापडाठान महिषिमूत्रसोंपीसमिलाय दग्धकरैसंगदुग्धपिलाय अग्निवधैग्रहणीहोइनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथद्वीहृद्रादिक्षार ॥ चौपई ॥ दोनोहलदीवरचमं-गावै चित्राकौडकुठसुमिलावै मुथरयहसमचूरणकरै वस्तमूत्रमेलकरधरै दग्धकरैपुनपावैसोय मंदअग्नि-ग्रहणीकोखोय ॥ अथमहांक्षारः ॥ चौपई ॥ दशपललीजैयवकोक्षार दुगुणातामोंसेंधाडार त्रिवीभिला-वैचित्राजान त्रिफलातजइकलवणसमान थोहरअर्कदुग्धपुनलेय घृतअरुतैलइकत्रकरेय प्रस्थप्रस्थइन्ह-कोपरिमान चूरणइन्हमोंकरैमिलान दग्धकरैपुनजलसंगपीवै वलअनुसारषायसुखथीवै ग्रहणीगुल्म-अर्शकृमनाशै रोगजांहितनदुतिपरकाशै ॥ अथवार्ताकक्षारगुटका ॥ चौपई ॥ थोहरदंडचारपलआन त्रिफलालवणत्रैकुडवसमान अर्कजुचित्राउत्पललीजै गोहैआग्निदग्धयहकीजै कंडयारीरससोंगुटका-करै भोजनांतसेवैसुखवरै भुक्तअन्नपचिग्रहणीजावै श्वासकासपुनअर्शमिटावै हृदयरोगविसूचीनाशै पीनसहरैतनसुखपरकाशै समस्तजातिसंग्रहणीजेती कहीचिकित्सासभकीतेती ॥ दोहा ॥ संग्रहणी-केरोगकीकहीचिकित्सएहु भाषोंपथ्यापथ्यअवसोचितसोंलपलेहु ॥ इतिसंग्रहणीरोगचिकित्सासमाप्तम्

## ॥ अथसंग्रहणीरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ संग्रहणीअतिसारमोंभेदअल्पकरजान तौभीपथ्यापथ्यतिससमझोकरोंवषान ॥ अथपथ्यं ॥
॥ चोपई ॥ सठीवासमतीजुपुरानी इन्हकेतंडुलहैंसुखदानी निद्रालंघनछर्दकरावै मुंगमसुरतूवीरसपावै लाजामांडसजरानवनीत सजरीतक्रदहीसुनमीत मापनअजादुग्धकोंजानो तुरतनिकाल्योहोइसोमानो गोकामठानिकास्योमापन वकरीदुग्धजहीरुजनाशन तैलतिलोंकोवकुलअनार शालुकंदसंगराकिचनार कदलीपुष्पअवरफलजान जामणनिंवअफीमप्रमान कपित्थदडूनीजाइफलजानो जीराधानियांलूण

कमानो लवाससातीतरकोमास हरणक्षुद्रमत्सपथतास इन्हमासनकोरसनिकलावै संग्रहणीमोंमध्यध रावै ॥ दोहा ॥ दोइअंगुलीतलनाभिकोऔरत्रिकुलमंझार शस्त्रतपायजुदागदेअर्धचंद्रआकार.

## ॥ अथसंग्रहणीअपथ्यम् ॥

॥ दोहा ॥ अपथ्यसंग्रहणीकेकहेदेषेग्रंथविचार व्याधीइन्हकोनाअचैतौहोइरहितविकार ॥ चौपई ॥ जाग्रनमैथुनवहुजलपान रुधमोक्षअरुधूमरपान श्रमअंजनवेगनकोरोकन विष्टामूत्रादिकजोरोधन कनकरवांहिमाषयवकेऊं कूषमांडतूंवीलषतेऊं षपड़ीमधुसुहांजणाजानो कंदसमस्ततांवूलपछानो इक्षुवेरअरुआंवसुपारी दुग्धनवीनगुडतासकंडचारी पत्रशाकवृंताकनलेर द्राक्षअमलतजिपेहितहेर इटसिटवहुतलवनसुनलीजै भारीअन्नवस्तुजुकहीजै स्वेदविरुद्धभोजनकरहान अपथ्यजुसंग्रहणीके-जान ॥ दोहा ॥ संग्रहणीकेपथअपथभाषेसुगवमनाय पथ्यगहेत्यागैअपथसोव्याधीसुषपाय ॥ दोहा ॥ ग्रहणीरुजवरननकियोप्रथमहिकह्योनिदान मध्यचिकित्सावरणकेपथ्यापथ्यवषान

## ॥ अथसंग्रहणीरोगकर्मविपाक ॥

## ॥ अथसंग्रहणीदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोअत्यंतलोभअनुसार धनसंग्रहकरनेकप्रकार देवपित्रअर्थनहिदेवे अ-रपरगौभूकोंहरलेवै अरुविनदोषस्वभार्यात्यागै ताकोंसंग्रहणीदुखलागै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ चा रद्वारकोसदनवनावै चारकलशवहुद्वारधरावै चंदनसोंगृहसिंचनकरै मध्यतासहरिमूरतधरै स्वर्णमयी-लक्ष्मीनारायण करैविराजमानअघघायण विधिवतपूजैप्रीतलगाय पीतपट्टअंवरओढाय विष्णोरराटसं त्रकेसंग हवनकरैमनधारउमंग अरुनवीनगोवत्सासाथ करैदानलपलेयहगाथ चावलसठीकेजुमंगावै तिलगोधूममुदगअनवावै मसुरकलापसर्षपाआन यहसभविप्रनदेवैदान देयसमूर्तिविप्रवरताहीं संग्र-हणीतेंमुकिलषाहीं ॥ दोहा ॥ संग्रहणीकिदोषकोकारणकह्योउपाय अर्शरोगवरननकरोंकर्मविपाकलषाय ॥ इतिसंग्रहणीसमाप्तम् ॥

## ॥ अथसंग्रहणीरोगज्योतिष ॥

दोहाजन्मलग्नसौंछठैघरचंदपडैगोजासअथवाहोवेक्षीणवलदशाभिहोवेतास कारणतिहउसजीवकोंसंग्र-हणीआइवरेह चंद्रमाकीशांतिनिमितनरउपाइसुकरेह उपाय तिलघृतलकरीद्यारकीहवनकरनहैयोग्य दधिसुतकीपुजाकरैभावभगतिसंजोग्य व्राह्मणकोंफुनयथाविधिभोजनक्षीरखुलाय मोतीधारणदेहमोंशं-खदानद्विजदाय पंचगव्यगजमदफटिकअरुनीलोत्पललेय सिपीपावेनीरमोंतिहनरस्नानकरेय ॥ इति-ज्योतिषम् इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाश भाषायां संग्रहणीरोगाऽधिकारकथनं नामएकोनपंचा सत्तमोऽधिकारः ॥ ४९ ॥

## ॥ अथअर्शरोगनिदानादिनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अर्शरोगवरननकरोंसंयुतसकलनिदान सहितचिकित्सापथअपथसुनहोपुरुषसुजान-
॥ दोहा ॥ प्रथमनिदानवषानिहोशास्त्रनकेअनुसार अर्शहिंकौंववासीरकाहिंसोऊषटपरकार

## ॥ अथसामान्यअर्शनिदानलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ छठीकलाजोग्राहणीदोषकुत्ततिहहोग दोषकुत्ततेंहोतहैअर्शरोगकोयोग ॥ चौपई ॥ वातपित्तकफकुत्तजुतीन मेदमांसत्वचदुखितसुकीन तातेंहोतजुअर्शविकार अंकुरउपजितनेकप्रकार अर्शनामववासीरकहीजै अरुजुमवेसीनामभनीजै सोयमवेसीषटपरकार भिन्नभिन्नसोकरोंउचार एक वातअर्शपहिचानो दूसरापित्तअर्शमनआनो तीसरअर्शकफजकरकहिये चतुर्थकसन्निपाततेंलहिये- सन्निपातत्रिदोषहिंजान वातपित्तकफकठेमान पंचमअर्शसुरक्तविकार परमपरापरषटसुविचार शंख ग्रीवन्याईवलतीन गुदामध्यहोवेंलषलीन तहांअर्शचिन्हयोंजानो ग्रंथनिदानकह्योसुपछानो महुके- मांसमाहिसोंकरैं यातैंअर्शनामाविस्तरैं ॥

## ॥ अथगुदाअनुसारअर्शप्रकारः ॥

॥ चौपई ॥ स्थूलआंत्रोंकेसाथजुवांधी गुदासार्धपांचअंगुलिसांधी वलजोतीनतासकेकहिये अंतरअर्धअर्धअंगुलिलहिये इकवलकोंपरिवाहनिजान दूसरिनामविसर्जनिमान तिसरीनामसंवर्णीहोय तीनोवलयोंजानोसोय जोप्रथमेंवलकेमंझार महुकेअल्पकालसंचार अरुजोअल्पउपद्रवसंग औषदतै- सोहोवैंभंग अरुजोगाढेउछ्रतजाने क्ष्यारनसोंतिन्हकोंहतठाने कर्कशकाठिनपुष्टवडलहियें अग्निकर्म- सोंनाशकरैयें उछ्रतअग्रसूक्ष्मजिन्हमूल शस्त्रकर्मसोंहोइनिर्मूल जोकफवातहुतेंप्रगटावैं क्ष्यारअग्नि सोंदूरकरावैं रक्तपित्तकरजोप्रगटांहि केवलक्ष्यारहुतैंवहजांहि वाहरवलकीअर्शसुसाध्य मध्यमवलकी कष्टतैंसाध्य अंतरवलकीजानअसाध्य प्रारब्धकर्मतैंहोवैसाध्य अर्शरोगहोइवहुअस्थान नासाकर्णालिं गमोजान गुदानाभिमोंहोवतसोय कहोंसरूपजुतिन्हकोजोय कोमलगंडोयोंकीन्याई अरुसानिग्धवि नगुदालषाहीं लेपतैलजोआगेंकहै यहीचिकित्साइन्हकीअहै नासातैंजुप्रगटहोहआवैं चिकित्साश स्त्रकर्मकहिगावैं ॥

## ॥ अथअर्शसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ होतत्रिवलजोगुदामंझार वहिरमध्यअंतरनिरधार वाहरलेवलमहुकेजोय एकदो- षतैंजानोसोय वर्षांतरजुउपजितेजान यहसुखसाध्यकह्योपरिमान ॥

## ॥ अथकष्टसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोवलमध्याहिमहुकेजानै वर्षदूसरेअंतरमानै याकोंकष्टसाध्यपहिचान प्रगटवषा- न्योग्रंथनिदान द्वंदजदोषहुतैंप्रकटात कष्टसाध्यतिसतेंजुकहात

## ॥ अथअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अर्शसहजजिहनरकोहोय अरुत्रिदोषतैंजानोसोय अंतरवलमोंमहुकेजान वहु- वर्षनतैंउपजेमान ताहिनिदानअसाध्यवषानै इंहप्रकारलपलेहुस्यानै